www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 29 सितंबर 2025 | 14 आश्विन, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 272, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

सूर्योदय 6:13 सूर्यास्त 6:10

आज का तापमान

शिमला	17 न्यू	26 अधि
धर्मशाला	19 न्यू	28 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80,426.46
निफ्टी	24,654.70

सोना 1,13,299 चांदी 1,37,067

सप्तम मां कालरात्रि

सातवें नवरात्र पर देवी दुर्गा के मां कालरात्रि स्वरूप की पूजा की जाती है। देवी के इस रूप की आराधना करने से साधक बुरी शक्तियों से दूर रहते हैं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालरात्रि को माता काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, मृत्यु–रुद्राणी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है।

ॐ कालरात्र्यै नमः।
एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता, लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा, वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी॥

पंचायत प्रधान ने रेत–बजरी सप्लायर से प्रति टिप्पर मांगे 500 रुपए

कहा-सिर्फ बिलों पर ठप्पा लगाने के लिए नहीं बैठी हूं; क्षेत्र के सभी प्रधान करते हैं ऐसा, तू भी कमा और मुझे भी कमाने दे

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। मंडी जिले के तहत सरकाघाट क्षेत्र की एक पंचायत प्रधान ने पंचायत के प्रधानों और ठेकेदारों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रधान का 9 मिनट का ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

इसमें वह अपनी पंचायत के रेत, बजरी सप्लायर से फोन पर बात कर रही है। वह उससे कहती है कि अब तक उसने कुछ भी नहीं कमाया, जबकि अन्य पंचायतों में लोगों ने लाखों रुपए कमा लिए हैं। प्रधान ने कहा कि मैं पंचायत में बिलों पर मुफ्त का ठप्पा लगाने के लिए नहीं बैठी हुई हूं। उसने सप्लायर से कहा कि वह उसको 500 रुपए प्रति टिप्पर के हिसाब से पैसा दे, ताकि दोनों कमा सकें। उन्होंने कहा कि दूसरी पंचायतों के प्रधान भी यही करते हैं और सप्लायर से सीधे तौर पर 500 रुपए प्रति तो टिप्पर बिल पर मुहर लगाने के लेते हैं।

फोन पर हुई बातचीत का 9 मिनट का ऑडियो वायरल

उसने टिप्पर वाले से कहा कि वह भी खूब कमाता है और उसे यह राशि देने में कोई भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यहां तक कि इस महिला प्रधान ने कुछ अन्य प्रधानों के नाम लेकर उनको भी लपेट लिया है। बता दें कि इस पंचायत प्रधान का इससे पहले भी एक बाहरी राज्य के व्यक्ति से पैसे की मांग करने का ऑडियो वायरल हो चुका है।

ऑडियो की जांच के बाद होगी आगामी कार्रवाई

जिला पंचायत अधिकारी अंचित डोगरा ने बताया कि वह इस मामले में पूरी जांच करने के बाद ही आगे की कार्रवाई कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑडियो की पूरी जांच होने पर ही आगे की कार्रवाई होगी। अभी ऑडियो की जांच चल रही है।

पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

पंचायत प्रधान के इस ऑडियो के तेजी से वायरल होने के बाद क्षेत्र की अन्य पंचायतों और उनके प्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ हो चुके हैं। आखिर महिला प्रधान ने ऐसा क्यों कहा कि सभी प्रधान ऐसा ही करते हैं। इसके अलावा प्रधान का यह कहना कि पंचायत प्रधान बिलों का मुफ्त का ठप्पा लगाने के लिए नहीं बैठे हैं, यह भी पंचायतीराज प्रणाली पर सवालिया निशान है।

विजय की रैली में भगदड़ पर टीवीके नेताओं पर एफआईआर

हाईकोर्ट पहुंची पार्टी; कहा- यह हादसा नहीं, डीएमके की साजिश

एजेंसी, चन्नई

एक्टर विजय की रैली में भगदड़ होने पर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के नेताओं के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उधर, पार्टी ने मद्रास हाईकोर्ट में इस मामले की जांच के लिए अपील की है। पार्टी ने कहा कि यह भगदड़ हादसा नहीं, एक साजिश है। पार्टी के वकील अरिवझगन ने कहा कि हादसा एक आपराधिक साजिश थी। हमें स्थानीय लोगों से पुख्ता जानकारी मिली है। हमारे पास सीसीटीवी फुटेज भी हैं। इनमें साफ दिखता है कि करूर में सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके के कुछ नेताओं की साजिश थी। हादसे के बाद गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। वहीं, रविवार को मरने वालों का आंकड़ा 40 तक पहुंच गया है। इनमें 16 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

भगदड़ की फाइल फोटो।

- **भगदड़ में हुई मौतों का आंकड़ा 40 पहुंचा**
- **गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट**

परिजनों को 20-20 लाख देने का ऐलान

विजय ने पार्टी के एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया है, जिसमें लिखा- 'कल करूर में जो हुआ, उसका दुख बयां करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख और घायलों को 2 लाख की मदद देना चाहता हूं।' दरअसल, विजय ने 2 फरवरी 2024 को टीवीके बनाई। विधानसभा चुनाव 2026 में उतरने की घोषणा की। इसके चलते राज्यभर में रैलियां कर रहे हैं। करूर में भी इसी मकसद से रैली रखी गई। रैली के लिए 10 हजार लोगों की परमिशन थी, लेकिन 50 हजार की भीड़ जमा हो गई।

नगरोटा में भतीजे ने की चाचा की हत्या

जमीनी विवाद के चलते चाकू से किए 8 वार, आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

कांगड़ा जिले के विधानसभा क्षेत्र नगरोटा बगवां के लुदरेड में रविवार सुबह एक युवक ने चाकू मारकर अपने चाचा की हत्या कर दी। हत्या का कारण पिछले लंबे समय से चला आ रहा जमीनी विवाद बताया जा रहा है। आरोपी ने चाचा पर चाकू से आठ वार किए। इसके चलते चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे टांडा अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अशोक कुमार निवासी लुदरेड के रूप में हुई है। वहीं, हत्या के आरोपी भतीजे सुखविंद्र सिंह (26) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविवार सुबह 8 बजे इस वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

बताया जा रहा है कि अशोक कुमार के साथ आरोपी के परिवार का जमीनी विवाद को लेकर विवाद था। अशोक कुमार अपने दो भाइयों के साथ ही रहता है। हाल ही में सरकारी योजन के तहत उनका नया मकान का निर्माण किया था। अशोक कुमार अपनी दो बेटियां और पत्नी के साथ यहीं रह रहा था। हत्या करने के पीछे कारण जमीनी विवाद बताया जा रहा है।

लोगों ने कहा कि अशोक कुमार मिलनसार और शरीफ व्यक्ति था। अपने काम से ही काम रखता था। रविवार सुबह 8 बजे वह घर से काम के लिए निकला, तो भतीजे ने उसे रोक दिया। इसके बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई और इसी दौरान सुखविंद्र ने अपने चाचा पर चाकू के 8 वार किए। आसपास के लोग चीखने की आवाज सुनकर आए, तो अशोक कुमार खून से लथपथ था। ग्रामीण उसे टांडा मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, वारदात के बाद आरोपी अपने घर चला गया, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। मृतक अशोक कुमार अपने पीछे पत्नी और दो बेटियां छोड़ गया है। वहीं, एसपी अशोक रत्न ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने 3 टीमें गठित की थीं, जिसमें एक टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए बनाई थी और उसने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतक अशोक कुमार की फाइल फोटो।

ग्रामीण बोले–आरोपी के परिजनों को भी करें अरेस्ट

स्थानीय लोगों ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर दोनों परिवारों में 2 माह पहले भी झगड़ा और कहासुनी हुई थी और इस दौरान भी पुलिस में शिकायत पहुंची थी। इसी दौरान दोनों पक्षों का पुलिस ने मेडिकल भी करवाया था। लोगों ने कहा कि आरोपी के परिजनों को भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए, क्योंकि आरोपी ने परिजनों की शह पर ही इस वारदात को अंजाम दिया है। उनका कहना था कि दो माह पहले हुए झगड़े के दौरान आरोपी के पिता ने भी अशोक कुमार को धमकी दी थी। रविवार को भी जब झगड़ा शुरू हुआ, तो आरोपी के परिजन वहां से चले गए।

केंद्र का राष्ट्रीय मुकदमेबाजी नीति लागू करने से इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय मुकदमेबाजी नीति को लागू करने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। इस नीति के अलावा केंद्र ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को कोर्ट के मामले को कम करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इस निर्णय के पीछे कारण है कि सरकार अपने ऊपर दर्ज मामलों की संख्या कम करना चाहती है, क्योंकि वर्तमान में केंद्र सरकार लगभग सात लाख मामलों में पक्षकार है। मामले में कानून मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार ने मुकदमों की संख्या कम करने के लिए जो नया तरीका अपनाया है, उसमें गैरजरूरी अपीलों को रोका जाएगा और उन आदेशों व नोटिफिकेशन में सुधार किया जाएगा, जिनकी वजह से कोर्ट केस होते हैं। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- 'आए नादौन जाए कौन' कहावत हो रही चरितार्थ -पेज 2
- बेघर और अनाथों के लिए संवेदना बनी सरकारी पहल -पेज 3
- यहां फर्श पर सोने से मिलता है संतान सुख -पेज 7
- संधोल-कोठुवां सड़क की बदहाली पर फूटा गुस्सा -पेज 9
- आत्मनिर्भर गांव ही हिमाचल की समृद्धि का आधार : अवस्थी-पेज 12

छात्रा ने हॉस्टल से कूदकर दी जान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। शिमला जिले के कोटखाई में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। बाघी स्थित रूट्स कंट्री स्कूल की छात्रा जैसिका ने हॉस्टल की खिड़की से कूदकर आत्महत्या कर ली। 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली जैसिका हरियाणा के पानीपत की रहने वाली थी। सूचना मिलते ही पुलिस और पंचायत प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। छात्रा के चाचा अमित ने बताया कि रविवार सुबह 6:11 बजे स्कूल मैनेजमेंट से उन्हें घटना की जानकारी दी गई। उन्होंने तुरंत शिमला के लिए रवाना होकर बताया कि उनकी भतीजी पूरी तरह स्वस्थ थी और उसे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। छात्रा का भाई भी इसी स्कूल में 12वीं में पढ़ रहा है। ऐसे में परिवार समझ नहीं पा रहा कि उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। जैसिका के पिता दीपक शर्मा गांव उरलाना कलां की गौशाला के प्रधान हैं और पेशे से व्यापारी हैं। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

लंदन से स्वदेश लौटे सीएम सुक्खू

बेटी की एडमिशन करवाने परिवार सहित 10 दिन पहले गए थे इंग्लैंड

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लंदन यात्रा से लौट आए हैं। वह अपनी बेटी के एडमिशन की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए परिवार सहित करीब 10 दिन पहले इंग्लैंड गए थे। शनिवार रात वह नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे, जहां राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने उनका स्वागत किया। इस दौरान देहरा की विधायक और मुख्यमंत्री की पत्नी कमलेश ठाकुर भी उनके साथ रहीं। मुख्यमंत्री सुक्खू रविवार को दिल्ली से शिमला पहुंचेंगे। सीएम सुक्खू की बड़ी बेटी कामुन का दाखिला लंदन यूनिवर्सिटी में हुआ है। वह वहां एलएलएम की पढ़ाई करेंगी। एडमिशन की सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अब परिवार भारत लौट आया है।

दिल्ली में सीएम सुक्खू का स्वागत करते उनके राजनीतिक सलाहकार बिट्टू।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली के काठमांडू छोड़ने पर रोक

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली समेत 5 लोगों के काठमांडू छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। इनमें पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक, गृह सचिव गोकर्ण मणि दुवाडी, आंतरिक खुफिया विभाग के प्रमुख हुत राज थापा, काठमांडू के तत्कालीन जिलाधिकारी छवि रिजाल शामिल हैं। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले न्यायिक आयोग ने लिया है। यह आयोग जेन–जी आंदोलन के दौरान हुई गोलीबारी की जांच कर रहा है। (अनंत ज्ञान)

कुपवाड़ा में सेना ने दो आतंकी किए ढेर

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। ये आतंकी एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, शव लाइन ऑफ कंट्रोल के बहुत करीब पड़े हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

बता दें कि पिछले 8 दिनों में सेना और आतंकवादियों के बीच यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले 20 सितंबर को जम्मू–कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया था। वहीं, एसपीओ समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मुठभेड़ दूदू–बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह में सोजधार के जंगलों में हुई थी। सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें निकालने का अभियान जारी है। सेना के जवान एलओसी पर लगातार निगरानी कर रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

यौन शोषण केस में आरोपी चैतन्यानंद आगरा से अरेस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट–रिसर्च में 17 छात्राओं के साथ छेड़छाड़ के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को दिल्ली पुलिस ने 27 सितंबर की रात आगरा से गिरफ्तार कर लिया। चैतन्यानंद पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगे हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस चैत्यानंद को मेडिकल जांच के लिए सफदरजंग अस्पताल दिल्ली लेकर आई।

इसके बाद पटियाला कोर्ट में पेशी हुई। अदालत ने चैत्यानंद को पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद के पास से दो फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। एक कार्ड में उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी राजदूत और दूसरे में ब्रिक्स संयुक्त आयोग का सदस्य और भारत का विशेष दूत बताया गया है। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब पता करेगी कि आरोपी स्वामी के साथ कौन–कौन लोग मिले हुए थे। पुलिस आरोपी को उन जगहों पर ही लेकर जाएगी, जहां आरोपी छात्राओं को अपनी महंगी कारों में लेकर गया था।

आरोपी स्वामी ने प्रधानमंत्री कार्यालय का भी अपना फर्जी पहचान पत्र बनवा रखा था। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार चैतन्यानंद 50 दिनों से फरार था और उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी। (अनंत ज्ञान)

- **कोर्ट ने 5 दिन की हिरासत में भेजा**

पाकिस्तान आतंक का गढ़ : जयशंकर

यूएन में बोले-बड़े आतंकी हमलों की जड़ें एक ही देश से जुड़ीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार रात को यूएन महासभा को संबोधित किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि हमारा पड़ोसी आतंकवाद का गढ़ है। भारतीय विदेश मंत्री ने बताया कि वहां आतंकवादियों का खुलेआम गुणगान किया जाता है। दशकों से, बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमलों की जड़ें उसी देश तक जाती हैं। जयशंकर ने आतंकवाद की फंडिंग रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि आतंकी ढांचों का खात्मा जरूरी है। आतंकियों से लड़ाई हमेशा से भारत की प्राथमिकता रही है।

जयशंकर ने जोर दिया कि जब कोई देश आतंकवाद को सरकारी नीति घोषित करता है, जब आतंकवादी ठिकाने इंडस्ट्री लेवल पर चलते हैं, जब आतंकवादियों को सार्वजनिक तौर पर महिमामंडित किया जाता है, तो ऐसे हमलों की बिना शर्त निंदा की जानी चाहिए। जयशंकर ने कहा कि हमें आतंकवाद का मुकाबला करने की खास जरूरत है क्योंकि यह कट्टरता, हिंसा, असहिष्णुता और डर को एक साथ जोड़ता है। जयशंकर ने कहा कि हमें आतंकवाद का मुकाबला करने की खास जरूरत है क्योंकि यह कट्टरता, हिंसा, असहिष्णुता और डर को एक साथ जोड़ता है। (अनंत ज्ञान)

क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म कर रहा पड़ोसी देश

जयशंकर ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि ये क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म का सबसे हालिया उदाहरण है। भारत ने आतंकवाद से अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि भारत को आजादी के बाद से ही ऐसे पड़ोसी का सामना करना पड़ा है, जो आतंकवाद का ग्लोबल सेंटर है। यूएन की आतंकवादी सूचियों में उसके नागरिकों की भरमार है।

आतंकवाद को पालने वाले अंजाम भुगतेंगे

विदेश मंत्री ने कहा कि अपने अधिकारों पर जोर देने के साथ-साथ, हमें खतरों का भी बहादुरी से सामना करना चाहिए। आतंकवाद एक साझा खतरा है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। जयशंकर ने चेतावनी दी कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रों को छूट देंगे, आखिर में वही आतंकवाद उनके लिए भी खतरा बनकर लौटेगा।

रोमांच साहसिक पर्यटन का हब बन रहा बिलासपुर, युवाओं के लिए खुल रहे रोजगार के द्वार

बिलासपुर के बंदलाधार से मिल रही सपनों को उड़ान

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान

बिलासपुर। बिलासपुर जिला अब केवल अपने ऐतिहासिक महत्व और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए ही नहीं, बल्कि साहसिक पर्यटन गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में भी पहचान बना रहा है। गोबिंदसागर झील की लहरें जहां पर्यटकों को जलक्रीड़ा का रोमांचक अनुभव दे रही हैं, वहीं बंदलाधार की ऊंचाइयां पैराग्लाइडिंग प्रेमियों के लिए स्वर्ग साबित हो रही हैं।

प्रदेश सरकार के प्रयासों और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के मार्गदर्शन में वर्ष 2024 से यहां एडवेंचर स्पोर्ट्स की शृंखलाबद्ध शुरुआत हुई। इन पहलों से न केवल बिलासपुर पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान बना रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए भी रोजगार और उद्यमिता के अनेक अवसर सृजित हो रहे हैं।

जलक्रीड़ा का केंद्र बनी गोबिंदसागर झील

गोबिंदसागर झील अब जलक्रीड़ा गतिविधियों का केंद्र बन चुकी है। यहां स्पीड बोट, वाटर स्कूटर, क्रूज राइड, बनाना राइड और शिकारा जैसी सवारियं पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। खासतौर पर शिकारा राइड सैलानियों को कश्मीर की डल झील जैसा अनुभव देती है। आने वाले समय में यहां तीन दिवसीय वाटर स्पोर्ट्स महोत्सव आयोजित होगा, जिसमें ड्रैगन बोट रेस, कायकिंग और कैनोइंग जैसी प्रतियोगिताएं होंगी।

पैराग्लाइडिंग के लिए स्वर्ग बना बंदलाधार

बिलासपुर का बंदलाधार पैराग्लाइडिंग साइट अब उत्तर भारत की बेहतरीन साइटों में गिनी जाती है। यहां से उड़ान भरते पैराग्लाइडर न केवल रोमांच का अनुभव करते हैं, बल्कि नीचे फैली गोबिंदसागर झील का मनोहारी दृश्य भी देखते हैं। मार्च 2025 में यहां सफलतापूर्वक आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग फिएस्टा में छह देशों के प्रतिभागियों सहित 70 से अधिक ग्लाइडरों ने हिस्सा लिया, जिसने बिलासपुर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई।

आइलैंड टूरिज्म और एयरो स्पोर्ट्स की संभावना

झील में आइलैंड टूरिज्म की अवधारणा पर भी काम चल रहा है, जिसके पूरा होने पर पर्यटक अंडमान-निकोबार की तर्ज पर झील के द्वीपों की सैर का आनंद ले सकेंगे। साथ ही, एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों को भी यहां बढ़ावा दिया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जल, थल और आकाश–तीनों स्तरों पर साहसिक खेलों के लिए बिलासपुर की स्थिति बेहद अनुकूल है।

> **प्रशासन** पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा पर विशेष ध्यान दे रहा है। हमारा लक्ष्य बिलासपुर को एडवेंचर स्पोर्ट्स हब बनाना है। यहां पर्यटन को बढ़ावा देने से न केवल पर्यटक आकर्षित होंगे, बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और भी मजबूत होगी। सरकार और प्रशासन के इन सतत प्रयासों से बिलासपुर आने वाले समय में देश-दुनिया के साहसिक पर्यटकों की पहली पसंद बन सकता है।
>
> **-राहुल कुमार, उपायुक्त, बिलासपुर**

न्यूज ब्रीफ

सुजानपुर में 15 कुत्तों का किया टीकाकरण

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। उपमंडलीय पशु चिकित्सालय सुजानपुर में विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर एंटी रेबीज के मुफ्त टीकाकरण की शुरुआत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ हर्षा महाजन द्वारा की गई। इसमें लगभग 15 कुत्तों का टीकाकरण किया गया। यह मुहिम 28 सितंबर से 04 अक्तूबर तक चलेगी। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी ने सभी कुत्तों के मालिकों से अनुरोध किया कि वह इस अवधि के दौरान अपने कुत्तों का टीकाकरण अवश्य करवाएं। कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद सुजानपुर से अनुरोध किया गया कि वह सफाई कर्मचारियों को निर्देश दें कि वे अधिक से अधिक आवारा कुत्तों को पकड़ कर उनका मुफ्त टीकाकरण करवाएं।

कबड्डी चैंपियनशिप में बिलासपुर कॉलेज विजेता

अनंत ज्ञान, नादौन। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नादौन में आयोजित चार दिवसीय इंटर कॉलेज पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन हो गया है। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 64 कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए गवर्नमेंट कॉलेज बिलासपुर की टीम ने खिताब अपने नाम किया। वहीं गवर्नमेंट कॉलेज सोलन की टीम उपविजेता रही। कोटशेरा कॉलेज ने नाहन को हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में एसडीएम अभिषेक गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अनिल कुमार गौतम ने की। मुख्य अतिथि ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया।

अन्य राज्यों के मॉडल को स्टडी करे शिक्षा विभाग

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। अगले सत्र से हिमाचल प्रदेश में 100 स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू होगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षा विभाग को देश के अन्य राज्यों के मॉडल का गहन अध्ययन करना चाहिए, यह मांग राजकीय टीजीटी कला संघ के प्रदेश महासचिव विजय हीर ने की है। ओडिशा, असम, छत्तीसगढ़ और हरियाणा जैसे राज्यों ने सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पद्धति लागू करने के लिए अलग-अलग विशेष व्यवस्थाएं विकसित की हैं। हिमाचल प्रदेश में सीबीएसई स्कूलों के लिए अलग कैडर बनाने की योजना है। वर्तमान में राज्य व राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त 517 उत्कृष्ट शिक्षकों तथा 270 सिंगापुर में प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों को सीबीएसई कैडर में शामिल कर उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इससे हिमाचल प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा और प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल कायम करेगा।

2.4 करोड़ मंजूर करने के लिए जताया आभार

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में चबूतरा से वाया लाहौल तहसील रोड के लिए नाबार्ड से 2 करोड़ 4 लाख रुपए मंजूर कराने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और स्थानीय परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में हमेशा तत्पर रहते हैं। राकेश ठाकुर ने बताया कि लंबे समय से चली आ रही इस मार्ग की मांग पर अनुराग ठाकुर ने नाबार्ड के समक्ष प्रभावी ढंग से पहल की, जिससे यह राशि मंजूर हुई। इस लिंक रोड के बनने से चबूतरा से री वाया लाहौल तक आवागमन में स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की इस पुरानी मांग की पूर्ति के लिए अनुराग ठाकुर के प्रति जनता सदैव आभारी रहेगी।

हिम आंचल पेंशनर्स संघ ने जताया शोक

अनंत ज्ञान, नादौन। हिम आंचल पेंशनर्स संघ, नादौन खण्ड इकाई ने सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मथुरा प्रसाद शर्मा के अकस्मात निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मथुरा प्रसाद शर्मा, निवासी वाहल, तहसील गलोड़, जिला हमीरपुर थे। संघ के संस्थापक बीडी शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष केसी गौतम, मुख्य संरक्षक योग राज शर्मा समेत अन्य पदाधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट की। निकटवर्ती क्षेत्र के पेंशनर्स ने उनकी अंत्येष्टि में भाग लेकर अंतिम विदाई दी, जबकि दूरदराज के कई पेंशनर्स ने दूरभाष के माध्यम से दुःख जताया। इस अवसर पर जगदीश कौशल, बनारसी दास पटियाल, हेम राज शर्मा, जैसी राम, जयपाल, रोशन लाल सहित दर्जनों पेंशनर शामिल हुए। मथुरा प्रसाद शर्मा के निधन से पेंशनर्स संघ को अपूरणीय क्षति हुई है। संघ ने उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की।

जज मनु ने बिझड़ी में दी कानूनी जानकारी

अनंत ज्ञान, बड़सर। रविवार को माननीय सिविल जज मनु प्रिंजा ने बिझड़ी पंचायत घर में स्थानीय लोगों को कानूनी धाराओं और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से अभिभावकों को आगाह किया कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें ताकि वे नशे की गिरफ्त में न जाएं। सिविल जज ने बताया कि यदि बच्चे नशे में फंस जाते हैं और पुलिस के सामने न्यायालय में पेश किए जाते हैं तो कानून के तहत कार्रवाई होती है। इसलिए यह जरूरी है कि बच्चे पहले से ही माता-पिता के नियंत्रण में रहें और नशे से दूर रहें, जिससे समाज का विकास सकारात्मक दिशा में हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में अभिभावकों में यह चिंता सामान्य है कि युवा पीढ़ी को नशे से कैसे बचाया जाए। इस दिशा में सरकार की पहल और प्रशासन की कोशिशें सराहनीय हैं।

खेलों से जीवन में सफलता व विकास की प्रेरणा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल, हमीरपुर के प्रांगण में डीएवी स्टेट लेवल ताइक्वांडो व योग टूर्नामेंट 2025-26 का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि डीएवी लड़ियानी के प्रिंसिपल सुनील ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और उन्हें शॉल, टोपी व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि सुनील ठाकुर ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि खिलाड़ी अब इन्हें प्रोफेशन के रूप में अपनाकर आजीविका भी कमाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरी मेहनत और लगन के साथ खेल खेलने का आह्वान किया। इस प्रतियोगिता में 8 क्लस्टर के लगभग 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें ताइक्वांडो में 150 और योग में 240 खिलाड़ी शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

दिव्यांग खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

सुनील कुमार, अनंत ज्ञान, हमीरपुर। दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पैरा योगासन खेल चैंपियनशिप 2025 में हिमाचल योगासन खेल संघ की टीम ने भाग लिया। इस टीम में दिव्यांग खिलाड़ियों के साथ कोच डॉ ममता ठाकुर और दिव्यांग खिलाड़ियों की कोऑर्डिनेटर आरती भी शामिल थे। हिमाचल प्रदेश योगासन खेल संघ के ज्वाइंट सेक्रेटरी विनोद कुमार एवं टेक्निकल डायरेक्टर अजय शर्मा ने बताया कि इस चैंपियनशिप में दिव्यांग खिलाड़ियों की 21 कैटेगरी में से 4 कैटेगरी में प्रतियोगिता हुई। खिलाड़ियों ने कलात्मक योगासन खेल का प्रदर्शन किया। दिव्यांग खिलाड़ियों के कोऑर्डिनेटर आरती ने बताया कि उनका उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और उनके मनोबल को बढ़ाना है। आयुष, परिमिता आदि दिव्यांग खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। योगासन भारत द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को योगासन के माध्यम से प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।

युवाओं को खेलों से जोड़ना समय की जरूरत

अनंत ज्ञान, नादौन। उपमंडल के चौड़ू गांव में मेरा युवा भारत हमीरपुर के तत्वावधान में यूथ क्लब पुलडियान एवं इंकलाब संस्था द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिता का समापन समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता व समाजसेवी सुनील शर्मा ने शिरकत की और आयोजकों को 5100 रुपये की प्रोत्साहन राशि भेंट की। इस प्रतियोगिता में कबड्डी, कुश्ती, म्यूजिकल चेयर (गर्ल्स), लॉन्ग जंप व 100 मीटर रेस जैसे खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें दर्जनों प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुनील शर्मा ने युवाओं से नशे से दूर रहने और खेलों में भाग लेकर माता-पिता व क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिक्योरिटी गार्ड के साक्षात्कार पहली को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। एसआईएस इंडिया लिमिटेड आरटीए हमीरपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के 70 पदों पर भर्ती के लिए एक अक्तूबर को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक उप रोजगार कार्यालय बड़सर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए 19 वर्ष से 40 वर्ष तक के पुरुष उम्मीदवार भर्ती किए जाएंगे। दसवीं फेल या दसवीं पास अथवा इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवार, जिनकी लंबाई कम से कम 168 सेंटीमीटर और वजन 54 से 95 किलोग्राम के बीच हो, इन पदों के लिए पात्र हैं। चयनित उम्मीदवारों को मौके पर ही ऑफर लैटर प्रदान किए जाएंगे तथा उन्हें 17,500 रुपए से लेकर 23 हजार रुपए तक मासिक वेतन एवं अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा उपरोक्त योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है तो वह अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

खो-खो खिलाड़ियों ने अपनी पॉकेट मनी से आपदाग्रस्त परिवार को दी आर्थिक मदद

भाषा अध्यापक लक्की की पहल से जगी उम्मीद, सोशल मीडिया से जुटाया सहयोग

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

गुल्लक तोड़कर की मदद, युवाओं ने दिखाई संवेदनशीलता व सामाजिक जिम्मेदारी।

हमीरपुर। नरेली, कुठेड़ा व हमीरपुर के महाविद्यालय में खो-खो के खिलाड़ियों ने चबूतरा में आपदा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करके एक अनोखी मिसाल प्रस्तुत की है।

इंसानियत को जिंदा रखते हुए राजकीय उच्च विद्यालय चकमोह के भाषा अध्यापक व खो-खो कोच लक्की ने बताया कि चबूतरा में भारी बारिश के कारण कई परिवारों की जमीन और मकान पूरी तरह से तबाह हो गए थे। उनमें से एक परिवार ऐसा है जिसकी आमदनी का कोई भी मुख्य स्त्रोत नहीं है। जो परिवार का मुखिया है उसके तीन छोटे-छोटे बच्चे, एक पत्नी व बीमार माता-पिता हैं। ऐसे में एक माह पहले फेसबुक के माध्यम से भाषा अध्यापक लक्की ने खो-खो खिलाड़ियों और अन्य लोगों से आपदाग्रस्त परिवारों की आर्थिक सहायता करने के लिए आह्वान किया था। जिसके चलते नरेली, कुठेड़ा और हमीरपुर महाविद्यालय के खो-खो खिलाड़ियों ने अपनी एक महीने की 'पॉकेट मनी' को इकट्ठा करके रविवार को चबूतरा में आपदा पीड़ित परिवार को अपनी तरफ से सहयोग राशि के रूप में सौंपा है। कई बच्चों ने अपनी गुल्लक को तोड़कर उन पैसों को आर्थिक सहायता में सहयोग दिया है जोकि काबिलेतारिफ है। भाषा अध्यापक ने बताया कि उनके दोस्तों व परिवार के सदस्यों ने भी गूगल पे से सहयोग राशि भेजी थी जिनके नाम टीजीटी मनु देव गुलेला, टीजीटी तनु सेन जंगलबैरी, शारीरिक शिक्षक सुख देव रैली जजरी, टीजीटी अनु कुमारी कुठेड़ा, लेक्चरर कॉमर्स मंजू रानी गौना करौर, कंप्यूटर शिक्षक नीना ठाकुर गलोड़, सुबेदार संजय कुठेड़ा, अंकित चंडीगढ़ (कुठेड़ा), टीजीटी रजनी व उनके पिता घुमारवीं, संजय (मदी) रंगड़, मर्चेंट नेवी विशाल चलोखर, स्टोर वाले संजू व उनका बेटा चलोखर हैं।

दौड़ से कर रहे नशे के विरुद्ध जागरूक

भाषा अध्यापक लक्की ने नशे के विरोध में भी एक अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने इस अभियान का नाम एक युद्ध नशे के विरुद्ध रखा है। वो प्रत्येक रविवार इन बच्चों को साथ लेकर दौड़ के माध्यम से लोगों को नशे न करने के लिए प्रेरित करते हैं। दौड़ने के बाद नरेली स्कूल में खो-खो के मैच करवाते हैं और जीतने वाली टीमों को मेडल पहना कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि हम सभी को हर समय समाज के उत्थान के लिए अपना योगदान देते रहना चाहिए और यही देश सेवा कहलाती है।

सामुदायिक भवन बना मिसाल, हिमुडा के डायरेक्टर बन्याल ने किया लोकार्पण

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। हिमुडा के डायरेक्टर और इंजीनियर राजेश बन्याल ने तुखानी गांव में एक कम्युनिटी हॉल का लोकार्पण किया है। इस परियोजना के लिए 11 लाख 35 हजार रुपए की राशि मंजूर हुई थी। जबकि कुल खर्च 14 लाख 46 हजार 792 रुपए आया। इसमें 54 ग्रामीणों ने सहयोग किया और चार लाख रुपए की राशि एकत्रित हुई। इंजीनियर राजेश बन्याल ने भी सहयोग दिया, जिससे विकास और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दिखाई देती है। हिमुडा के डायरेक्टर राजेश ने 272000 प्लस 16000 की राशि इसमें सहयोग की है। गांव के लोगों नरोत्तम, मुख्तियार विशो देवी, सहित 54 लोगों ने भी चार लाख 500 रुपये का योगदान दिया।

- **पंचायत प्रधान शैलजा के प्रयास हुए सार्थक**

यह कम्युनिटी हॉल स्थानीय विकास और सामुदायिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इस मौके पर ब्राह्मण कल्याण बोर्ड सदस्य विनोद लखनपाल, मनजीत सिंह ठाकुर, मनोज कुमार व तुखानी वेलफेयर कमिटी के सदस्य सहित कई उपस्थित रहे।

296 एकल नारियों के बच्चों को मिला इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना का लाभ

अनंत ज्ञान, भोरंज

- **एसडीएम ने की महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा**

महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की उपमंडल स्तरीय समितियों की संयुक्त समीक्षा बैठक शनिवार को एसडीएम शशिपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें उक्त योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर एसडीएम ने बताया कि विधवा, परित्यक्ता और अन्य एकल नारियों के बच्चों के पालन-पोषण एवं शिक्षा के लिए प्रदेश सरकार द्वारा आरंभ की गई इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना के तहत भोरंज उपमंडल की 296 महिलाओं के बच्चों को अभी तक 31.80 लाख रुपये से अधिक की धनराशि दी जा चुकी है। 28 बेसहारा बच्चों एवं युवाओं को मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना से लाभान्वित किया जा रहा है, जिनमें से 9 लाभार्थियों को मकान निर्माण के लिए एक-एक लाख रुपये की पहली किश्त दी जा चुकी है, जबकि, 3 युवाओं को शादी के लिए दो-दो लाख रुपये दिए गए हैं।

शशिपाल शर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें लैंगिक समानता एवं व्यवहार में परिवर्तन पर कार्यशालाएं, जागरुकता शिविर, किशोरियों के स्वास्थ्य की जांच और प्रत्येक पंचायत में सराहनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली 3-3 चैंपियन बेटियों को पुरस्कृत करना शामिल हैं। पोषण अभियान की समीक्षा करते हुए एसडीएम ने कहा कि भोरंज ब्लॉक में 234 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से 6 माह से 6 वर्ष तक की आयु के 2528 बच्चों तथा 725 गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषाहार दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष में अभी तक मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री शगुन योजना और विधवा पुनर्विवाह योजना के तहत कुल लगभग 4 लाख रुपये वितरित किए गए हैं। बेटी है अनमोल योजना की सात लाभार्थियों को 1.47 लाख रुपये दिए गए हैं।

पूर्व विधायकों ने नगर पंचायत सीमांकन, सीमेंट की कीमतों व बैंक घोटाले पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज में भाजपा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश सरकार और स्थानीय विधायक सुरेश कुमार पर तीखे आरोप लगाए। भोरंज विश्राम गृह में आयोजित इस प्रेसवार्ता को पूर्व विधायक अनिल धीमान व पूर्व विधायक कमलेश कुमारी ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं और प्रदेश सरकार की नीतियों की तुलना करते हुए, राज्य सरकार पर जनता को गुमराह करने और आर्थिक बोझ बढ़ाने के गंभीर आरोप लगाए।पूर्व विधायक अनिल धीमान ने कहा कि केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरों में राहत देकर आम जनता और व्यापारियों को सहूलियत दी है। इसके बावजूद प्रदेश सरकार ने सीमेंट की दरों में ₹5 प्रति बोरी की वृद्धि कर जनता की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की नीति से जहां ₹40 प्रति बोरी तक राहत मिलनी चाहिए थी, वहीं प्रदेश सरकार ने इस राहत को निष्फल करते हुए जनता पर अतिरिक्त भार डाल दिया है।अनिल धीमान ने कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक में हुए कथित घोटाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घोटाले में प्रदेश के कुछ नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। विशेष रूप से उन्होंने स्थानीय विधायक सुरेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव से पहले उन पर लाखों रुपये का ऋण था, जो विधायक बनने के बाद रहस्यमय ढंग से माफ कर दिया गया।

सुजानपुर में कांग्रेस को बड़ा झटका

राणा की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए नाराज 50 समर्थक

नारसी पंचायत में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले समर्थकों के साथ पूर्व विधायक राजेंद्र राणा।

संजीव चौहान, अनंत ज्ञान

टौणी देवी। भाजपा को सुजानपुर में लगातार बड़ी मजबूती मिल रही है। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा की निरंतर जनसंपर्क और जमीनी पकड़ के चलते कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों का सिलसिला तेज हो गया है।

इसी कड़ी में रविवार को सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नारसी के ककड़ियार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नारसी पंचायत के पूर्व प्रधान, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष रहे एवं कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष सुखदेव सिंह ने अपनी पत्नी पूर्व बीडीसी सदस्य मीरा देवी के साथ 50 से अधिक समर्थकों सहित कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा और बमसन टौणी देवी मंडल अध्यक्ष प्रो. बिक्रम राणा विशेष रूप से मौजूद रहे।

इस दौरान राजेंद्र राणा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कुशासन, जनविरोधी नीतियों और जनता से किए गए वादों की खुली वादा खिलाफी के कारण प्रदेश की जनता का कांग्रेस और उसकी सरकार से पूरी तरह मोहभंग हो चुका है। उन्होंने तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार ने सत्ता में आने के लिए बड़े-बड़े सपने दिखाए थे, लेकिन अब हाल यह है कि जनता को सिर्फ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का तोहफा मिल रहा है। यही वजह है कि लोग अब कांग्रेस छोड़कर तेजी से भाजपा का दामन थाम रहे हैं।

डीएवी आलमपुर में खेल महाकुंभ का आगाज

8 क्लस्टरों से 300 से अधिक खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

डीएवी आलमपुर में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए मुख्यातिथि एवं विद्यालय प्रधानाचार्य, साथ में हैं शतरंज खेलते खिलाड़ी छात्र।

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

डीएवी पब्लिक स्कूल आलमपुर, जिला कांगड़ा में दो दिवसीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और डीएवी गान के साथ उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

मुख्यातिथि के रूप में सुजानपुर विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका विभा ठाकुर व डीएवी जिला समिति की कविता खरवाल ने शिरकत की। डीएवी तियारा की प्रधानाचार्या एकता अत्री, डीएवी ग्रयोह के संजीव ठाकुर व डीएवी चलवाड़ा के नरेश कटोच सहित अन्य गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं एआरओ बिक्रम सिंह ने सभी आगंतुकों, शिक्षकों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और खेलों के सफल आयोजन की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल उनके कौशल का मंच है, बल्कि खेल भावना, अनुशासन और परिश्रम का भी प्रतीक है। प्रतियोगिता में डीएवी न्यू शिमला, ग्रयोह, कुल्लू, रेहन, भड़ौली, दत्तनगर, अंबोटा और सोलन सहित आठ क्लस्टरों के 300 से अधिक छात्र भाग ले रहे हैं।

बड़सर का विकास कांग्रेस की देन, भाजपा कर रही गुमराह: पवन कालिया

अनंत ज्ञान, बड़सर। कांग्रेस के निवर्तमान जिला महासचिव पवन कालिया ने भाजपा पर करारा हमला करते हुए कहा कि बड़सर का वास्तविक विकास कांग्रेस सरकारों की सोच और योजनाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता जनता को झूठे दावों से गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि बड़सर क्षेत्र की आधारभूत सुविधाएं, संस्थान, सड़कें, अस्पताल, स्कूल और अन्य निर्माण कार्य कांग्रेस की देन हैं।

उन्होंने विस्तार से बताया कि बड़सर, बिझड़ी, भोटा सहित पूरे क्षेत्र में तहसील, थाने, अस्पताल, कॉलेज, डिग्री कॉलेज, विभागीय कार्यालय, बाल विकास केंद्र, हेलिपैड, अग्निशमन केंद्र, कोर्ट, साइंस ब्लॉक, डे बोर्डिंग स्कूल जैसी सुविधाएं कांग्रेस शासनकाल में शुरू हुईं। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें दम है, तो वे अपने जनप्रतिनिधियों द्वारा कराए गए कार्यों की सूची सामने रखें। इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी शुभाष ढटवालिया, पूर्व विधायक मनजीत सिंह डोगरा, कमल पठानिया, विपन ढटवालिया, संजय शर्मा, डैनी जसबाल, रूबल ठाकुर, राजेश वन्याल, शरण प्रसाद, रमा संकर व शतीस वन्याल सहित अन्य कांग्रेस नेता भी उपस्थित रहे।

डीएवी भड़ोली में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट शुरू

अनंत ज्ञान, नादौन

मुख्यातिथि विधायक संजय रत्न को सम्मानित करते हुए।

डीएवी स्कूल भड़ोली में तीन दिवसीय डीएवी स्पोर्टर्स हिमाचल प्रदेश स्टेट लेवल बास्केटबॉल एवं बैडमिंटन टूर्नामेंट का हर्षोल्लास और भव्यता के साथ शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह की शुरुआत डीएवी गान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें विभिन्न डीएवी स्कूलों की टीमों ने मार्च पास्ट कर खेल ध्वज को सलामी दी।

मुख्य अतिथि ज्वालाजी के विधायक संजय रत्न ने कहा कि खेल जीत-हार से परे आत्मविश्वास, भाईचारे और मानसिक-शारीरिक विकास का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने बास्केटबॉल में पहला शॉट मारकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में हिमाचल के आठ क्लस्टरों की टीमों ने भाग लिया। पहले दिन बास्केटबॉल में अंडर-14 ब्वॉयज में क्लस्टर 1 और 7 के बीच मुकाबला हुआ जिसमें क्लस्टर 1 विजेता रहा। अन्य मुकाबलों में क्लस्टर 8, क्लस्टर 4 और क्लस्टर 1 ने जीत हासिल की।

- **प्रदेश के 8 क्लस्टरों की टीमों ने बढ़ाया मुकाबलों का रोमांच**
- **विधायक संजय ने खेलों को आत्मविश्वास व चरित्र निर्माण का माध्यम बताया**

बैडमिंटन में भी कई रोमांचक मैच हुए, जिसमें क्लस्टर 5, 2, 3, 4 और 8 विजेता रहे। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न डीएवी संस्थानों के प्रिंसिपल्स और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। फाइनल मुकाबले अगले दिन खेले जाएंगे।

योगदान पंचायतों ने ऐतिहासिक नौण व तालाबों का भी जीर्णोद्धार कर किया सौंदर्यीकरण

'आए नादौन जाए कौन' कहावत हो रही चरितार्थ

अनंत ज्ञान टीम, नादौन/बड़ा

नादौन एक ऐतिहासिक शहर है जहां की समृद्ध पर्यटन संस्कृति व सुंदरता के मद्देनजर 'आए नादौन जाए कौन' की कहावत पड़ी व प्रसिद्ध सूफी कवि बुल्ले शाह ने भी अपनी कविताओं में नादौन को स्थान दिया था। अब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के मार्गदर्शन में शहर को पर्यटन हब बनाने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। पर्यटन विभाग द्वारा नादौन शहर में पांच सितारा होटल और रिवर राफ्टिंग केंद्र स्थापित किया जा है, जबकि पंचायती राज विभाग द्वारा वन विभाग के माध्यम से हड़ेटा में ईको-टूरिज्म पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

वहीं मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास खंड की ग्राम पंचायतों ने भी पर्यटन विकास और ऐतिहासिक जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार में अहम योगदान दिया है। ग्राम पंचायत चोड़ू में ब्यास के किनारे पताजी पत्तन स्थल पर 12 लाख रुपए की लागत से खूबसूरत ब्यास धाम का विकास किया गया। ग्राम पंचायत फस्टे में पांडवों के समय के निर्मित श्री बिल्वकालेश्वर मंदिर के समीप 15 फुट ऊंचा कैलाश पर्वत का प्रतिरूप, 22 फुट ऊंची गंगाधरेश्वर शिव की मूर्ति और लगभग 40 लाख रुपए की लागत से शानदार पार्क स्थापित किया गया है। ग्राम पंचायत गौना द्वारा पखरोल में लगभग 12 लाख रुपए की लागत से पुराने तालाब का जीर्णोद्धार कर भव्य पार्क बनाया गया है व अब दिव्य वैकुंठ धाम तैयार किया जा रहा है जिसमें शेषनाग पर लेटे भगवान विष्णु की 14 फुट लंबी मूर्ति व सभी 10 अवतारों की मूर्तियां लगेंगी। ग्राम पंचायत अमलेहड के भवड़ा में गुगा धाम का निर्माण किया गया है, जिसमें 20 फुट ऊंची गुगा महाराज की रथ पर सवार मूर्ति स्थापित की जाएगी जो अपनी तरह की पहली होगी।

ग्राम पंचायत जलाडी द्वारा लगभग 200 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक नौण का पुनरुद्धार कर उसका सौंदर्यीकरण किया गया है। ग्राम मझियार में भी पुराने तालाब का जीर्णोद्धार कर सुंदर पार्क बनाया जा रहा है।

क्या कहते हैं बीडीओ

बीडीओ नादौन निशांत शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायतों द्वारा मनरेगा व वित्त आयोग की राशियों की कंवर्जेंस से ये कार्य करवाए गए हैं। इन पहलों से न सिर्फ प्राचीन जलस्रोत पुनर्जीवित हुए बल्कि ग्रामीण पर्यटन विकास की दिशा में भी अहम कार्य हुए है। इससे न सिर्फ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, स्थानीय युवाओं व महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए रोजगार के साधन सृजित होंगे व नादौन पर्यटन पहचान निखरेगी।

नवाचार व सामाजिक-व्यावसायिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम आईपीआर: प्रो. धूमल

करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी में पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल को सम्मानित करते हुए।

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

हमीरपुर स्थित करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी में नवाचार, अनुसंधान और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का 28 सितंबर 2025 को समापन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, दो बार के पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने कार्यशाला को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आईपीआर केवल शोध संरक्षण ही नहीं, बल्कि सामाजिक और व्यावसायिक विकास का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने आईसीएमआर, डीएचआर और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सम्मेलन के समर्थन की प्रशंसा की और इसे नवाचार व स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया।

प्रो. धूमल ने नवाचार के व्यवसायीकरण, पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा तथा उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए प्रतिभागियों के लिए इस कार्यशाला से व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्राप्ति की उम्मीद जताई।

न्यूज ब्रीफ

अढाल के युवक से 92 ग्राम चरस बरामद

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। पुलिस थाना रोहड़ू के अंतर्गत हैड कांस्टेबल विशाल नैंटा डिटेक्शन सेल रोहड़ू के रुख पर मादक पदार्थ निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। 27 सितंबर को रात करीब 9.05 बजे गश्त करते समय पुलिस टीम को नालू (महेंदली) के पास संदिग्ध हालत में खड़ी एक मारुति 800 कार मिली। पूछताछ के बाद उसमें बैठे हुए युवक की तलाशी ली गई और उसमें 38 वर्षीय चालक सुरेंद्र सिंह निवासी गांव अढाल के कब्जे से 92 ग्राम चरस बरामद की गई। एसडीपीओ रोहड़ू प्रणव चौहान ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आगे की जाँच की जा रही है।

हिमाचल में छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग तेज

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। रोहड़ू नगर परिषद के उपाध्यक्ष एवं पूर्व छात्र नेता सुजय अग्रवाल ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को पत्र लिखकर प्रदेश में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति लोकतंत्र की नर्सरी है, जिससे भविष्य के नेता और जिम्मेदार नागरिक तैयार होते हैं। अग्रवाल ने तर्क दिया कि हिंसा रोकने के नाम पर चुनावों पर रोक लगाना उचित नहीं है, बल्कि सख्त नियम, पारदर्शिता और आचार संहिता से ही इसे अनुशासित किया जा सकता है। उन्होंने महिला भागीदारी को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया और कहा कि इससे युवाओं में आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक संस्कृति को मजबूती मिलेगी।

सुप्रिया चित्रकला में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर

अनंत ज्ञान, नेरवा। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला नेरवा की छात्रा सुप्रिया डोगरा ने हरियाणा के यमुनानगर में 17 से 23 सितम्बर तक आयोजित सात दिवसीय नेशनल इंटीग्रेशन कैंप में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस शिविर में 12 राज्यों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें सुप्रिया ने चित्रकला प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय वापसी पर प्रधानाचार्य दिनेश स्टेटा, उप प्रधानाचार्य कमल भिख्टा, कार्यक्रम अधिकारी सुशील दफराईक, ममता तेगटा, समस्त अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने उनका भव्य स्वागत किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

136 वरिष्ठ नागरिकों ने करवाई आंखों की जांच

सपना सूद, अनंत ज्ञान, चौपाल। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश और मानव कल्याण सेवा समिति चौपाल के संयुक्त तत्वावधान में लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह कुपवी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क नेत्र रोग जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञों ने 136 वरिष्ठ नागरिकों की आंखों की जांच की, जिनमें से 60 लोगों में मोतियाबिन्द पाया गया। तहसील कल्याण अधिकारी चौपाल आशा तोमर और समिति निदेशक केशव राम लोदटा ने बताया कि आगामी शिविर में इन नागरिकों के मोतियाबिन्द का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा और उन्हें चश्मे भी मुफ्त उपलब्ध करवाए जाएंगे।

हिमाचल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सहकार के विस्तार की रूपरेखा तैयार

सहकारिता से बदल रहे राज्य के गांव

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल में सहकारिता की जड़ें गहरी होती जा रही हैं और यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया संबल प्रदान कर रही हैं। शुरुआती दौर में सहकारी समितियां केवल कृषि, ऋण और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तक सीमित थीं, लेकिन अब इनका विस्तार डेयरी, बागवानी, हस्तशिल्प, मत्स्य पालन और विपणन जैसे अनेक क्षेत्रों तक हो चुका है। प्रदेश में इस समय पांच हजार से अधिक सहकारी समितियां पंजीकृत हैं, जिनमें से 2,287 प्राथमिक कृषि ऋण समितियां ग्रामीण वित्तीय समावेशन का काम कर रही हैं।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में डेयरी सहकारिता ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश की 971 दुग्ध सहकारी समितियों में 35 हजार से अधिक महिलाएं सक्रिय हैं और हर दिन करीब 2.33 लाख लीटर दूध किसानों से खरीदा जा रहा है। हिमाचल देश का पहला राज्य है जिसने दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू किया है। भैंस पालकों को 61 रुपए प्रति लीटर की दर से दूध खरीदा जा रहा है। इसी कड़ी में हिम गंगा योजना के तहत हमीरपुर और कांगड़ा में दूध खरीद, प्रसंस्करण और विपणन में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं।

महिला शक्ति और ई-मार्केटिंग का जादू, पांच हजार समितियों को मिल रहा लाभ

प्रदेश में महिलाएं भी सहकारिता की धुरी बनकर उभर रही हैं। ऊना में पांच हजार महिलाओं ने मिलकर अपना वूमेन फेडरेशन बनाया है, जबकि हिम ईरा ब्रांड महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार तक पहुंचा रहा है। ई-कॉमर्स वेबसाइट के जरिए बुनकरों, कारीगरों और उद्यमियों को भी अपने उत्पाद बेचने का बड़ा मंच मिल रहा है। फूड वैन जैसी योजनाएं महिलाओं को न केवल स्वरोजगार दे रही हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ा रही हैं।

आत्मनिर्भर राज्य की पड़ी मजबूत नींव

सहकारिता ने हिमाचल के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यवसाय के अवसर उपलब्ध कराए हैं। ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है और सामाजिक समरसता भी मजबूत हो रही है। सरकार का लक्ष्य है कि सहकारी समितियों को और सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर हिमाचल की संकल्पना को साकार किया जाए। यही वजह है कि प्रदेश में सहकारिता अब केवल आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया नहीं रही, बल्कि यह साझेदारी, विश्वास और प्रगति का प्रतीक बन चुकी है। इस योजना से किसानों को स्वरोजगार के साथ लाभ प्राप्त हो रहा। ऐसे किसानों को इन योजनाओं को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

रिज मैदान पर सिम्फनी बैंड का मनमोहक प्रदर्शन, रन फॉर एक्सीलेंस में उमड़ा उत्साह

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

आरट्रैक का स्थापना दिवस पर आकर्षक कार्यक्रम आयोजित

आर्मी ट्रेनिंग कमांड आरट्रैक ने अपने 35वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शिमला में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। 27 से 28 सितंबर तक ऐतिहासिक रिज मैदान पर भारतीय सेना सिम्फनी बैंड ने शानदार प्रस्तुति दी।

सैन्य धुनों से लेकर लोकप्रिय बॉलीवुड रचनाओं तक, इस कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत ने न केवल सैनिकों की कला और कौशल को प्रदर्शित किया, बल्कि स्थानीय समुदाय में सौहार्द और भाईचारे का संदेश भी दिया।

28 सितंबर को आरट्रैक मुख्यालय की ओर से रन फॉर एक्सीलेंस का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, आरट्रैक ने किया।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान से रिज तक तीन किलोमीटर की इस दौड़ में सैनिकों के साथ उनके परिवार और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उत्साह और ऊर्जा से भरपूर इस कार्यक्रम में फिट इंडिया पहल के तहत शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस का संदेश दिया गया। दौड़ का समापन मिस वर्षा द्वारा आयोजित आकर्षक जुम्बा सत्र के साथ हुआ।

डिजिटल युग में स्वस्थ और सक्रिय रहने की आवश्यकता

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ये कार्यक्रम सेना और समाज के बीच संबंधों को और मजबूत करने का माध्यम बए। सेना कमांडर ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए डिजिटल युग में स्वस्थ और सक्रिय रहने की आवश्यकता पर बल दिया। यह स्थापना दिवस आरट्रैक की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिसके तहत यह संगठन न केवल सशस्त्र बलों में प्रशिक्षण प्रदान करता है, स्थानीय समुदाय से जुड़ाव और सहभागिता को भी प्रोत्साहित करता है।

अर्बन नक्सल चुनौती की पहचान कर उनका मुकाबला जरूरी : कर्ण नंदा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने दिल्ली विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन भारत मंथन 2025 नक्सल मुक्त भारत में भाग लेते हुए कहा कि आज नक्सलवाद का सबसे खतरनाक रूप अर्बन नक्सलवाद है। यह केवल जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब शहरों, शिक्षा संस्थानों और विभिन्न मंचों के जरिए युवाओं की सोच को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इस विचारधारा को पहचानने और समय रहते रोकने की बेहद आवश्यकता है, क्योंकि यही सोच युवाओं को भटकाकर समाज और देश के लिए खतरा बन सकती है। कर्ण नंदा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय

कर्ण नंदा ने राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन भारत मंथन 2025 में लिया हिस्सा

मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सरकार ने नक्सलवाद की जड़ों पर प्रहार किया है। सुरक्षा बलों को आधुनिक हथियार और तकनीक उपलब्ध कराई गई है तथा विकास को केंद्र में रखकर इस समस्या का समाधान खोजा गया है।

आज गांव-गांव तक सड़कों, मोबाइल टावरों और बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है, जिससे नक्सल सोच कमजोर पड़ रही है। उन्होंने कहा कि अर्बन नक्सलवाद का मुकाबला केवल सुरक्षा बलों के भरोसे नहीं, बल्कि समाज, शिक्षा और युवाओं की भागीदारी से ही संभव है।

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा का न्योता मुख्यमंत्री को सौंपा

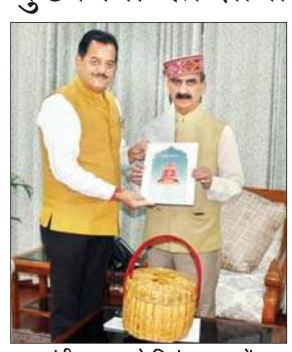

मुख्यमंत्री सुक्खू को निमंत्रण पत्र भेंट करते सुंदर सिंह ठाकुर।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने रविवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को कुल्लू दशहरा महोत्सव का औपचारिक निमंत्रण भेंट किया।

डिग्री कॉलेज चायल-कोटी में मनाया हिंदी उत्सव

अनंत ज्ञान, जुन्गा

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से डिग्री कॉलेज चायल-कोटी में हिंदी विभाग की ओर से भव्य हिंदी उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं ने छात्रों की रचनात्मकता को मंच दिया।

भाषण प्रतियोगिता में साक्षी शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं निबंध में महक, कविता पाठ में दिक्षा, पोस्टर मेकिंग में आंचल शर्मा और स्लोगन राइटिंग में रिया ने बाजी मारी।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य ने दीप प्रज्ज्वलन से किया और हिंदी भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे समृद्ध करने के लिए व्यक्तिगत योगदान पर बल दिया। हिंदी प्राध्यापक डॉ. बॉबिजा ने सभी भाषाओं के प्रति सौहार्दपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। हिंदी का प्रयोग अति जरूरी है। अंत में प्राचार्य ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा अदिति ने किया।

हिंदी उत्सव के दौरान विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते प्राचार्य।

प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को मिला सम्मान

बागवानों से 67 हजार मीट्रिक टन सेब की खरीद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश में मानसून ने भारी तबाही मचाई, लेकिन बावजूद इसके सेब सीजन ने राज्य की अर्थव्यवस्था को थोड़ी राहत दी है। अब तक सवा दो करोड़ सेब की पेटियां मंडियों तक पहुंच चुकी हैं।

वहीं सरकार ने बागवानों को सहारा देने के लिए एमआईएस योजना के तहत 67 हजार मीट्रिक टन सेब की खरीद सुनिश्चित की है। आपदा और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों-बागवानों के हौसले टूटने नहीं दिए गए।

भारी बरसात और भूस्खलन के कारण हिमाचल प्रदेश को इस मानसून में पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। सड़कों के टूटने, खेत-बागवानी भूमि के बह जाने और घरों के ढहने से हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक 427 लोगों की जान गई, 651 पक्के और 1012 कच्चे घर पूरी तरह ढह गए, जबकि हजारों घर आंशिक क्षति की चपेट में आए। दुकानों, गौशालाओं, कारखानों और धार्मिक यात्राओं पर इसका सीधा असर पड़ा।

सेब सीजन में सवा दो करोड़ पेटियां मंडियों तक पहुंचीं

मानसून की मार से 5 हजार करोड़ का नुकसान

राहत और पुनर्निर्माण की कोशिशें तेज : नेगी

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी का कहना है कि राज्य सरकार ने कठिन आर्थिक हालात में भी प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज तैयार किया है। पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण के लिए 7 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है। आंशिक क्षति पर 1 लाख रुपये, कृषि भूमि की क्षति पर 10 हजार रुपये प्रति बीघा और मवेशियों की मृत्यु पर 55 हजार रुपये तक की मदद तय है। इसके अतिरिक्त अब तक एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और मुख्यमंत्री राहत कोष से 270 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रभावित जिलों को जारी हो चुकी है। उनका कहना है कि आपदा जैसी घड़ी में किसानों-बागवानों और आम जनता को हर संभव सहारा दिया जाएगा।

जनहित के हर फैसले का विरोध करना कांग्रेस की आदत: सत्ती

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती ने मंत्री राजेश धर्माणी के उस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जीएसटी 2.0 लागू होने से हिमाचल घाटे में जाएगा। सत्ती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा जनता के हितों की अनदेखी करती है और हर अच्छे निर्णय का केवल विरोध करती है।

भाजपा नेता ने शिमला से सारी बयान में कहा कि यूपीए सरकार के समय टैक्स प्रणाली में पारदर्शिता नहीं थी, कहीं-कहीं टैक्स 45 प्रतिशत तक लगाए जाते थे और अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे कमजोर कही जाती थी।

2014 के बाद मोदी सरकार आने के बाद ही भारतीय अर्थव्यवस्था सुधरी और आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। उन्होंने बताया कि जब जीएसटी लागू हुआ था तो चार स्लैब बनाए गए थे, जिन्हें अब घटाकर केवल दो स्लैब – 5 और 12 प्रतिशत कर दिया गया है। कांग्रेस के नेता इसे घाटे की बात कह रहे हैं, जबकि असलियत यह है कि हिमाचल को कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि आय में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

हिमाचल पुलिस ने नवरात्र को डिजिटल सुरक्षा से जोड़ा, डिजिटल राक्षसों को करना होगा पराजित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

नवरात्र जहां शक्ति की उपासना और बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है, वहीं हिमाचल प्रदेश पुलिस ने इसे डिजिटल सुरक्षा से जोड़ा है। पुलिस ने संदेश दिया है कि जैसे मां दुर्गा ने नौ रूपों में राक्षसों का संहार किया था, वैसे ही हमें भी जागरूकता और सतर्कता के बल पर नौ डिजिटल राक्षसों को पराजित करना होगा। यह राक्षस हैं, हैकिंग, ऑनलाइन बुलिंग, फर्जी प्रोफाइल, फिशिंग, मैलवेयर, डाटा चोरी, डिजिटल लत, साइबर ठगी और साइबर टाइम।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 में देशभर में साइबर अपराधों से करीब 22,845 करोड़ रुपए की क्षति हुई। यह आंकड़ा वर्ष 2023 की तुलना में 206 प्रतिशत अधिक है। साइबर ठगी के मामलों में भी अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। 2021 में जहां करीब 4.5 लाख मामले सामने आए थे, वहीं 2024 तक यह संख्या 22.5 लाख से अधिक हो गई। यह लगभग 400 प्रतिशत की वृद्धि है, जो डिजिटल अपराधों की भयावहता को स्पष्ट करती है। आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है जहां 2025 तक 1.6 लाख से अधिक साइबर अपराध शिकायतें दर्ज की गईं। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि यह संकट केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक भी पहुंच चुका है। भारत में इंटरनेट और स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसके कारण अपराधियों को नए शिकार आसानी से मिल रहे हैं। अपेक्षाकृत छोटे राज्यों में भी इस खतरे से इंकार नहीं किया जा सकता, इसलिए पुलिस बार-बार चेतावनी और जागरूकता अभियान चला रही है।

हिमाचल पुलिस ने स्पष्ट किया है कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए तकनीकी और कानूनी दोनों स्तरों पर कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन यह लड़ाई तभी सफल होगी जब नागरिक खुद भी सतर्क रहें। पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक पर भरोसा न करें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें या नजदीकी थाने को सूचित करें।

डिजिटल सुरक्षा की चलाई मुहिम

नवरात्र में पुलिस का संदेश है कि जागरूकता और संयम से हर बुराई का नाश किया जा सकता है। हिमाचल पुलिस ने इसी सन्देश को आधार बनाकर डिजिटल सुरक्षा की यह मुहिम चलाई है। जैसे देवी दुर्गा ने अपने नौ रूपों में असुरों का संहार किया, वैसे ही हर नागरिक को अपने ज्ञान और जागरूकता से डिजिटल अपराधों को हराना होगा।

नवरात्र में डिजिटल सुरक्षा के संकल्प का आह्वान

युवक की मौत के मामले में एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज

दशमी रावत, अनंत ज्ञान, रोहड़ू। उपतहसील जांगला के लिंबड़ा गांव में अनुसूचित जाति से संबंधित 12 वर्षीय बालक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पिता बिट्ठू ने आरोप लगाया कि 16 सितंबर को गांव की महिला पुष्पा देवी ने दो अन्य महिलाओं के साथ मिलकर उसके बेटे को घर छूने के बहाने पीटा और गोशाला में बंद कर दिया। इसी अपमान और भय के चलते उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिससे 17 सितंबर को आईजीएमसी शिमला में उसकी मौत हो गई।

पुलिस की जांच में मृतक की मां के बयान न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज किए गए, जिसमें उसने साफ कहा कि उसके बेटे को जातिगत भेदभाव के कारण प्रताड़ित किया गया।

मामले में एससी, एसटी एक्ट के तहत मुकद्दमा दर्ज कर जांच डीएसपी रोहड़ू को सौंप दी गई है। एसडीपीओ रोहड़ू प्रणव चौहान ने पुष्टि की कि मामले की गहन जांच जारी है।

सहायता | मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना से वंचितों के जीवन में आई नई रोशनी

बेघर और अनाथों के लिए संवेदना बनी सरकारी पहल

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। देवभूमि की फिजा में फैली ताजगी के बीच शीतल हवाओं के संग मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना ने भी अनाथ, अर्ध-अनाथ और निराश्रित बच्चों के जीवन में ठंडी छांव का अहसास कराया है।

यह योजना केवल सरकारी प्रावधान भर नहीं, बल्कि उन मासूम चेहरों की उम्मीद है जो जीवन की कठिन डगर पर अकेले पड़ गए थे। वर्ष 2023 में आरंभ हुई यह पहल आज हजारों बच्चों और महिलाओं के लिए संबल बन चुकी है, जिनकी जिंदगी बिखर गई थी।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की इस पहल के तहत बच्चों को मासिक सहायता राशि, शिक्षा का पूरा खर्च, छात्रावास न मिलने पर अतिरिक्त भत्ता और जीवन की बुनियादी जरूरतों के लिए सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। न केवल शिक्षा बल्कि स्टार्टअप, व्यवसाय, विवाह और घर निर्माण तक के लिए आर्थिक प्रावधानों ने इस योजना को विशिष्ट बना दिया है। यही वजह है कि प्रदेश में अब तक करोड़ों रुपये इस पर व्यय कर बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने की ठोस दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं।

रामपुर के नितिन कपाटिया माता-पिता के निधन के बाद पूरी तरह अकेले रह गए थे। मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना से मिली मासिक 4,000 रुपये की सहायता और गृह निर्माण अनुदान ने उनके टूटे सपनों को घर का आकार दिया। नितिन गर्व से कहते हैं कि यह योजना उनके लिए जीने का सहारा और आगे बढ़ने की शक्ति बनी।

इसी तरह ननखड़ी की शिवानी ने भी इस योजना से नया जीवन पाया। बचपन में माता-पिता को खोने के बाद उन्होंने नाना-नानी के साथ कठिन दिन बिताए। योजना से मिले सहयोग से शिवानी का घर बना और उनके जीवन में उजियारा लौटा। उनका कहना है, 'यह सहयोग हम जैसे बच्चों के लिए संबल और उम्मीद है।'

मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत लाभार्थियों के घर सपनों की तरह साकार होते हुए।

सम्मानजनक जीवन की ओर नया रास्ता

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप के अनुसार, मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना ने प्रदेश के हजारों बच्चों और बेसहारा लोगों को न केवल आर्थिक सहयोग दिया है बल्कि सम्मानजनक जीवन की नई राह भी दिखाई है। जिला शिमला में ही 19 लाभार्थियों को गृह निर्माण सहायता दी गई है, जो इस योजना की सार्थकता को सिद्ध करता है।

सेब से लदा ट्रक पलटा चालक-परिचालक घायल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राजधानी शिमला में रविवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ। निगम विहार के पास सेब से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे लुढ़क गया और मंदिर परिसर में पलट गया।

हादसे में ट्रक का चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकालकर 108 एंबुलेंस से शिमला आईजीएमसी अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टरों के अनुसार परिचालक की हालत स्थिर है, लेकिन चालक को गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

हरियाणा नंबर का यह ट्रक नारकंडा से सेब की सैकड़ों बोरियां लादकर आ रहा था। हादसे के बाद ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सेब की बोरियां इधर-उधर बिखर गईं, हालांकि पेड़ों से अटकने के कारण बड़ा नुकसान टल गया।

हिमाचल में उमस बढ़ी, 4 अक्तूबर से बारिश के आसार

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद मौसम सुहावना बना हुआ है। रोजाना खिली धूप ने लोगों और सैलानियों का मन खुश कर दिया है। पूरे प्रदेश से मानसून 26 सितंबर को विदा हो चुका है। राजधानी शिमला में रविवार को दिनभर गुनगुनी धूप खिली रही, जिसका आनंद घूमने आए पर्यटकों ने भरपूर उठाया। वीकेंड पर शिमला में सैलानियों की आमद भी बढ़ गई है और पर्यटन कारोबार फिर से रफ्तार पकड़ने लगा है। रविवार को शहर के होटलों में करीब 30 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले पांच दिन तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। हालांकि 4 अक्तूबर को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। उस दिन मैदानी इलाकों में तो मौसम साफ रहेगा, लेकिन मध्य व उच्च पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। विभाग ने बर्फबारी की संभावना से इनकार किया है।

ऊपरी जिलों में रात का पारा गिरना हुआ शुरू

मौसम साफ होने से प्रदेश में दिन के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। खासकर मैदानी क्षेत्रों में पारा बढ़ने से उमस महसूस की जा रही है। रविवार को राज्य का औसतन अधिकतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री अधिक रहा। ऊना सबसे गर्म रहा, जहां पारा 37.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हमीरपुर के नेरी में 34.5, बिलासपुर में 34.2, कांगड़ा में 33.4 और सुंदरनगर में 33.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं राजधानी शिमला में अधिकतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो शनिवार की तुलना में 2.9 डिग्री कम रहा। हालांकि शिमला समेत अन्य हिल स्टेशनों में सुबह और शाम हल्की ठंडक का एहसास होने लगा है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों में रात का पारा गिरना शुरू हो गया है। बीते 24 घंटों में राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। रविवार को शिमला का न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री, कल्पा का 10.8, केलंग का 8, कुकुमसेरी का 8.3, मनाली का 14.2 और कुफरी का 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

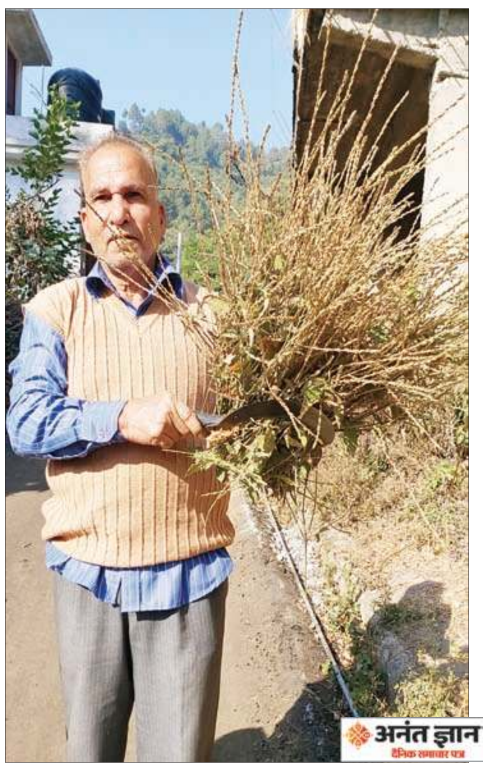

जब सेहत डगमगाए, तो अपामार्ग बहुत काम आए

भारतीय परंपरा में वनस्पतियां केवल भोजन का साधन भर नहीं रहीं, बल्कि वे हमारे स्वास्थ्य, धर्म और संस्कृति की धरोहर के रूप में जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा रही हैं। इन्हीं में से एक अमूल्य धरोहर है अपामार्ग (Achyranthes aspera), जिसे हिमालयी जड़ी-बूटियों का रत्न कहा जा सकता है। यह उन विशेष जड़ी-बूटियों में से एक है, जिसका उपयोग सदियों से मानव स्वास्थ्य और धार्मिक आस्था दोनों के लिए किया जाता रहा है। इसकी पत्तियां और बीज पोषण से भरपूर हैं, जिसके कारण इसे आज के संदर्भ में एक सशक्त सुपरफूड कहा जा सकता है। फिर भी, यह विडंबना है कि इतनी उपयोगी वनस्पति हमारे खेतों, गांवों, पगडंडियों और बाड़ों पर सहजता से उपलब्ध होते हुए भी उपेक्षित पड़ी है। लोग इसे प्रायः 'झाड़-झंखाड़' मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यही पौधा हमारी सेहत और भविष्य को संवारने की क्षमता रखता है।

बहुवर्षीय शाकीय पौधा

अपामार्ग एक वार्षिक से बहुवर्षीय शाकीय पौधा है, जिसकी कोमल डंठल समय के साथ कठोर होकर अर्ध-काष्ठीय रूप ले लेते हैं। यह प्रायः परती भूमि, घटास्नियों, सड़कों तथा रास्तों के किनारों पर समुद्र तल से लगभग 2500 मीटर की ऊंचाई तक पाया जाता है। इसके तने रोएंदार, हरे और अत्यधिक शाखायुक्त होते हैं। इसके बीज विशेष रूप से नुकीले होते हैं, जो सहज ही कपड़ों या पशुओं के रोयों से चिपक जाते हैं। इसी विशेषता के कारण कयी ग्रामीण क्षेत्रों में इसे प्रचलित नाम 'चिरचिटा' से भी जाना जाता है।

स्थानीय नाम और लोक परंपरा

भारतीय धार्मिक परंपराओं में अपामार्ग का विशेष स्थान है। इसे 'पवित्र पौधा' माना गया है। इसे अनेक धार्मिक पर्वों और अनुष्ठानों में पूजा जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अपामार्ग विभिन्न नामों से जाना जाता है। हिंदी पट्टी में इसे आघाड़ा या चिरचिटा, हिमाचल में पुठकांडा, मध्यप्रदेश में लतजीरा, और संस्कृत में अपामार्ग कहा जाता है। गांवों में बच्चे इसके बीजों को कपड़ों में चिपकाकर खेलते हैं। स्थानीय वैद्य मानते हैं कि यह पौधा प्रसव में सहायक तो है ही, साथ ही गर्भपातकारक गुण भी रखता है। यही कारण है कि उत्तर भारत में हिमाचल के मंडी जैसे क्षेत्रों की महिलाएं अपनी रजोनिवृत्ति (Menopause) के छह वर्ष पूरे होने के बाद लगातार अगले छह वर्षों तक वर्षा ऋतु के अंत में 'चन्ननषष्ठी व्रत' या 'चन्ननछट्टी व्रत' करती हैं। इस व्रत के दौरान वे अपामार्ग की डंठल और पत्तियों की पूजा करती हैं और समापन तक इसकी निरंतर उपासना करती हैं। कई धार्मिक अनुष्ठानों में अपामार्ग की टहनियों से निर्मित झाड़ू का उपयोग अशुद्धि निवारण के लिए किया जाता है। अमावस्या और पितृकर्म में कई क्षेत्रों में अमावस्या के दिन अपामार्ग को जलाकर उसकी राख से तिलक लगाने की परंपरा है, जिसे दोष निवारण का साधन माना जाता है।

पोषक एवं आपातकालीन आहार स्रोत

अपामार्ग को सामान्यतः औषधीय या धार्मिक पौधे के रूप में जाना जाता है, लेकिन ग्रामीण और जनजातीय समाज में इसके कोमल पत्ते भोजन में भी प्रयोग किए जाते हैं। इन्हें उबालकर छाछ या दही में मिलाकर खाने से पाचन सुधरता है और शरीर हल्का

महसूस होता है। इसके बीजों से बनी खीर अत्यंत पौष्टिक मानी जाती है, जो 4-5 दिन तक भूख को दूर रख सकती है, बिना वजन घटाए या और कुछ खाए-पिए। ऐतिहासिक रूप से, यह खीर सैनिकों और साधुओं द्वारा उपवास या युद्ध से पहले खाई जाती थी। अपामार्ग को औषधि-आहार की श्रेणी में रखा गया है। चीन जैसे देशों में इसे खाद्य फसल के रूप में उगाया जाता है। इसके पत्ते वसंत से शीत पूर्व और बीज शरद ऋतु तक प्राप्त किए जाते हैं। इसे बंजर भूमि में उगाकर पोषण के साथ मिट्टी क्षरण भी रोका जा सकता है।

100 ग्राम अपामार्ग खाद्य बीजों का पोषण मूल्य इस प्रकार है

घटक	मात्रा (प्रति 100 ग्राम/किग्रा)
नमी	4.05
प्रोटीन	20.54
वसा	0.903
राख	20.25
कार्बोहाइड्रेट	54.26
ऊर्जा	294 Kcal
विटामिन B1	0.27 mg
विटामिन B2	0.28 mg
विटामिन B3	0.58 mg
विटामिन B6	0.27 mg
विटामिन B9	(39 mg
सोडियम	111.967 mg
कैल्शियम	538.523 mg
मैग्नीशियम	544.608 mg
पोटैशियम	134.36 mg
क्लोराइड	67588.073 mg
फॉस्फोरस	144.75 mg
लोहा	28.305 mg
तांबा	0.8062 mg
जस्ता	4.837 mg
मैंगनीज	1.612 mg
एल्युमिनियम	0.9853 mg

पुठकांडा के औषधीय उपयोग

रोग/समस्या	प्रयोग	प्रभाव
दांत और मसूड़े	ताजी/सूखी डंठल से दातून	पायरिया, मसूड़ों की सूजन में राहत
खांसी-दमा	पत्तियों/जड़ का काढ़ा	बलगम दूर करता है, श्वसन तंत्र मजबूत
बवासीर	जड़ का चूर्ण/रस	रक्त स्राव व सूजन कम
त्वचा रोग	पत्तियों का लेप	फोड़े-फुंसी, खुजली, चर्मरोग में लाभ
पेट के कीड़े	बीज/जड़ का चूर्ण	कृमिनाशक, पाचन सुधारक
प्रसव/अपरा	पौधे का काढ़ा	प्रसव सहज, अपरा निष्कासन सहायक
सांप-बिच्छू काटना	पत्तियों का लेप	विष का प्रभाव कम करता है
गठिया/संधिवात	पत्तियों का लेप/काढ़ा	दर्द व सूजन में राहत
ज्वर मूत्र-पथरी	पौधे का काढ़ा बीज/जड़ का काढ़ा	ज्वरहर प्रभाव पथरी गलाने व मूत्र विकार में लाभ
कैंसर (रिपोर्ट)	संपूर्ण पौधा	कैंसर-रोधी गुण

औषधीय महत्व

अपामार्ग का वर्णन आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा पद्धति में मिलता है। आयुर्वेद में इसे 'कफ-पित्त नाशक, पाचन सुधारक और शोधक औषधि माना गया है। वैज्ञानिक शोधों में अपामार्ग के पत्तों और जड़ों में पाए जाने वाले सैपोनिन, अल्कलॉइड, फ्लेवोनॉइड और ग्लाइकोसाइड जैसे यौगिकों को औषधीय रूप से प्रभावी पाया गया है। इनसे एंटीबैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों की पुष्टि हुई है। आधुनिक शोध भी यह सिद्ध कर रहे हैं कि पारंपरिक चिकित्सा में अपामार्ग का उपयोग उचित और कारगर है।

डॉ. तारा देवी सेन, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी

जीवनशैली में समावेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब लोग दवाइयों और कृत्रिम खाद्य पदार्थों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, तब अपामार्ग जैसे पौधों को जीवनशैली में शामिल करना एक प्राकृतिक और सस्ता उपाय हो सकता है।

घरेलू औषधि के रूप में

- इसके सूखे पत्तों का पाउडर घर में रखें और जरूरत पड़ने पर खांसी-जुकाम या पेट की गड़बड़ी में प्रयोग करें।
- दांत साफ करने के लिए सप्ताह में एक-दो बार इसकी डंडी का प्रयोग करें।
- इसके पंचांग को उबाल कर पथरी रोग में उपयोग करें ।

आहार में सम्मिलन

- कोमल पत्तियों का सूप बनाकर हफ्ते में एक बार लें।
- बीजों का चूर्ण आटे में मिलाकर रोटियों में शामिल किया जा सकता है।
- बीजों को चाबल और मेवों के साथ खीर बनाकर सेवन करें।
- लस्सी में कोदरा एवं अनय मोटे अनाजों के आटे एवं अपामार्ग के बीजों और पत्तों का पाउडर मिलाकर पारंपरिक झोल बना कर सेवन करें।

बरसात के बाद टाइफाइड, हेपेटाइटिस ए, डेंगू से बचाव जरूरी

उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं, कच्चे और अधपके भोजन से बचें

आमतौर पर बरसात के बाद टाइफाइड, हेपेटाइटिस ए, डेंगू और फंगल संक्रमण आम हैं, जिनसे बचाव के लिए स्वच्छ पानी पिएं, हाथ धोएं, स्ट्रीट फूड से बचें और पूरी बाजू के कपड़े पहनें। उपचार में डॉक्टर से सलाह लेना, ओआरएस लेना और बुनियादी दवाइयां रखना शामिल है, जबकि स्व-चिकित्सा से बचना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि बारिश के मौसम में दूषित पानी और मच्छरों के पनपने के कारण कई बीमारियां फैलती हैं, जिनमें टाइफाइड, हेपेटाइटिस ए, दस्त और लेप्टोस्पायरोसिस शामिल है। इस में मुख्यता डेंगू बुखार, जो मच्छर के काटने से फैलता है। इसी तरह नम वातावरण के कारण त्वचा पर होने वाले फंगल संक्रमण का भी खतरा रहता है।

बचाव के तरीके

स्वच्छ पानी और भोजन

इन बीमारियों के बचाव के लिए उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं, कच्चे और अधपके भोजन से बचें, और स्ट्रीट फूड खाने से बचें। मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छर भगाने वाली दवाइयों का इस्तेमाल करें और लंबी बाजू के कपड़े पहनें। घर और आस-पास के इलाके को सूखा रखें और रुके हुए पानी को हटा दें।

ये लक्षण दिखें तो डॉक्टर से सलाह जरूरी

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि यदि आपको लगातार बुखार, गंभीर दस्त, चकत्ते या सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। अपने पास एंटीसेप्टिक्स, पट्टियां, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट) और बुनियादी दवाएं जैसे पैरासिटामोल, एंटीहिस्टामाइन रखें। एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों को बढ़ा सकता है, इसलिए स्व-दवा से बचें और डॉक्टर से परामर्श करें।

ये उपाए जरूरी

बरसात के मौसम में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, हैजा और फंगल संक्रमण जैसी कई बीमारियां फैलती हैं, जिनसे बचाव के लिए पानी उबाल कर पिएं। हाथ साबुन से धोएं, स्ट्रीट फूड से बचें, मच्छरदानी का प्रयोग करें और अपने आसपास पानी जमा न होने दें। बीमार होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलें, क्योंकि शीघ्र निदान और उपचार से रोग को बढ़ने से रोका जा सकता है।

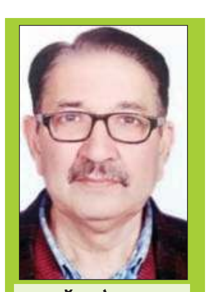

डॉ. एनके गुप्ता।

बीमारियां और उनके कारण

स्वच्छता बनाए रखें :
अपने हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं या हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करें।

सुरक्षित पानी पिएं :
केवल उबला हुआ, फिल्टर किया हुआ या आरओ का पानी ही पिएं।
स्वस्थ भोजन खाएं : ताजा पका हुआ घर का खाना खाएं और अस्वच्छ स्ट्रीट फूड से बचें।

मच्छरों से बचाव :
घर के आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का प्रयोग करें और फुल बाजू के कपड़े पहनें।

व्यक्तिगत स्वच्छताः
बाहर से आने के बाद और शौचालय का उपयोग करने के बाद हाथ अच्छे से धोएं।

इम्युनिटी बढ़ाएंः
अपने आहार में विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां, हल्दी, अदरक और तुलसी जैसी चीजें शामिल करें।

प्रस्तुतिः आर. मोहन चौहान, सोलन।

टेनिस एल्बो

टेनिस एल्बो जिसे चिकित्सकीय भाषा में लैटरल एपिकॉन्डाइलाइटिस (Lateral Epicondylitis) कहा जाता है, कोहनी के बाहरी हिस्से में होने वाला दर्द है। यह समस्या केवल टेनिस खेलने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सभी लोग जो बार-बार हाथ और कलाई की मांसपेशियों का अत्यधिक उपयोग करते हैं, उन्हें यह समस्या हो सकती है।

साधारण देखभाल

- **आराम** करना और प्रभावित हाथ को अधिक काम से बचाना
- **बर्फ** की सिकाई करना
- **हल्के** स्ट्रेचिंग व्यायाम करना
- **जरूरत** पड़ने पर ब्रेस (Elbow Strap) का उपयोग करना

डॉ. निधि जोशी, गांधीधाम कच्छ (गुजरात)

टेनिस एल्बो के मुख्य कारण

बार-बार दोहराए जाने वाले कार्य जैसे टाइपिंग, लिखना, पेंटिंग करना, कपड़े निचोड़ना या औजारों का लंबे समय तक प्रयोग।

खेल गतिविधियां : टेनिस, बैडमिंटन, स्क्वैश, क्रिकेट आदि खेलों में कलाई और हाथ की अधिक मूवमेंट से।

पेशेगत कारण : दफ्तर में कंप्यूटर का निरंतर प्रयोग, बढ़ईगिरी, प्लंबिंग, मैकेनिक कार्य आदि।
उम्र का प्रभावः 30 से 50 वर्ष की उम्र के लोगों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है।

लक्षण

- **कोहनी** के बाहरी हिस्से में तेज या धीमा दर्द
- वस्तुओं को पकड़ने में कमजोरी
- बोतल खोलते समय या हाथ मिलाते समय दर्द
- धीरे-धीरे दर्द का कंधे और हाथ तक फैलना
- पकड़ की शक्ति में कमी

जांच व निदान

डॉक्टर शारीरिक जांच और लक्षणों के आधार पर इसकी पहचान करते हैं। कभी-कभी एक्स-रे या एमआरआई की मदद से हड्डी व ऊतक की स्थिति देखी जाती है।

टेनिस एल्बो का होम्योपैथिक उपचार

होम्योपैथी इस समस्या में सुरक्षित और प्रभावी विकल्प प्रदान करती है। यह केवल दर्द को कम नहीं करती, बल्कि मूल कारण यानी सूजन और मांसपेशियों के तनाव को भी ठीक करने में मदद करती है। कुछ प्रमुख औषधियां निम्नलिखित हैं-

1. uta Graveolens
- यह दवा टेंडन और लिगामेंट की चोट में विशेष रूप से प्रभावी है।
- टेनिस एल्बो में जब हाथ के उपयोग से दर्द बढ़ता हो और आराम करने पर राहत मिलती हो, तब उपयोगी।

2. hus To&icodendron
- सुबह उठने पर या आराम के बाद दर्द ज्यादा हो और धीरे-धीरे हिलाने-डुलाने से आराम मिले।
- ठंडी हवा या नमी से लक्षण बढ़ते हों।

3. Bryonia Alba
- जब थोड़ी-सी हरकत से भी दर्द बढ़े और स्थिर रहने पर आराम मिले।
- सूजन और तीव्र दर्द की स्थिति में यह दवा दी जाती है।

4. Arnica Montana
- चोट या अधिक श्रम के बाद होने वाले दर्द और सूजन में लाभकारी।
- कोहनी छूने पर कोमलता (Tenderness) महसूस हो तो उपयुक्त।

5. Calcarea Fluorica
- पुराने (क्रॉनिक) टेनिस एल्बो में जहां मांसपेशियों और हड्डियों की जकड़न बनी रहती है।
- जोड़ों और टेंडन को मजबूत बनाने में सहायक।

इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति कई बीमारियों का रामबाण इलाज

फ्रेश पौधों से निर्मित औषधियों में जैविक तत्वों की मौजूदगी से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है
-डॉ. संजीव शर्मा

आज विश्व में स्वस्थ रहने के लिए नित नए शोध किए जा रहे हैं, ताकि हम अपने जीवन को बेहतर तरीके से विकसित कर सकें। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस समय विश्व में विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा बहुत जरूरी है। यदि ऐसा होता है तो जलवायु परिवर्तन के कारण पैदा हुई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हल हो सकती हैं। भारत जैसे विकासशील देश में भी इसका प्रभाव देखा जा सकता है, जहां लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नहीं हैं, तो उन्हें अपनी जिंदगी से हाथ धोना पड़ सकता है। यद्यपि भारत सरकार ने नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं, मगर इसके बावजूद भी लोगों के जीवन में कोई बदलाव आने की संभावना कम ही दिखाई पड़ती है । परंपरागत

चिकित्सा सेवाओं को बढ़ावा देने और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं में प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाना जरूरी है, क्योंकि इससे देश की अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य दोनों पर असर पड़ेगा। प्राकृतिक वनौषधियों पर शोध और अध्ययन कर रहे वैज्ञानिकों व चिकित्सकों के अनुसार फ्रेश पौधों से निर्मित औषधियों में जैविक तत्वों की मौजूदगी से मानव शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है, जिससे स्वास्थ्य पर अनुकूल असर होता है। प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान तक पौधों से तैयार औषधि का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, क्योंकि वे जानते हैं कि प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करके मानव जीवन को सुरक्षित बनाया जा सकता है । डॉ. संजीव शर्मा कहते हैं कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से शरीर को कई बीमारियों से बचाया जा रहा है। भारत में इन दवाओं की मांग बहुत अधिक बढ़ गई है, जिससे कई असाध्य व अज्ञात बीमारियों का उपचार संभव है। उनका मानना है कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी दवाओं से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वास्थ्य को संतुलित रखने में सहायता मिलती है । हिमाचल के चंबा जिले स्थित रबिसन इंडिया इलेक्ट्रोहोम्यो फार्मा में हर्बल दवाओं का निर्माण किया जा रहा है और देशभर में इसका इस्तेमाल होता है । इतना ही नहीं इस कंपनी द्वारा प्रतिवर्ष लाखों रुपए टैक्स के रूप में सरकार को दिए जाते हैं । मुख्यमंत्री से आग्रह किया गया कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा प्रोत्साहन दिया जाए ।

प्रस्तुतिः राजेश कुमार, धर्मशाला

सही खानपान, नियमित व्यायाम स्वस्थ जीवन की नींव

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में स्वस्थ रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। बदलती जीवनशैली, तनाव और अनियमित खानपान ने हर आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित किया है। पहले जहां बीमारियां उम्र विशेष से जुड़ी मानी जाती थीं। वहीं, अब युवा और किशोर भी डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और मोटापे जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस परिस्थिति में सही खानपान, नियमित व्यायाम और मानसिक संतुलन ही स्वस्थ जीवन की सच्ची नींव हैं। अगर हम रोजमर्रा की आदतों में थोड़े-थोड़े बदलाव करें तो बड़े लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जैसे सीढ़ियों का प्रयोग करना, घर के कामों में सक्रिय रहना, अधिक पानी पीना और तंबाकू-शराब जैसी हानिकारक चीजों से दूरी बनाना।

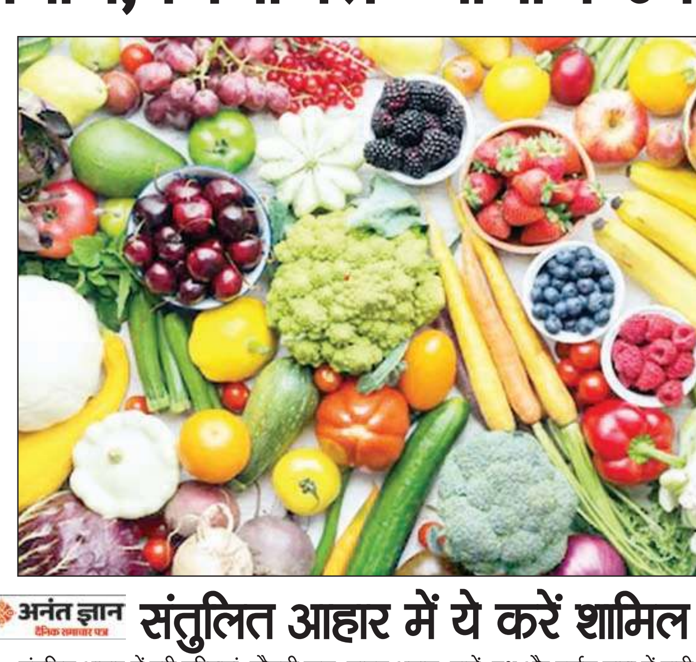

संतुलित आहार में ये करें शामिल

संतुलित आहार में हरी सब्जियां, मौसमी फल, साबुत अनाज, दालें, दूध और पर्याप्त मात्रा में पानी शामिल होना चाहिए। फास्ट फूड, तैलीय भोजन और प्रोसेस्ड आइटम्स शरीर पर बोझ डालते हैं और धीरे-धीरे बीमारियों की जड़ बन जाते हैं। सुबह का नाश्ता पौष्टिक होना चाहिए और रात का खाना हल्का। दिनभर छोटे-छोटे अंतराल पर भोजन करना पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

-मस्त राम, स्वास्थ्य शिक्षण अधिकारी, बिलासपुर

प्रस्तुतिः अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर

नियमित व्यायाम की भूमिका

सिर्फ अच्छा भोजन ही नहीं, बल्कि नियमित व्यायाम भी उतना ही जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 से 45 मिनट पैदल चलना, योग करना या साइकिल चलाना शरीर को सक्रिय बनाए रखता है। इससे वजन नियंत्रित रहता है, हृदय मजबूत होता है और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। खासतौर पर मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्गों के लिए हल्की-फुल्की कसरत लंबे समय तक स्वस्थ रहने का आधार है।

मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। आजकल तनाव, अवसाद और नींद की कमी आम हो गई है। पर्याप्त नींद लेना, ध्यान (मेडिटेशन) करना और सकारात्मक सोच रखना मन को शांत करता है। परिवार के साथ समय बिताना और स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करना भी मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक है।

जिले में नंबर टेंपरिंग वाले वाहन अब किए जाएंगे सीज

जिला कांगड़ा पुलिस चलाएगी अभियान, नाके लगाकर कसा जाएगा शिकंजा

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान

धर्मशाला। कांगड़ा जिले में नंबर टेंपरिंग वाले वाहन अब सीज होंगे। इसके लिए जिला कांगड़ा पुलिस विशेष अभियान चलाने जा रही है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर विशेष नाके लगाए जाएंगे। वर्तमान में फेस्टिवल टाइम चल रहा है। वह बरसात थमने के साथ पर्यटकों की आमद भी शुरू हो गई है।

ऐसे में कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें नंबर टेंपरिंग की गई पाई गई है। ऐसे मामलों पर जिला पुलिस ने संज्ञान लेते हुए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। अभियान को ट्रैफिक पुलिस और संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाना की टीम के सहयोग से चलाया जाएगा। इस दौरान नंबर टेंपरिंग वाले वाहन को सीज कर मौके पर वाहन मालिक को बुलाया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, ऐसे मामले भी सामने आए हैं कि वाहन एक जिले में चल रहा होता है और उसी नंबर वाले वाहन का चालान किसी दूसरी जगह हो जाता है, यह भी नंबर टेंपरिंग से संबंधित मामले हैं। वैसे भी इन दिनों नंबर टेंपरिंग कॉमन हो गई है, जिसकी गंभीरता को भांपते हुए जिला पुलिस विशेष अभियान चलाने जा रही है।

> वाहनों पर नंबर प्लेट की टेंपरिंग कॉमन हो गई है, इसके लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। जिसमें नंबर बदला होगा, ढका होगा, नंबर प्लेट पर फॉयल लगाकर टेंपरिंग की गई होगी तो ऐसे वाहनों को सीज कर, इनके मालिकों को बुलाया जाएगा। अभियान के तहत स्पेशल नाके लगाए जाएंगे। इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम यानी आईटीएमएस के तहत ऑटोमेटिक चालानिंग होती है, ऐसे में इसके लिए ट्रैफिक और थाना पुलिस टीम के माध्यम से अभियान को चलाया जाएगा।
>
> **अदिति सिंह, एएसपी, धर्मशाला**

क्या है नंबर टेंपरिंग

नंबर टेंपरिंग का अर्थ वाहन की नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ करना या उसे बदलना है, जो एक गैरकानूनी अपराध है। ऐसा करने पर भारी जुर्माना लग सकता है, वाहन का रजिस्ट्रेशन रद्द हो सकता है और कुछ मामलों में जेल भी हो सकती है। इस नियम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नंबर प्लेटों में हेरफेर कर कोई व्यक्ति यातायात नियमों का उल्लंघन न कर सके।

हेडमास्टर कैडर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रधानाचार्यों के रिक्त 850 पदों पर जताई चिंता

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान

डरोह। प्रदेश हेडमास्टर कैडर ऑफिसर्स एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डरोह में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रत्न सिंह वर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा लागू किए गए क्लस्टर सिस्टम का स्वागत किया गया, जिसके अंतर्गत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के अधीनस्थ स्कूलों का संचालन संबंधित प्रधानाचार्य की निगरानी में होगा।

एसोसिएशन ने चिंता व्यक्त की कि प्रदेशभर में लगभग 850 प्रधानाचार्य पद रिक्त हैं, जिसमें 21,000 टीजीटी कैडर, 16,652 टीजीटी, 3,200 प्रमोटी लेक्चरर व 960 मुख्याध्यापक प्रभावित हो रहे हैं। बैठक में कहा गया कि 3 दिसंबर 2023 के बाद से प्रधानाचार्य पदोन्नति प्रक्रिया लंबित है, जिसे शीघ्र शुरू किया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के आश्वासनों के बावजूद पदोन्नतियां न होने पर खेद जताया और 300 से अधिक रिक्त मुख्याध्यापक पदों को भरने की भी मांग की। साथ ही, एसीआर प्रक्रिया को ऑनलाइन करने, लंबित डीए जारी करने और क्लस्टर सिस्टम को प्रभावी बनाने के लिए योग्य प्रधानाचार्य तैनात करने की मांग की गई। संघ ने 2017 से 2023 तक प्लेसमेंट आधार पर नियुक्त प्रधानाचार्यों को नियमित प्रमोशन देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। बैठक में निर्णय लिया कि नई कार्यकारिणी के चुनाव दिसंबर माह तक करवाए जाएंगे।

ककड़ें गांव में श्रद्धा और आस्था का माहौल

अनंत ज्ञान, डरोह। सुलह विधानसभा क्षेत्र के तहत गांव ककड़ें में श्रद्धा और आस्था का माहौल उस समय देखने को मिला, जब रविवार को स्थानीय निवासी राकेश कुमार पुत्र शक्ति चंद ने बाबा सिद्धचानों मंदिर की विधिवत स्थापना पूजा-अर्चना के साथ की। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और बाबा सिद्धचानों से सुख-समृद्धि की कामना की। स्थानीय लोगों ने राकेश के इस पुण्य कार्य की सराहना की।

सालगिरह मुबारक

विद्यावन के असीम धीमान और संयोगिता को शादी की 20वीं सालगिरह पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

नगरोटा विस क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं पर खर्च हो रहे 250 करोड़ रुपए: बाली

जल शक्ति विश्रामगृह नगरोटा बगवां में लोगों की समस्याएं सुनते आरएस बाली।

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

पर्यटन निगम के अध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में जल शक्ति विभाग के तहत विभिन्न योजनाओं पर 250 करोड़ रुपए की राशि व्यय की जा रही है, ताकि लोगों को पेयजल की बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए यह अनिवार्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को विशेष प्राथमिकता दी जाए। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, विद्युत, पेयजल, सिंचाई तथा शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर बल दिया जा रहा है। आरएस बाली जल शक्ति विश्रामगृह नगरोटा में लोगों की समस्याएं सुनने के उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में आवश्यकता के अनुरूप सभी विकास कार्य को चरणबद्ध तरीके से अंजाम दिया जाएगा। इस दौरान लोगों की ओर से प्रस्तुत विभिन्न समस्याओं का विधायक ने समाधान किया। शेष मांगों को उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल्द समाधान के लिए प्रेषित किया। इस अवसर पर विभिन्न पंचायत के प्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

महिला समागम सशक्तिकरण का महाकुंभ

अनंत ज्ञान, गगल। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज व राजपिता रमित के आदेशानुसार रविवार को संत निरंकारी ब्रांच कांगड़ा में महिला समागम का आयोजन किया गया। इसमें फगवाड़ा से आई प्रचारक महात्मा बहन सीमा राजन ने अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा करते हुए कहा कि महिला समागमों में सतगुरु माता सुदीक्षा के विचारों को साझा किया जाता है, जिससे आध्यात्मिक ज्ञान प्रेम और परमात्मा के बारे में बताया जाता है। इस अवसर पर कांगड़ा ब्रांच के संयोजक महात्मा दीनानाथ ने बताया कि इस महिला समागम में 27 ब्रांचों की महिलाओं ने महिला समागम में ज्ञान की डुबकी लगाई।

130 बूथों के कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मन की बात'

अनंत ज्ञान, डरोह। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुलह विधानसभा क्षेत्र के 130 बूथों पर कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सुना। सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने थुरल मंडल के बूथ नंबर 118 भिल्ला में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष महेंद्र राणा, महामंत्री विजय राणा, ग्राम केंद्र अध्यक्ष संजय जम्वाल, बूथ अध्यक्ष विजय कुमार सहित बूथ समिति के सदस्य उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में इंडियन नेवी की महिला अधिकारियों से संवाद किया और असम दौरे का अनुभव साझा किया। उन्होंने आगामी 2 अक्टूबर विजयदशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता से पहले ही संघ राष्ट्र सेवा में जुटा हुआ है और देश के निर्माण में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कांगड़ा में इलेक्ट्रोहोम्योपैथी केंद्र का शुभारंभ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक एसोसिएशन की तरफ से टांडा रोड गुप्त गंगा में विनायक इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष डॉ. उत्तम चंद कौंडल व राज्य संयोजक डॉ. सुरेंद्र ठाकुर के अलावा संगठन मंत्री डॉ. रवि कुमार सरोत्री, कार्यकारी सदस्य डॉ. रेणु, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. बलदेव शर्मा, डॉ. अजय, डॉ. सत्य प्रकाश, जसवीर सिंह आदि उपस्थित रहे। केंद्र के प्रभारी डॉ. प्रवीण कुमार कौंडल ने बताया कि इस केंद्र में कांगड़ा शहर के अलावा अन्य राज्यों से आने वाले मरीजों एवं श्रद्धालुओं को भी हर्बल चिकित्सा का लाभ मिलेगा। केंद्र के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान स्थानीय रोगियों की भी जांच की गई।

साईं बाबा के जन्मदिन पर स्वास्थ्य जांच शिविर

अनंत ज्ञान, पालमपुर। शिरडी साईं बाबा के जन्मदिन के पावन अवसर पर श्री साईं मंदिर, अगोजर (पंचरुखी), पालमपुर में श्री सत्य साईं सेवा समिति पंचरुखी द्वारा अत्यंत भव्य और सफल सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच और भंडारे का उत्साहपूर्वक संचालन किया गया। इस अवसर पर पालमपुर जोन की सभी समितियों के सदस्य, जिला कांगड़ा के अध्यक्ष शेष भूषण, पालमपुर जोन अध्यक्ष रोशन रैना, समिति के संयोजकगण व सदस्य तथा डॉ. बिंद्रा एवं उनकी ब्लड बैंक टीम की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। रक्तदान शिविर में कुल 40 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें से 19 योग्य रक्तदाताओं का रक्त लिया गया। आशा वर्कर और डॉक्टरों की टीम ने पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ सभी रक्तदाताओं की विस्तृत स्वास्थ्य जांच करवाई, जिससे रक्तदान प्रक्रिया सुरक्षित और सुचारु रूप से सम्पन्न हुई।

रोहित भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। भाजपा के युवा नेता और बैजनाथ के साथ लगती धानग पंचायत के प्रधान रोहित कपूर को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा पालमपुर के जिला अध्यक्ष तथा साथ ही बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के महाकाल से संबंध रखने वाली सीमा चौधरी को महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बनाया गया है। रोहित काफी कम उम्र में अपनी पंचायत के प्रधान बने हैं। इस दौरान इन्होंने ग्रामीण क्षेत्र होते हुए भी धानग पंचायत को विकास के मामले में काफी अग्रणी किया है। सीमा चौधरी ने एलआईसी के कार्य क्षेत्र अपनी मेहनत से एक अलग मुकाम हासिल किया है।

बरसात की मार के बीच लोगों का सहारा बने कैप्टन संजय पराशर

प्रभावितों लोगों की मदद कर रहे संजय पराशर।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

भारी बरसात के कारण जसवां-परागपुर क्षेत्र में कई लोगों के कच्चे मकान दरक गए हैं, तो कहीं छतें रिसने लगीं और कहीं गोशालाओं की नींव ही हिल गई। ऐसे समय में जब लोग उम्मीद खोने लगते हैं, तभी कोई संवेदनशील हाथ बढ़कर आंसुओं को थाम ले, तो वह मदद केवल आर्थिक नहीं, दिल को संबल देने वाली बन जाती है। हर बार की तरह इस बरसात के बाद भी कैप्टन संजय पराशर ने यही कर दिखाया है। इस वर्ष कूहना, अलोह और नारी पंचायतों में जब परिवार बरसात की चोट से बेहाल थे, तो पराशर ने उन्हें अकेला नहीं छोड़ा। वह खुद उनके बीच पहुंचे, हालात सुने और अपने संसाधनों से मदद पहुंचाई। जिन घरों में बरसात ने खामोशी बिखेर दी था, वहां पराशर की मौजूदगी ने भरोसे की एक नई किरण जगाई। यही हुआ रोड़ी-कोड़ी गांव के रामनगर में। वहां एक वृद्ध महिला संतोष कुमारी की गोशाला बरसात में गिर गई। यह खबर जब कैप्टन पराशर तक पहुंची, तो उन्होंने तुरंत हाथ बढ़ाया। आर्थिक मदद दी और साथ ही यह भरोसा भी दिलाया कि परिवार को एक नई गाय खरीदकर देंगे। यह केवल गाय देने का वादा नहीं था, यह उस महिला व परिवार को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने की राह थी।

गांव के सेवानिवृत्त सूबेदार केवल कुमार ने भावुक होकर कहा कि संजय पराशर हमेशा हमारे सुख-दुख में खड़े रहते हैं। उन्होंने साबित किया है कि वे नेता वही है, जो चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर वक्त अपने लोगों के लिए मौजूद हो। संजय पराशर ने कहा कि विपदा और मुश्किल की वह अपने क्षेत्र की जनता को किसी भी हाल में अकेला नहीं छोड़ सकते। पहले भी क्षेत्र के लिए काम किया है और आगे भी यह मुहिम जारी रहेगी।

2.72 करोड़ से बनेगी धनोटू-वाया बद बस्ती सड़क: केवल पठानिया

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने मुंदला में राष्ट्रीय उच्च मार्ग-154 से जुड़ने वाली धनोटू-वाया बद बस्ती सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। यह 3.670 किलोमीटर लंबी सड़क नाबार्ड के अंतर्गत 2.72 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जा रही है। सड़क के बन जाने से अप्पर लदवाड़ा, बद बस्ती, धनोटू और अप्पर मुंदला के लगभग 1500 लोगों को बेहतर यातायात सुविधा प्राप्त होगी। पठानिया ने जानकारी दी कि गगल उपमंडल के तहत लोक निर्माण विभाग के लगभग 12.65 करोड़ रुपए के विभिन्न कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि 9.80 करोड़ रुपए से बन रही ललेटा-बणुमहादेव सड़क का कार्य भी तेज गति से चल रहा है। मुंदला पंचायत के कालाबस्ती में 12 लाख रुपये से नया 63 केवी ट्रांसफार्मर भी स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक ने सड़क निर्माण के लिए अपनी 6 कनाल जमीन दान करने वाले करतार चंद, जीवन कुमार और देश राज का सम्मान किया।

ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप का किया शुभारंभ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से कांगड़ा जिला सब-जूनियर (अंडर-15 एवं अंडर-17) ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ स्थानीय इंडोर स्टेडियम में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक केवल सिंह पठानिया ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन जैसे खेलों से युवाओं में न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि मानसिक विकास और सकारात्मक सोच को भी बल मिलता है। पठानिया ने अपनी ऐच्छिक निधि से बैडमिंटन एसोसिएशन को 11 हजार रुपए देने की घोषणा की।

राहत: 54 दिन बाद पौंग बांध के मुख्य गेट बंद

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। जिला कांगड़ा के फतेहपुर और इंदौरा उपमंडलों की मंड क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत मिली है। पौंग बांध से छोड़े गए पानी ने बीते 54 दिनों तक मंड क्षेत्र में भारी तबाही मचाई थी। 6 अगस्त को बांध के स्पिलवे गेट खोले गए थे, जिन्हें रविवार को सुबह 11 बजे बंद कर दिया गया। अब जल निकासी केवल टरबाइनों के माध्यम से 17,127 क्यूसेक रह गई है, जिससे बाढ़ का खतरा कम हो गया है। एसडीएम फतेहपुर विश्रुत भारती ने बताया कि अब फतेहपुर व इंदौरा मंड क्षेत्र में बाढ़ का कोई खतरा नहीं है। प्रशासन सतर्क है और ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे आवश्यक सावधानियां बरतें। इस बार कई गांवों के खेत-खलियान और जमीन नदी की धारा में बह गई। कई परिवारों के घर ब्यास नदी में समा गए थे।

नेक्स्ट जेन जीएसटी 2.0 से कर प्रणाली होगी सरल: चक्षु

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। मोदी सरकार के नेतृत्व में जीएसटी व्यवस्था को और अधिक सरल, पारदर्शी व जनहितैषी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। नेक्स्ट जेन जीएसटी 2.0 को नए भारत की नई कर प्रणाली की संज्ञा देते हुए हिमाचल भाजपा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु ने कहा कि यह सुधार एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की संकल्पना को और अधिक मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लागू की जा रही यह नई प्रणाली न सिर्फ कराधान की जटिलताओं को कम करेगी बल्कि व्यापारियों, उद्योगपतियों, छोटे कारोबारी वर्ग और आम नागरिकों को भी सीधा लाभ पहुंचाएगी। तकनीकी रूप से सक्षम और पारदर्शी कर व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा।

रुमेहड़ में 1.25 करोड़ की लागत से बनेगा पंचायत भवन

अनंत ज्ञान, डरोह। सुलह विधानसभा क्षेत्र की रुमेहड़ पंचायत में 1.25 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक पंचायत भवन का भूमि पूजन रविवार को विधायक विपिन सिंह परमार ने किया। उन्होंने बताया कि भवन निर्माण के लिए पहली किश्त के रूप में 35 लाख रुपए जारी हो चुके हैं और विभाग को जल्द टेंडर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। परमार ने कार्यक्रम में ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई और कहा कि अधिकारी सरकार की रीढ़ होते हैं। भाजपा पंचायत प्रधान मोहिंदर ने बताया कि उनकी पंचायत को स्वच्छता पर जिला स्तरीय पुरस्कार मिला है और 15वें वित्त आयोग की राशि का सर्वाधिक उपयोग कर ब्लॉक स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है।

मल्ली गांव में आयुर्वेद स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

अनंत ज्ञान, पालमपुर। जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र का विकास हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। लोगों की जरूरतों और मांगों पर उचित कार्रवाई करने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। यह बात ग्रामीण विकास मंत्री और पंचायत ढमण के मल्ली गांव में आयोजित जनसभा के दौरान आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री और कानून मंत्री यादविंद्र गोमा ने कही। इससे पूर्व मंत्री ने मल्ली गांव के लिए 27.5 लाख रुपए की लागत से बने आयुर्वेद स्वास्थ्य केंद्र और 4 लाख रुपए की लागत से तैयार महिला मंडल भवन को लोकार्पित किया। उन्होंने महिलाओं को महिला मंडल भवन मल्ली निर्माण पूर्ण होने पर शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने मल्ली चौक पर सोलर लाइट, वैष्णो माता मंदिर की सड़सड़क, सामुदायिक भवन निर्माण जल्द करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने महिला मंडल भवन मल्ली के लिए जाने वाले रास्ते को तैयार करने के लिए 50 हजार रुपए विधायक निधि से जारी करने की घोषणा भी की।

चांदड़ में दूधला पहाड़ी पर लगाया भंडारा

अनंत ज्ञान, डरोह। बाबा बर्फानी नाथ मंदिर चांदड़ बमियाल के ऊपर लगभग 300 मीटर की दूरी पर दूधला पहाड़ी पर जो दूधिया पानी निकल रहा है, वहां पर स्थानीय लोगों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का आयोजन करने में सुरेंद्र कुमार, मनोज कुमार, कर्ण सिंह, रंगील चंद, संजय कुमार व गांव बमियाल की महिलाओं का भी भरपूर सहयोग रहा।

शाहनहर बैराज के पास अवैध क्रशर का भंडाफोड़

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र के शाहनहर बैराज (52 गेट) के पास पंजाब सीमा के पास लंबे समय से चल रहे अवैध क्रशर का मामला उजागर हुआ है। इस मुद्दे को हिमाचल विधानसभा में विधायक भवानी पठानिया ने उठाया था, जिसकी गूंज पंजाब सरकार तक पहुंची और प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हुई है। डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर आशिका के निर्देश पर एसडीएम मुकेरियां अंकुर महेंद्र के नेतृत्व में शनिवार रात अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान क्रशरों की जांच हुई और एक क्रशर संचलन में पाया गया, जबकि मौके पर 500 केवीए का जनसेट भी मिला। जांच में ताजा टायर निशान, जनसेट का अत्यधिक तापमान, गीली बजरी और 1414 घंटे की रनिंग रीडिंग से स्पष्ट हुआ कि क्रशर नियमित रूप से संचालित किया जा रहा था। जिला प्रशासन ने पांच चालान जारी किए, अवैध खनन में शामिल वाहनों को जब्त किया और जनसेट को सील किया। डिप्टी कमिश्नर आशिका ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विधायक एवं राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) भवानी सिंह पठानिया ने कहा कि मैंने हिमाचल विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया, ताकि शाहनहर बैराज और ब्यास नदी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की है और मैं जनता से अपील करता हूं कि ऐसे मामलों की जानकारी हमें तुरंत दें, ताकि समय रहते सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

500 केवीए जनसेट से किया जा रहा था संचालित

इंजीनियर ने पुश्तैनी खेती के लिए छोड़ी नौकरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

नौकरी छोड़ पुश्तैनी खेतों की ओर लौटे युवा को माटी की महक ने खुशहाली दिलाई है। युवा ने पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग इन डबल स्ट्रीम के बाद खेती में भी नाम कमाकर मिसाल कायम की है। हम जिक्र कर रहे हैं गांव डिक्टू, पंचायत झियोल, ब्लॉक धर्मशाला के शक्ति देव का, जिन्होंने न सिर्फ इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, बल्कि कई साल तक प्राइवेट सेक्टर में काम करने के बाद वर्ष 2012 में नौकरी छोड़कर अपने पुश्तैनी खेतों की ओर लौटने का निर्णय लिया। शक्ति देव ने शुरुआत में अधिकांश किसानों की तरह रासायनिक खेती अपनाई।

पिता ने पहले से ही खेतों में आम और लीची के बाग लगाए थे, लेकिन समय के साथ यह साफ हो गया कि रासायनिक खेती में मेहनत और खर्च तो अधिक है, पर लाभ न बराबर, इससे वे असंतुष्ट रहे। वर्ष 2015 में उन्होंने ऑर्गेनिक खेती के सिद्धांतों पर काम शुरू किया और 2018 में नौणी स्थित कृषि विश्वविद्यालय से एक माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उनके जीवन का टर्निंग प्वॉइंट साबित हुआ। प्राकृतिक खेती को अपनाने के बाद उन्होंने जीवामृत, घन जीवामृत, दशपर्णी अर्क और अग्निअस्त्र जैसे देसी तरीकों का प्रयोग शुरू किया। आत्मा विभाग और कृषि विभाग से समय-समय पर सहयोग मिला। उन्हें देसी गाय के लिए अनुदान भी मिला, जिससे खेती का आधार और मजबूत हुआ। शक्ति देव ने बताया कि मौजूदा सीजन में फूलगोभी जैसी सब्जियों की बुआई के समय पौधों को गड्ढों में लगाकर जीवामृत का उपयोग कर रहे हैं। इससे न केवल पौधों की वृद्धि तेज होती है, बल्कि मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीवों की संख्या भी बढ़ती है, जो फसलों के लिए लाभकारी हैं। वे दशपर्णी अर्क भी तैयार कर रहे हैं। इस अर्क को बनाने में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध 10 प्रकार की कड़वी पत्तियों का उपयोग किया जाता है, साथ ही इसमें देसी गाय का गोबर और गोमूत्र भी डाला जाता है।

शक्ति देव प्राकृतिक खेती से कर रहा खूब कमाई।

इलेक्ट्रोहोम्योपैथी में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सक होंगे सम्मानित

सर्वोदय इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोहोम्योपैथी बगली में बैठक आयोजित।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। सर्वोदय इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोहोम्योपैथी धर्मशाला स्थित बगली में आयोजित हेडा की राज्य स्तरीय बैठक में निर्णय लिया कि प्रदेश में प्रैक्टिस कर रहे उत्कृष्ट चिकित्सकों को पुरस्कृत व सम्मानित किया जाएगा।

हेडा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. उत्तम चंद कौंडल ने बताया कि देश में कोरोना वायरस से निपटने के बाद हर्बल चिकित्सा पद्धति इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की मांग बढ़ी है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े चिकित्सकों के व्यवसाय में भी वृद्धि हुई है। प्रदेश इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक एसोसिएशन की ओर से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर करवाए जा रहे हैं जिसमें सैकड़ों लोगों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में इस पद्धति का प्रशिक्षण भी शुरू किया गया है, जहां देशभर के छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि नवंबर माह में धर्मशाला स्थित बगली केंद्र के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया होंगे और इस अवसर पर संस्थान के हॉस्टल का शिलान्यास भी किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए राज्य स्तरीय विशेष समिति बनाई गई है जिसका नेतृत्व राज्य संयोजक सुरेंद्र ठाकुर करेंगे।

देहरा विधानसभा क्षेत्र की 8 पंचायतों की पेयजल परियोजनाओं का होगा सुदृढ़ीकरण

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान

देहरा। प्रदेश सरकार ने देहरा विधानसभा क्षेत्र की 8 पंचायतों की पेयजल योजनाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए नाबार्ड से 45.66 करोड़ रुपए स्वीकृत करवाए हैं। इन योजनाओं के सुदृढ़ीकरण से देहरा क्षेत्र की 8 पंचायतों के 22 गांवों और 174 बस्तियों के 16642 लोग लाभान्वित होंगे।

देहरा से कांग्रेस विधायक कमलेश ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुक्खू को क्षेत्र की पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार व सुदृढ़ीकरण के लिए नाबार्ड के तहत अपनी प्राथमिकता दी थी। इन योजनाओं को भारी बरसात के दौरान भी नुकसान पहुंचा है। इससे क्षेत्र में सुचारु पेयजल आपूर्ति को लेकर भी अड़चन आ रही थी। सरकार ने मुहल, जालंधर लाहड़, ठाकुरद्वारा, रजोल, धवाला को ब्यास नदी से सुचारु पेयजल आपूर्ति व इनके सुदृढ़ीकरण के लिए नाबार्ड से यह राशि मंजूर करवाई है। इन योजनाओं के तहत रजोल, मुहल, ठाकुरद्वारा, जालंधर लाहड़, धवाला खास, शिवनाथ, खबली व ठटलेहड़ पंचायतें लाभान्वित होंगी। नाबार्ड से यह राशि स्वीकृत होने पर क्षेत्र के हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। देहरा विधानसभा क्षेत्र में नाबार्ड के तहत 100 हैंडपंपों का इलेक्ट्रिफिकेशन भी होगा। इससे हैंडपंपों के पानी की आसपास के घरों में आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। नाबार्ड ने इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए अलग से 1 करोड़ रुपए से अधिक का बजट मंजूर किया है।

निजी होटलों से प्रतिस्पर्धा का प्रयास कर रहा एचपीटीडीसी

निगम के पास हर वर्ग के पर्यटकों के लिए कमरे उपलब्ध

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

होटल इंडस्ट्री में दिनों प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। निजी होटलों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा से निपटने का हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) प्रयास कर रहा है। यही नहीं निगम के पास हर वर्ग के पर्यटकों के लिए होटल कमरे उपलब्ध हैं। प्रदेश में विभिन्न प्राइम लोकेशन के साथ जनजातीय क्षेत्रों में भी एचटीडीसी पर्यटकों को सरकारी क्षेत्र में होटल सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है।

हालांकि, एचटीडीसी इस बार बरसात में काफी नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन नुकसान की भरपाई के लिए कदम उठाने के साथ निगम पर्यटन को बढ़ावा देने में जुटा है। निगम की ओर से अपने व्यंजनों को जहां घर-द्वार पहुंचाने की पहल की गई है। वहीं निजी ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से निगम होटलों की बुकिंग भी करवाई जा रही है।

एक से तीस हजार के कमरे उपलब्ध

पर्यटक चाहे एक हजार के कमरे में ठहरें या फिर तीस हजार के, उनमें पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना एचपीटीडीसी सुनिश्चित करता है। हर प्रकार के पर्यटकों के हिसाब से एचपीटीडीसी के पास होटल उपलब्ध हैं। जनजातिय क्षेत्र काजा और भरमौर में भी एचीटीडीसी के होटल हैं। हर प्रकार के पर्यटकों का ख्याल एचपी टूरिज्म रखता है, क्योंकि जब एचपी टूरिज्म होटल बने थे, उस समय निजी होटल नहीं होते थे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एचपीटीडीसी कई कदम उठा रहा है, क्योंकि पर्यटन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है और निजी होटलों से प्रतिस्पर्धा में एचपीटीडीसी प्रयास कर रहा है।

> एचपीटीडीसी के पास हर प्रकार के कैटागिरी के लिए होटल उपलब्ध हैं। ऐसा नहीं है कि सभी होटलों को फाइव स्टार का बना दिया जाए, तभी ऑक्यूपेंसी बढ़ेगी। कई होटल फाइव, फोर व थ्री स्टार कैटागिरी के हैं, हर पर्यटक अपने बजट के हिसाब से घूमने का कार्यक्रम बनाता है। कई पर्यटकों को एक से दो हजार के कमरे की जरूरत रहती है, कई पर्यटक पंद्रह से 30 हजार रुपये तक के कमरे की डिमांड करते हैं।
>
> -राजीव कुमार, एमडी, एचपीटीडीसी

विधायक आशीष बुटेल ने किया सामुदायिक भवन का लोकार्पण

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल ने रविवार घुघर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर जनसमस्याओं को सुना एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधायक ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में पेयजल से जुड़ी हर समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नाला मंदिर के स्नानागार को दुरुस्त करने के कार्य प्रगति पर है। उन्होंने स्नानागार के सुधारीकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। विधायक ने रविदास मंदिर का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्थानीय जनता से समन्वय स्थापित कर जर्जर हालत को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने रविदास मंदिर के सुधार कार्य के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। वहीं, विधायक आशीष बुटेल ने नगर निगम पालमपुर के वार्ड नंबर-15 भरमात का दौरा कर 14 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। विधायक बुटेल ने गोरखा समुदाय के लोगों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि गोरखा समुदाय का योगदान राष्ट्र एवं समाज के लिए अतुलनीय है और सरकार उनकी भलाई एवं विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। विधायक ने यह भी घोषणा की कि भरमात में वर्तमान समय में संचालित सब-हेल्थ सेंटर को वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

नयना देवी क्षेत्र में चलाया स्वच्छता अभियान

अनंत ज्ञान, नयना देवी। केंद्र सरकार के 'स्वच्छ भारत मिशन' के तहत देशभर में चल रहे 'स्वच्छोत्सव' अभियान के तहत नगर परिषद श्री नयना देवी जी में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में स्थानीय, नागरिकों ,जनप्रतिनिधि और स्वच्छता कर्मी अपनी भागीदारी सक्रिय रूप से निभा रहे हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को इस जनांदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। वहीं, सभी ने स्वच्छता कर्मियों के साथ मिलकर कूड़ा-कचरा एकत्रित किया। स्थानीय लोगों, दुकानदारों होटल मालिकों को अपने आसपास सफाई व्यवस्था बनाए रखने का संदेश भी दिया गया है।

स्वयंसेवकों ने कॉलेज प्रांगण को बनाया सुंदर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 70 स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के पिछले प्रांगण को स्वच्छ और सुंदर बनाया। प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने अंग्रेजी विभाग की प्रो. नम्रता पठानिया और डॉ. राहुल संदल के साथ कार्य का निरीक्षण कर स्वयंसेवकों की मेहनत की प्रशंसा की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजीत और प्रो अनुप्रिया ने भी स्वयंसेवकों को उत्साहपूर्वक प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से एनएसएस वॉलंटियर्स ने स्वच्छता का संदेश समाज तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

बिलासपुर कॉलेज में प्रायोगिक भौतिकी कार्यशाला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर कॉलेज के भौतिकी विभाग ने प्रदेश आईएपीटी आरसी-23 के सहयोग और आईक्यूएसी के तत्वावधान में 22 से 27 सितंबर तक 'सिद्धांत से व्यवहार तक' नामक एक सप्ताह की प्रायोगिक भौतिकी कार्यशाला का सफल आयोजन किया। कार्यशाला में लगभग 100 बीएससी और एमएससी के छात्र शामिल हुए। इसका उद्देश्य छात्रों को कक्षा में प्राप्त सिद्धांतों को प्रयोगशाला में व्यावहारिक रूप से समझाने और अभ्यास करने में मदद करना था। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. सुरजीत चंदेल (अध्यक्ष), डॉ. मोनिका (समन्वयक), डॉ. अरुण कुमार (संयोजक), डॉ. घनश्याम (संगठन सचिव) और शीतल धीमान (सह-संयोजक) ने किया। प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने उद्घाटन और समापन समारोह में भाग लिया और छात्रों को वैज्ञानिक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जड्डू कुलजार पंचायत में भगवती जागरण

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। विकास खंड झंडूता के पिछड़ा क्षेत्र कोटधार की पंचायत जड्डू कुलजार में मंगल ठाकुर एंड पार्टी के तत्वावधान में विशाल भगवती जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जल शक्ति विभाग से सेवानिवृत्त अधिशाषी अभियंता रत्नदेव द्वारा ज्योति प्रज्वलित कर की गई। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। पंचायत प्रधान शिल्पा शर्मा और तिलक शर्मा ने बताया कि जागरण में मनोहर शर्मा, सुरेश राठौर, तिलक शर्मा और मंगल ठाकुर ने भक्तिमय भेंटें प्रस्तुत कीं। कलाकारों ने गणेश वंदना से जागरण आरंभ किया और भक्ति गीतों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। पिंजौर से आए जत्थे ने भी जागरण का आनंद लिया। अंकू आर्ट ग्रुप ने आकर्षक झांकियां प्रदर्शित कीं, जबकि जीत बैंड ने सुरमई संगीत प्रस्तुत किया। अंत में तारा रानी का प्रसंग सुनाकर कन्या पूजन व प्रसाद वितरण किया गया।

डियारा सेक्टर और बांमटा में तीन माह से नलों में नहीं आया पानी

विभागीय लापरवाही से आमजन बेहाल, नलकूपों से ढोना पड़ रहा पानी

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। बिलासपुर के डियारा सेक्टर और बांमटा में पिछले 3-4 महीनों से नलों में पानी नहीं आ रहा है। शिकायतों के बावजूद जल शक्ति विभाग की उदासीनता ने स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। ग्रामीण और शहरवासी दोनों ही पानी की कमी से परेशान हैं। अब लोगों को रसोई और दैनिक जरूरतों के लिए पास के नलकूपों से पानी ढोना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि सरकार ने घर-घर स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं, लेकिन विभाग में तैनात कुछ कर्मचारी और अधिकारी अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से नहीं निभा रहे हैं। इससे आमजन का भरोसा कमजोर हुआ है और लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। बिलासपुर शहर के डियारा सेक्टर के आधा दर्जन परिवारों ने वरिष्ठ नागरिक और समाजसेवी रवींद्र नाथ भट्टा के नेतृत्व में बताया कि पानी की कमी इतनी गंभीर हो गई है कि बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल भी मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा कि रसोई चलाने के लिए हमें पास के नलकूपों से पानी ढोना पड़ता है। कई बार तो पानी बिलकुल नहीं आता और दैनिक कार्य बाधित हो जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जल संकट पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो यह लोगों के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। पानी की कमी से स्वास्थ्य समस्याएं, विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों में, बढ़ सकती हैं। साफ-सफाई में कमी और पानी की कमी से संक्रामक रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है। सामाजिक दृष्टि से भी यह स्थिति चिंताजनक है।

शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं

बांमटा क्षेत्र के निवासी जितेंद्र पाल सिंह ने कहा कि पिछले 3-4 महीनों से उनके घर के नलों में पानी नहीं आया। उन्होंने बताया कि विभाग में कई बार शिकायत दर्ज करवाई गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों को कोई नहीं देखता और विभाग अपनी जिम्मेदारी से विमुख है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो लोग सड़क पर आंदोलन करने को मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और जल शक्ति विभाग से समस्या के त्वरित समाधान की मांग की।

समस्या हमारे ध्यान में आ गई है। विभाग द्वारा व्यवस्था में सुधार के कदम उठाए जा रहे हैं। जहां शिकायतें हैं, वहां जल आपूर्ति सुचारु करने के लिए तुरंत कार्रवाई की जाएगी। विभाग क्षेत्र में नई पाइपलाइन और जल स्रोत जोड़ने की योजना पर काम कर रहा है। कर्मचारियों की निगरानी बढ़ाकर उन्हें समय पर शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं।

-राकेश वैद्य, अधिशाषी अभियंता जल शक्ति विभाग।

नरेंद्र कुमार बने रेशम साथी कामगार संगठन के अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

घुमारवीं में हुए रेशम साथी कामगार संगठन के राज्य स्तरीय चुनाव

रेशम साथी कामगार संगठन (इंटक) के राज्य स्तरीय चुनाव मजदूर सदन घुमारवीं में संपन्न हुए। इसमें जिला हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा, शिमला, सोलन और बिलासपुर के अधीन मंडलों में कार्यरत रेशम साथियों ने भाग लिया। इंटक वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्म सिंह सहगल की अध्यक्षता में संपन्न हुए चुनावों नरेंद्र कुमार को राज्य प्रधान, अश्वनी कुमार और जसवीर सिंह को उपप्रधान, अनीता कुमारी को महासचिव, पूनम शर्मा को वित्त सचिव, लता देवी को सचिव और काहन सिंह को मुख्य सलाहकार चुना गया।

नवनियुक्त प्रधान नरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश के सैरीकल्चर विभाग में 8 मंडल हैं और लगभग 60 रेशम साथी कार्यरत हैं। प्रत्येक रेशम साथी के तहत लगभग 100 रेशम कीट पालक किसान काम करते हैं। विभाग पूरे साल इन साथियों से काम करवाता है, लेकिन केवल 8 माह का वेतन देता है। आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों से रेशम साथियों के लिए सरकार ने कोई नीति नहीं बनाई है। वहीं, इंटक सचिव प्रेम लाल भाटिया ने कहा कि विभाग मजदूरों का शोषण कर रहा है और पिछले 2 वर्षों का वेतन भी बकाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक माह के भीतर वेतन की अदायगी नहीं हुई तो इंटक सभी रेशम कीट पालक किसानों के साथ संघर्ष के लिए मजबूर हो जाएगी। इस अवसर पर पम्मी देवी, कविता देवी, रजनी देवी, तनुजा देवी, राजकुमारी, सन्नी कुमार, पवन कुमार, मनोज कुमार, सर्वणा देवी, इंटक के राज्य उपप्रधान चैन सिंह सुमन, एसीसी बरमाणा कर्मचारी संगठन के महासचिव रमेश कुमार व जिला बिलासपुर इंटक के महासचिव जगदीश कुमार भी उपस्थित रहे।

बिलासपुर में दो अक्तूबर को जलाए जाएंगे विधायकों के पुतले

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

देवभूमि पार्टी के नेता जगदीप ठाकुर बोले-भ्रष्टाचार के खिलाफ होगा सांकेतिक प्रदर्शन

दशहरे पर इस बार बिलासपुर में एक अनूठा और चर्चित आयोजन होने जा रहा है। देवभूमि क्षत्रिय संगठन, सवर्ण मोर्चा और राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी की ओर से 2 अक्तूबर को भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ एक सांकेतिक प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें 68 विधायकों के प्रतीकात्मक पुतलों का दहन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए देवभूमि पार्टी के नेता जगदीप ठाकुर ने बताया कि यह आयोजन गांधी जयंती के दिन दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक मंडी भराड़ी चौक फोरलेन पर आयोजित किया गया है। इसे 'रावण रूपी भ्रष्टाचार का अंत' करार देते हुए आयोजकों ने इसे हिमाचल को 'स्वच्छ और सशक्त' बनाने के संकल्प का प्रतीक बताया है। आयोजन के लिए जारी निमंत्रण में कहा कि यह आयोजन भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ हमारी एकजुटता का प्रतीक है। आइए, हम सब मिलकर हिमाचल को स्वच्छ और सशक्त बनाने का संकल्प लें। आयोजकों ने सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से इस 'ऐतिहासिक कार्यक्रम' में शामिल होने की अपील की है।

इस आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर काफी चर्चा है। माना जा रहा है कि यह कार्यक्रम राजनीतिक भ्रष्टाचार के प्रति सार्वजनिक असंतोष को दर्शाता है और दशहरे के त्योहार को एक सामाजिक-राजनीतिक संदेश के माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास है। आयोजकों ने अपने संदेश में कहा है कि 'हिमाचल की पवित्र भूमि पर अधर्म का अंत होगा और सत्य की जीत होगी।'

घयाना के पास युवक का संदिग्ध अवस्था में मिला शव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर । बिलासपुर जिले के उपमंडल सदर में शिमला-धर्मशाला राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे घयाणा के पास एक युवक का शव संदिग्ध स्थिति में पाया गया है। मृतक की पहचान विनीत शर्मा (28), निवासी निहारखन वासला, डाकघर ब्रह्मपुखर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मृतक शाम को अपने घर पर ही था, लेकिन सुबह उसकी मां ने कमरे में देखा तो वह वहां नहीं मिला। घर और आसपास की तलाश करने पर वह राजमार्ग के किनारे मृत अवस्था में पाया गया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके को सील कर दिया और फॉरेंसिक टीम को बुलाया। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने शव के आसपास किसी भी संदिग्ध चीज या संकेतों को कब्जे में लिया। स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक के परिजन का कहना है कि विनीत के किसी से कोई पुरानी दुश्मनी नहीं थी, लेकिन वे इस बात से भी इनकार नहीं कर सकते कि किसी के द्वारा किसी प्रकार की हिंसा हुई हो। डीएसपी मुख्यालय मदन धीमान ने बताया कि मामले की छानबीन जारी है। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद सभी सुरागों की जांच कर रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं और जल्द ही इस घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि घटना के रहस्य को जल्दी सुलझाया जा सके।

कटवाल ने शुरू किया 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी' अभियान

विधायक ने खुद दुकानों में स्टिकर लगाकर लोगों को नई जीएसटी नीति के बारे में किया जागरूक

गोपाल कपिल, अनंत ज्ञान

झंडूता। विधायक जीतराम कटवाल ने व्यापारियों के साथ 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी' पर चर्चा करते हुए 'एक राष्ट्र, एक बाजार' अभियान का शुभारंभ किया। कटवाल ने खुद दुकानों में स्टिकर लगाकर लोगों को नई जीएसटी नीति के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि पहले जीएसटी स्लैब 5%, 12%, 18% और 28% थे, लेकिन अब इसमें महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। 28% वाले स्लैब को घटाकर 18% में और 12% वाले स्लैब को 5% में मर्ज किया गया है। इससे जहां व्यापारियों को कर संबंधी जटिलताओं से राहत मिलेगी, वहीं उपभोक्ताओं को भी वस्तुएं अपेक्षाकृत सस्ती मिलेंगी। विधायक ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग होने वाली कई खाद्य सामग्रियों को अब जीएसटी मुक्त कर दिया गया है। इसका सीधा फायदा गाँवों और कस्बों में रहने वाले परिवारों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य व्यापार को सरल बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है।

'एक राष्ट्र, एक बाजार' की परिकल्पना साकार होगी

कटवाल ने बताया कि नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी से न केवल टैक्स प्रणाली आसान होगी, बल्कि छोटे व्यापारियों को भी बराबरी का अवसर मिलेगा। इस बदलाव से 'एक राष्ट्र, एक बाजार' की परिकल्पना साकार होगी और व्यापारिक लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी के नए प्रावधान निश्चित रूप से कारोबार के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे।

बिलासपुर कॉलेज के स्टूडेंट्स ने उखाड़ी भांग

बिलासपुर कॉलेज के हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने सफाई अभियान चलाया।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने रविवार को कॉलेज के मुख्य गेट से सफाई अभियान शुरू किया और लड़कों के हॉस्टल से लेकर कॉलेज चौक तक सड़क के दोनों किनारों में उगी भांग, घास एवं झाड़ियों को काटकर परिसर को साफ-सुथरा किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने कहा कि महाविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थी पूर्व निश्चित स्थान पर सफाई का पूरा ध्यान स्वयं रखते हैं, जिससे पूरा महाविद्यालय साफ-सुथरा और सुंदर दिखता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को सफाई का काम देकर उन्हें जिम्मेदारी का एहसास करवाना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इसके साथ ही उनका मकसद विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक सेवा में भी आगे बढ़ाना और प्रत्येक कार्य में एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है। सफाई अभियान का आयोजन हिंदी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर अंजु शर्मा, डॉ. श्यामलाल और डॉ. हेमा देवी ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया।

मटौर-शिमला फोरलेन पर नौणी चौक की हालत खस्ता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। निर्माणाधीन मटौर-शिमला फोरलेन पर नौणी चौक की हालत बद से बदतर होती जा रही है। इस चौक पर पड़े गड्ढों से वाहन चलाना खतरे से खाली नहीं रह गया है। वहीं, निर्माण कर रही गाबर कंपनी द्वारा गड्ढों को दुरुस्त करने की बजाय उनमें मिट्टी डाल दिए जाने पर स्थानीय लोग भड़क गए हैं।

ग्रामीणों ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

ग्रामीणों व दुकानदारों ने नौणी पंचायत प्रतिनिधि राजेश कुमार की अगुवाई में डीसी राहुल कुमार को कंपनी की इस लापरवाही के खिलाफ ज्ञापन सौंपा। लोगों ने कहा कि कंपनी ने गड्ढों पर पैचवर्क करने की जगह मिट्टी डाल दी, जिससे चौक पर दिनभर धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे दुकानदारों का धंधा ठप हो चुका है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे चौक पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। डीसी राहुल ने इस मामले पर तुरंत संज्ञान लेते हुए एसडीएम सदर को कार्रवाई के निर्देश दिए और समस्या को प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया।

इस दौरान पवन कुमार, सोहन, कमलो, विक्रांत ठाकुर, राजेश, संजू, मुनीष, अंकिता, हंसराज, अभिषेक, महेंद्र, रामलोक, अशोक, मोहित, संजय, मस्त राम, प्रकाश व अन्य ग्रामीण और दुकानदार भी मौजूद रहे।

जीएसटी के दो स्लैब से हर वस्तु सस्ती, आमजन को मिला लाभ: गर्ग

घुमारवीं और भराड़ी भाजपा मंडल ने सेवा पखवाड़ा के तहत पट्टा में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया।

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

घुमारवीं और भराड़ी भाजपा मंडल ने रविवार को सेवा पखवाड़ा के तहत पट्टा में प्रबुद्ध जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए दो जीएसटी स्लैब से रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती होंगी और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। यह सरकार की जनहित और आम लोगों के लिए उठाया गया बहुत बड़ा कदम है। जीएसटी सुधार भारत की कर प्रणाली में एक ऐतिहासिक कदम है, जिसका उद्देश्य व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, डिजिटल और व्यापारियों के लिए सरल बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण है और कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं और नीतियों को तेजी से आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रबुद्ध जन समाज राष्ट्र की रीढ़ है और उनके विचार और सुझाव पार्टी के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। सेवा पखवाड़ा समाज और राष्ट्रहित को समर्पित अभियान है, जिसमें सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर घुमारवीं भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, भराड़ी मंडल अध्यक्ष जोरावर सिंह, जिला महामंत्री नवीन शर्मा, अनूप महाजन, आईडी शर्मा, पंकज चंदेल, ब्रह्मदास गौतम सरवन जम्वाल, राम गोपाल शर्मा, महेंद्र पाल रतवान, पुरुषोत्तम शर्मा, नीलम, वीर सिंह शांडिल आदि मौजूद रहे।

फार्मेसी अधिकारियों को किया समाज सेवा के प्रति प्रेरित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

जिला बिलासपुर अस्पताल फार्मेसी ऑफिसर संघ की ओर से विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2025 का सफल आयोजन क्षेत्रीय अस्पताल के सभागार में किया गया। इसमें क्षेत्रीय अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनंत राम, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक सिंगला, तथा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेंद्र शर्मा शामिल रहे। संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र नड्डा ने बताया कि जिला स्तर पर पहली बार संघ द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया।

इस दौरान सेवानिवृत्त मुख्य फार्मेसी अधिकारियों एवं फार्मेसी अधिकारियों को सम्मानित किया गया। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में ओंकार कपिल, जगदीश शर्मा, पुरुषोत्तम दास शर्मा, शक्ति सिंह चंदेल, पदमवीर सिंह चंदेल, बृजलाल, अशोक कुमार, राजेंद्र कुमार शर्मा, रणजीत सिंह एवं संतोष विज उपस्थित रहे। जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष हेमंत शर्मा, संगठन मंत्री आशुतोष शर्मा तथा मारकंड खंड के औषधि निरीक्षक दिनेश गौतम विशेष अतिथि रहे। दिनेश गौतम ने फार्मेसी अधिकारियों को समाज सेवा के प्रति प्रेरित किया। हेमंत शर्मा ने दवा विक्रेताओं और फार्मेसी अधिकारियों की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। डॉ. भूपेंद्र शर्मा ने फार्मेसी अधिकारियों की कार्यकुशलता की प्रशंसा की, जबकि डॉ. अनंत राम ने फार्मेसी अधिकारियों को सजग व जिम्मेदार बताते हुए उनकी भूमिका को सराहा की। संघ अध्यक्ष सुरेंद्र नड्डा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के माध्यम से निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं को ज्ञापन प्रेषित किया, जिसमें बाह्य रोगी संख्या के आधार पर पदों की वृद्धि, तथा प्रत्येक स्वास्थ्य खंड एवं क्षेत्रीय अस्पताल में मासिक बैठक की मांग आद प्रमुख थी। मुख्य अतिथि डॉ. एके सिंह ने इस मांग को मान्यता देते हुए हर माह की 3 तारीख को बैठक सुनिश्चित करने की घोषणा की और फार्मेसी अधिकारियों की प्रशंसा की।

सांस्कृतिक संध्या दुर्गा पूजा उत्सव में छठे नवरात्र पर मां दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप की पूजा

धौलरा मंदिर में मां की महिमा का गुणगान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर के धौलरा मंदिर में चल रहे शारदोत्सव यानी दुर्गा पूजा उत्सव में छठे नवरात्र पर मां दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप की पूजा की गई। मंदिर में उपस्थित भक्तजनों ने शिमला से आए पुजारी सुधांशु शेखर भट्टाचार्य व उनके सहयोगी अशोक कुमार भट्टाचार्य के सानिध्य में विधिवत रूप से इस पूजा को किया। छठे नवरात्र पर मां दुर्गा को शहद का भोग लगाकर पूजा की गई। मां कात्यायनी का वास आज्ञा चक्र में माना जाता है।

अतः साधक छठे नवरात्र को आज्ञा चक्र पर ही अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। माता का यह स्वरूप चतुर्भुजी है। मां के एक हाथ में चंद्रहास तलवार, दूसरे हाथ में कमल का फूल, एक हाथ वर देने वाली व एक हाथ अभय दान देने वाली मुद्रा में है। पांचवीं सांस्कृतिक संध्या में जेल पुलिस के आरक्षी प्रवीण शर्मा ने अपनी सुरीली आवाज में महामाई का गुणगान किया। प्रवीण शर्मा को चेतना संस्था के सचिव हरीश नड्डा व रिद्धि नड्डा ने माता की चुनरी व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस सांस्कृतिक संध्या पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के पिता रांची विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति डा. नारायण लाल नड्डा ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने संध्याकालीन पूजा में भी भाग लिया। इस अवसर पर मोहित सांख्यान, दीपक शर्मा, मोहित शर्मा, राम पाल, जस्सी, अश्विनी शर्मा, प्रमोद बिट्टू, राजेंद्र, पार्षदा संतोष जोशी, अशोक सोहड़, निरूपमा सोहड़, देशराज शर्मा, आशीष शर्मा, अभिलाषा शर्मा, सेवानिवृत्त जिला भाषा अधिकारी अनीता शर्मा, ललिता प्रभाकर, अधिवक्ता अभिषेक मिश्रा, निक्की, सुनीता शर्मा, हरेंद्र गौतम, अमरनाथ शर्मा, विशाल दीप आदि उपस्थित रहे।

पांचवीं सांस्कृतिक संध्या में जेल पुलिस के आरक्षी प्रवीण शर्मा ने अपनी सुरीली आवाज में महामाई का गुणगान किया।

आज होगा मां दुर्गा का नवप्रत्रिका प्रवेश

दुर्गा पूजा उत्सव की संस्थापिका डॉ. मल्लिका नड्डा ने बताया कि 29 सितंबर को सुबह 9 बजे मां दुर्गा की सप्तमी विहित पूजा होगी। वहीं, मां दुर्गा का नवपत्रिका प्रवेश व स्थापना भी विधिवत रूप से की जाएगी। सुबह 10 बजे मां दुर्गा को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। वहीं, संध्या 7 बजे मां दुर्गा का आमंत्रण व अधिवास होगा।

दाबला कृषि सेवा सहकारी सभा के साधारण अधिवेशन में विकास योजनाओं पर चर्चा

दाबला कृषि सेवा सहकारी सभा कोठी का साधारण अधिवेशन में 2024-25 के कार्यों और विकास पर चर्चा की गई।

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

दाबला कृषि सेवा सहकारी सभा कोठी का साधारण अधिवेशन संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में सभा के वर्ष 2024-25 के कार्यों और विकास पर विस्तृत चर्चा की गई।

सभा के अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा ने अधिवेशन की अध्यक्षता की और सभा की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभा निरंतर विकास कर रही है और अपने शेयरधारकों को विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान कर रही है, जिनमें बीज की उपलब्धता, स्प्रे पंपों की उपलब्धता, और सेब की उपलब्धता जैसे कई कार्य शामिल हैं। अधिवेशन में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण सुविधा के संबंध में भी चर्चा की गई, जिसके लिए विभाग से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। सभा के निदेशक मंडल को जमीन पट्टे पर लेने के लिए अधिकृत किया गया है। विभाग की तरफ से शैलजा शर्मा उपस्थित रहीं और उन्होंने सभा के कार्यों की सराहना की। इस वर्ष सभा का शुद्ध लाभ 5 लाख 52 हजार रुपए रहा, जो सभा की वित्तीय स्थिति को मजबूत करता है। सभा के सभी सदस्यों ने सभा के अध्यक्ष का आभार जताया और विश्वास व्यक्त किया कि सभा आने वाले समय में हिमाचल की नंबर एक सभा बनेगी। सभा के सदस्यों ने सभा की प्रगति और विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर सभा के प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष रमेश कुमार सदस्य प्रकाश चंद, सचिन कुमार, विजय पाठक ,कश्मीर सिंह व शशि पाल इत्यादि मौजूद रहे।

चंबा पुलिस को नशे के खिलाफ विशेष अभियान में बड़ी सफलता

मैहला पुल के समीप चरस सहित युवक किया गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, भरमौर

मैहला पुल के समीप पुलिस टीम के साथ चरस के साथ पकड़ा युवक।

चंबा में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार रात पुलिस को पठानकोट-भरमौर नेशनल हाईवे के मैहला पुल के समीप रेन शैल्टर में एक युवक से 316 ग्राम चरस बरामद हुई। एसआईयू की अगुवाई में मुख्य आरक्षी प्रवेश शर्मा के नेतृत्व में नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध युवक को रोका और तलाशी ली। 24 वर्षीय राहुल पुत्र प्रेम राज निवासी सरोथा, तहसील धरवाला जिला चंबा को गिरफ्तार कर थाना सदर में मादक द्रव्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधीक्षक चंबा अभिषेक यादव ने बताया कि नशे के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है और जनता का सहयोग भी मिला है, जिससे कई मामलों में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि नशा जिले के लिए बड़ी चुनौती है और इसे जड़ से खत्म करना पुलिस की प्राथमिकता है। इस कार्रवाई से यह संदेश जाता है कि पुलिस नशे के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है और किसी भी स्तर पर इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

जसवंत ठाकुर बने पीटीए के नए अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, चंबा। राजकीय महाविद्यालय चंबा में सत्र 2025-26 के लिए अभिभावक-अध्यापक संघ (पीटीए) की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। प्राचार्य डॉ. मदन गुलेरिया की अध्यक्षता में आयोजित आम सभा में अभिभावकों और अध्यापकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सर्वप्रथम प्राचार्य ने पुरानी कार्यकारिणी को भंग किया और नई कार्यकारिणी के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ की गई।

राजकीय महाविद्यालय चंबा में पीटीए की नई कार्यकारिणी का गठन

सर्वसम्मति से हुए चुनाव में जसवंत ठाकुर को अध्यक्ष, सुलेखा देवी को उपाध्यक्ष, मनमोहन सिंह को महासचिव, प्रवेश सैनी को सह सचिव, मिनाक्षी को कोषाध्यक्ष और इंजीनियर भास्कर सहगल को तकनीकी सलाहकार चुना गया। कार्यकारिणी में प्रो. राकेश राठौर, प्रो. परविंद्र, डॉ. मनेश, प्रो. अविनाश, डॉ. पूनम, प्रो. सुमित, प्रो. आशा शर्मा सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। नव-निर्वाचित अध्यक्ष ने महाविद्यालय प्रशासन को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्राचार्य ने सभी को शुभकामनाएं दीं।

राजीव भारद्वाज प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नियुक्त, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

अनंत ज्ञान, चंबा

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजीव भारद्वाज का स्वागत करते कार्यकर्ता।

चंबा-कांगड़ा लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज को भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई है और इसे संगठन के लिए एक नई ऊर्जा का संचार माना जा रहा है। डॉ. भारद्वाज लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक दक्षता और जनसेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें प्रदेश नेतृत्व में यह महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी नियुक्ति से भाजपा को वैचारिक दृढ़ता और संगठनात्मक मजबूती मिलेगी।

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता एवं इंजीनियर पंकज शर्मा ने डॉ. राजीव भारद्वाज को बधाई देते हुए कहा कि उनका अनुभव और समर्पण हिमाचल प्रदेश में भाजपा संगठन को और सशक्त करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. भारद्वाज आम जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरते हुए प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि डॉ. भारद्वाज की नई जिम्मेदारी से संगठन और आम जनसरोकारों के बीच संबंध और मजबूत होंगे।

खन्ना ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, विकास का दिलाया भरोसा

अनंत ज्ञान, चंबा। वर्ष 2022 के चुराह विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे यशवंत खन्ना ने ग्राम पंचायत गुईला (अलवास) के बैरा-बोंदेडी क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय जनता की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र आज भी सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने मौजूदा विधायक पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनावी वादों के बावजूद विकास कार्य अधूरे हैं। खराब सड़कों और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और बीमार लोगों का समय पर इलाज कराना भी कठिन हो गया है। इस अवसर पर यशवंत खन्ना ने आश्वासन दिया कि वे क्षेत्र की समस्याओं को हर मंच पर पुरज़ोर तरीके से उठाएंगे और चुराह के हर गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

चुराह के बैरा-बोंदेडी क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कमी

मिलाप ठाकुर को भाजयुमो का जिला अध्यक्ष बनाने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

अनंत ज्ञान, चंबा

भरमौर के युवा नेता को मिली बड़ी जिम्मेदारी, संगठनात्मक अनुभव के दम पर मिली नई भूमिका

भाजपा कार्यकर्ताओं में नियुक्ति को लेकर उत्साह का माहौल

भरमौर विधानसभा क्षेत्र की बेलज वैली की ग्राम पंचायत खुंदेल के युवा नेता मिलाप ठाकुर को भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला चंबा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से न केवल क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है बल्कि संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मिलाप ठाकुर का परिवार लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा रहा है। उन्होंने 2016 में भाजयुमो मंडल भरमौर से राजनीतिक सफर की शुरुआत की। वर्ष 2019 में वे मंडल उपाध्यक्ष बने और 2023 में महामंत्री के रूप में संगठन की जिम्मेदारी संभाली।

उनका संगठनात्मक अनुभव बेहद व्यापक रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान वे सिराज विधानसभा के जंजैहली क्षेत्र में 10 दिन तक विस्तारक रहे। चंबा, मनाली और नगरोटा भगवा में भी उन्होंने पार्टी कार्यों को सशक्त बनाने का काम किया। 2022 के विधानसभा चुनाव में वे 6 महीने तक नगरोटा भगवा में सक्रिय रहे, जबकि 2024 लोकसभा एवं विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र में 6 महीने तक विस्तारक की भूमिका निभाई। हिमाचल से बाहर भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। हरियाणा विधानसभा चुनाव में उन्होंने 2 महीने तक विस्तारक योजना में कार्य कर संगठन को मजबूती दी। इसके अलावा वे युवा मोर्चा हिमाचल प्रदेश की कार्यकारिणी में भी सदस्य रहे हैं। मिलाप ठाकुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक हैं और प्रथम वर्ष शिक्षित हैं। उनके संगठनात्मक अनुभव और समर्पण को देखते हुए माना जा रहा है कि उनकी अगुवाई में भाजयुमो चंबा नई ऊंचाइयों को छुएगा।

विधायक डीएस ठाकुर ने लिया गवालू पंचायत में बारिश के नुकसान का जायजा

अनंत ज्ञान, चंबा

डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डीएस ठाकुर ने ग्राम पंचायत गवालू के पवीन, मंझीरी, फंगेई और जेई गांवों का दौरा कर भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया। मूसलाधार बारिश के चलते कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और भूस्खलन से सड़क मार्ग भी बाधित हो गए हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि यह आपदा उनके लिए रोज़ी-रोटी का संकट बन गई है। विधायक ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार राहत और पुनर्वास कार्य में तेजी लाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वेक्षण जल्द पूरा कर पीड़ितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाए। ग्रामवासियों ने सरकार से शीघ्र राहत सामग्री और उचित मुआवज़े की मांग की है।

कहा- प्रभावित परिवारों को मिलेगी शीघ्र सहायता

स्थानीय युवाओं ने बचाई दशकों पुरानी मेले की परंपरा

पंचायत प्रधान के विरोध के बावजूद शालेला बाड़ी का दंगल मेला धूमधाम से संपन्न

अनंत ज्ञान, चुराह

शालेला बाड़ी के दंगल मेले के आयोजन में पुलिस प्रशासन का अहम सहयोग मिला।

जिला चंबा के विधानसभा क्षेत्र चुराह की ग्राम पंचायत शालेला बाड़ी में दशकों से आयोजित होने वाला प्रसिद्ध दंगल मेला इस बार भी बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। मेला कमेटी और स्थानीय युवाओं ने मेले को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई, खासकर तब जब पंचायत प्रधान मेले के आयोजन के लिए चंदा देने से मना कर चुके थे और मेले को रद्द कराने की कोशिश की।

स्थानीय युवाओं ने बुजुर्गों की इस धरोहर को बचाने के लिए दिन-रात मेहनत की और लोगों से चंदा इकट्ठा कर मेले का आयोजन करवाया। दंगल मेला कमेटी ने यह भी निर्णय लिया है कि भविष्य में यह मेला हमेशा उसी तारीख को आयोजित होगा, जिस तारीख पर पूर्व में होता आया है, और मेले का आयोजन देसी की दो अशोज के नाम पर ही होगा। मेले में अनुशासन और बेहतरीन प्रबंधन के लिए लोगों ने जमकर तारीफ की। यह मेला भाजराडू हियाड मेले के बाद तीसरे नंबर पर माना जाता है और यदि इसी तरह सफल होता रहा तो यह भविष्य में ब्लॉक स्तरीय मेला बन सकता है। मेला कमेटी ने पुलिस प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया, जिनका सहयोग इस आयोजन में निर्णायक साबित हुआ।

उम्र के आखिरी पड़ाव में धरना देने को मजबूर: हरीश शर्मा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी की बैठक पेंशनर भवन हॉस्पिटल रोड में जिला प्रधान हरीश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीडिया प्रभारी कुलदीप गुलेरिया के अनुसार प्रधान हरीश शर्मा ने बैठक में कहा कि वे पेंशनरों के लंबित वित्त मामलों के भुगतान के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री से कई बार मिले, लेकिन हर बार आश्वासन के अतिरिक्त अभी तक कुछ भी नहीं मिल पाया है।

उन्होंने कहा कि सितंबर माह में प्रदेश सरकार को पेंशनरों की समस्याएं हल करने के लिए समय दिया गया था परंतु सरकार की टालमटोल नीति की वजह से अब मजबूर होकर अक्तूबर माह में सरकार के विरुद्ध धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल के पेंशनरों का सब्र अब टूट चुका है क्योंकि ना अभी तक डीए मिल रहा है न ही मेडिकल बिलों का भुगतान हो रहा है और न ही 2016 से 2022 तक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वित्तीय लाभ मिल पा रहे हैं इसलिए सरकार की बेरुखी से आहत होकर उम्र के आखिरी पड़ाव पर संघर्ष के लिए उतरना पड़ रहा है।

खलैहल पंचायत के उपडाकघर की मांग को लेकर ग्रामीण हुए लामबंद

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़ी झरवाड़ में उपडाकघर बरोट की शाखा खोलने की उठी जोरदार मांग

बरोट। चौहार घाटी के अंतर्गत आने वाली खलैहल पंचायत के ग्रामीण पंचायत के केंद्र स्थल बड़ी झरवाड़ में उपडाकघर बरोट की शाखा खोलने की मांग को लेकर एकजुट हो गए हैं।

पंचायत के मियोट, खलैहल, छोटी झरवाड़ तथा बड़ी झरवाड़ गांवों के बुद्धि सिंह, चंद्रमणी, रोशन लाल, प्रेम सिंह, सुंदर सिंह, रागी राम, नुपा राम, होशियार सिंह, वैरागी राम, रज्जुमार, डागी राम, रूप चंद, रामदेव, चंद्रशेखर, सुख राम सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि इन गांवों में विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन धारकों की संख्या काफी है। ग्रामीणों का कहना है कि पेंशन लेने के लिए उन्हें गांव से 6 से 9 किलोमीटर दूर स्थित उपडाकघर बरोट जाना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खासकर बुजुर्ग पेंशनधारकों को बरोट में भीड़ और लंबी कतारों के चलते अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ती है। समय, श्रम और धन तीनों की बर्बादी हो रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि बड़ी झरवाड़ में उपडाकघर की एक शाखा खोल दी जाए, तो पेंशनधारकों को अपने घर-द्वार के पास ही यह सुविधा मिल सकेगी। खलैहल पंचायत के प्रधान भागमल और अन्य ग्रामीणों ने नद्रंग के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर से आग्रह किया है कि इस मांग को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत किया जाए।

शिवपुरी धाम समताना में जलेगा 100 फुट का रावण

कल हमीरपुर तक निकाली जाएगी शोभायात्रा, दिल्ली से आए कारीगरों ने पुतलों को दिया अंतिम रूप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हमीरपुर जिला के बड़सर इलाके में शिवपुरी धाम समताना में दशहरे पर 100 फीट का रावण जलेगा। दिल्ली से आए हुए कारीगरों ने रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों को अंतिम रूप दिया है। बीते 23 साल से यहां भव्य कार्यक्रम यहां हर साल होता है। पुलिस अधीक्षक हमीरपुर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे।

शिवपुरी धाम समताना की तरफ से हमीरपुर शहर में 30 सितंबर को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए हमीरपुर गांधी चौक पर पहुंचेगी। बाहरी राज्य से इस शोभायात्रा में प्रस्तुति देने के लिए कलाकारों को बुलाया गया है। गांधी चौक से लेकर अस्पताल चौक तक शोभायात्रा पैदल चलेगी तथा मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। यह जानकारी शिवपुरी धाम समताना के सदस्य केशव शर्मा ने बताया कि शिवपुरी धाम समताना के गुरुजी महाराज के मार्गदर्शन में दशहरे का कार्यक्रम काफी उत्साह के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि दशहरे की अवसर पर करीब 20000 लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिवपुरी धाम समताना के इस दशहरे की शोभा बढ़ाएं। उन्होंने बताया किसी पुरी धाम के सदस्यों की तरफ से ही पुतलों का निर्माण किया गया है लेकिन इन्हें अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली से कारीगर बुलाए गए हैं। 2 अक्तूबर को दशहरे का पर्व मनाया जा रहा है तथा इस दौरान कई धार्मिक कार्यक्रम शिवपुरी धाम में होंगे। शाम के समय पुतला दहन की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

शिवपुरी धाम समताना के सदस्य केशव शर्मा ने बताया कि झांकियां का आयोजन 30 सितंबर को समझाना से होगा तथा गारलीए सलोनी सहित अन्य क्षेत्रों से होते हुए हमीरपुर शहर में शोभायात्रा पहुंचेगी। कलाकार इस दौरान प्रस्तुतियां देंगे। 1 अक्टूबर को पुतलों को खड़ा किया जाएगा। 2 अक्टूबर को शिवपुरी धाम में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा शाम को पुतला दहन का आयोजन किया जाएगा।

कॉलेज परिसर व मुख्य सड़क की सफाई में एनएसएस स्वयंसेवियों का सक्रिय योगदान

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल। उपमंडल हरोली के एसडीडब्ल्यूजी सरकारी महाविद्यालय, बीटन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कॉलेज के स्टूडेंट वेलनेस सेंटर से आरंभ हुआ, जहां एनएसएस स्वयंसेवियों ने केंद्र की साफ-सफाई की। इसके उपरांत सभी स्वयंसेवियों ने ध्यान (मेडिटेशन) सत्र में भाग लेकर मानसिक शांति व एकाग्रता का अनुभव किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने कॉलेज से मुख्य सड़क तक जाने वाले मार्ग की सफाई की तथा कॉलेज कैंटीन के बाहरी क्षेत्र को भी स्वच्छ किया। इस शिविर का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गौरव शर्मा ने किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुनीता गोयल ने स्वयंसेवियों को स्वच्छता और सेवा भाव को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया।

मां शारदा सिमसा मंदिर में संतान सुख के लिए फर्श पर सोने की अनोखी परंपरा

यहां फर्श पर सोने से मिलता है संतान सुख

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

435 से अधिक महिलाएं नवरात्रों में संतान सुख की कामना लेकर सिमसा माता मंदिर में धरने पर बैठी।

जोगिंद्रनगर। हिमाचल प्रदेश की पवित्र वादियों में स्थित मां शारदा सिमसा का मंदिर आज भी आस्था और चमत्कार का जीवंत प्रतीक माना जाता है। मंडी जिला की तहसील लडभड़ोल के सिमस गांव में स्थित यह मंदिर संतान सुख की प्राप्ति के लिए प्रसिद्ध है।

मान्यता है कि इस मंदिर के फर्श पर नवरात्रों के दौरान सोने से महिलाओं को संतान प्राप्ति का वरदान मिलता है। यही कारण है कि देशभर से हजारों महिलाएं हर साल यहां अपनी मनोकामनाओं के साथ पहुंचती हैं।मंदिर कमेटी के प्रधान विनोद राय ने बताया कि इस बार शारदीय नवरात्रों के पांचवें दिन तक लगभग 435 महिलाएं संतान सुख की कामना लेकर मंदिर में धरने पर बैठ चुकी थीं। इनमें से करीब 200 महिलाएं माता रानी से स्वप्न लेकर अपने घरों को लौट गई हैं, जबकि बाकी महिलाएं अभी भी माता के आशीर्वाद की प्रतीक्षा में हैं।

मंदिर की परंपरा के अनुसार, महिलाओं को केवल नवरात्रों के दौरान ही फर्श पर सोने की अनुमति होती है। इन दिनों में महिलाएं दिन-रात मंदिर प्रांगण में बैठकर स्वप्न की प्रतीक्षा करती हैं। कहा जाता है कि जब मां शारदा सिमसा स्वप्न में संतान सुख का वरदान देती हैं, तो महिला तुरंत अपने घर लौट जाती है। परंपरा यह भी है कि जब महिला को संतान सुख प्राप्त हो जाता है, तो वह अपने पूरे परिवार सहित वापस मंदिर आती है और माता रानी को धन्यवाद स्वरूप अर्पण चढ़ाती है। इसे 'फल चढ़ाना' कहा जाता है। यही रीति-रिवाज पीढ़ियों से इस मंदिर की आस्था और चमत्कार को और भी प्रबल बनाते हैं।

स्थानीय लोग मानते हैं कि यह चमत्कार केवल मां शारदा की कृपा है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस घटना का कोई स्पष्ट कारण नहीं मिल पाया है। फिर भी आस्था की गहराई इतनी है कि हर साल हजारों महिलाएं यहां अपनी संतान की मनोकामना लेकर आती हैं और माता के दरबार में सिर नवाती हैं।

देवभूमि हिमाचल का यह मंदिर न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व के कारण भी विशेष पहचान रखता है। यहां उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ और उनकी आस्था इस बात का प्रमाण है कि विश्वास की शक्ति हर तर्क से ऊपर होती है।

MUNICIPAL CORPORATION PALAMPUR (H.P.)

TENDER NOTICE

No-2 MCorp/Palmp/2025- Dated.....................

Sealed Item rate tenders are here by invited on behalf of Municipal Corporation Palampur for the Execution of following works from the approved and eligible contractor/supplier, so as to reach in this office on 15.10.2025 or before up to 3.00 P. M. and will be opened on the same day at 3.30 P.M. in the presence of interesting Contractor/supplier or their authorized representatives. Tender form can be issued from this office against Cash Payment from shown against the work on any working day 13.10.2025 11.00 A.M. to 4.00 P.M.

No Tender form will be issued to any contractor after 4:00 PM.

S.N	Name of Work	Estimated Cost Rs.	Earnest . Money Rs	Tender form Cost	Completion Period
1.	C/o R/wall near H/o Neelma Devi in ward no 01 lohna MC Palampur	114720.00	2500.00	300+18%GST	3 Month
2.	P/l paver block from main road to Mona Enterprises and near Churaha in Ward No 06 Ghuggar Khildu MC Palampur	438770.00	9000.00	300+18% GST	3 Month
3.	P/L Paver Block H/O Jyoti Sawroop to H/O Ashok Chopra In W.no 5 Sughar MC Palampur	188450.00	4000.00	300+18%GST	3 Month
4.	P/L Paver Block from Main road to H/O Dimple and others in W.no 7 Bindraban MC Palampur	474150.00	9500.00	300+18%GST	3 Month
5.	C/O R/Wall near Ishwar Dass in Chimbalhar in W.No 7. Bindraban MC Palampur.	394450.00	8000.00	300+18%GST	3 Month
6.	P/L Paver Block from H/O Tulsi Ram to H/O Roshan in Wino 9 Chowki MC Palampur	481460.00	7000.00	300+18%GST	3 Month
7.	P/l cc Paver from Main road to H/o naresh Bhatt and others in Kalu ki Hatti in Ward No 10 Maranda MC Palampur	490530.00	9500.00	300+18%GST	3 Month
8.	C/O R/Wall from Kranti Chowk to H/O Sandeep Jamwal and H/O Ankur Rana in W.No 12 Ghuggar Tanda MC Palampur.	486000.00	9500.00	300+18%GST	3 Month
9.	P/L Paver Block from Main Tanda Road to Shamshan Ghat Lawana Basti in W.No 13 Tanda MC Palampur	484660.00	9500.00	300+18%GST	3 Month
10.	C/o R/wall near H/o Naveen, Kuldeep and Sanjay Sharma in Ward no 14 Baunri in MC Palampur	341541.00	7000.00	300+18%GST	3 Month
11.	C/o R/wall near Shiv Mandir Khilroo in Ward No 06 MC Palampur	182500.00	4000.00	300+18%GST	3 Month

The Tender should accompany earnest money shown against each work which should be in the shape of Cash/National saving certificate/saving bank account of any post office in (H.P) duly pledged in favor of Commissioner, Municipal Corporation Palampur (HP). The conditional tenders and the tenders without earnest money shall be subject to summary rejection. The Under-signed reserve the right to reject any/all the tenders without assigning any reason. The offer of the tender will remain valid for 90 days from the opening of tender.

Commissioner
Municipal Corporation Palampur (HP)

अगर लोग किसी चीज पर अपना मन बना लें, तो उन्हें जो चाहिए उसे पाने से रोकना असंभव है। –**हेनरी फोर्ड**

संपादकीय

भगदड़ों से सबक

भारत में भीड़ तंत्र के सामने व्यवस्था बेबस दिखाई देती है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण बार-बार होने वाली भगदड़ की घटनाएं हैं। ताजा मामला तमिलनाडु के करूर जिले का है, जहां अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। विजय, जिन्होंने इसी साल फरवरी में अपनी पार्टी तमीलगा वेट्री कषगम (टीवीके) की शुरुआत की थी, अपनी लोकप्रियता के दम पर राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं, लेकिन उनकी रैली में जो हादसा हुआ उसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भारत जैसे विशाल देश में भीड़ प्रबंधन अभी भी प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है। विजय करूर में लगभग छह घंटे की देरी से पहुंचे और इस बीच हजारों लोग उनकी एक झलक पाने के लिए बेसब्री से इंतजार करते रहे। इसी बेसब्री और धक्का-मुक्की से कई लोग मौत के आगोश में समा गए। इस घटना ने लोगों को जून 2025 में बेंगलुरु में हुई एक और भगदड़ की याद दिला दी, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी की आईपीएल में मिली जीत के बाद निकाली गई विक्ट्री परेड के दौरान 11 लोगों की जान चली गई थी। इस मामले में भी आयोजकों और पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आई। आरसीबी ने प्रशासन से पर्याप्त लोगों के लिए अनुमति नहीं ली थी। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए कोई ठोस इंतजाम भी नहीं किए गए थे। और तो और मुआवजे की घोषणा तक टीम प्रबंधन ने 84 दिन तक चुप्पी साधे रखी। सवाल यह है कि जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया, उनके लिए इतना लंबा इंतजार किस बात का था? यह केवल संवेदनहीनता ही नहीं, बल्कि व्यवस्था की असफलता का भी प्रतीक है। दरअसल, भारत में अक्सर यह सोच हावी रहती है कि अगर भीड़ जुट गई तो उसे संभालना जनता की जिम्मेदारी है, जबकि वास्तविकता इसके उलट है। आयोजक और प्रशासन दोनों की साझा जिम्मेदारी होती है कि किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे। करूर की रैली के लिए जहां 30 हजार लोगों की अनुमति ली गई थी, वहीं 60 हजार से ज्यादा लोग पहुंच गए। इसी तरह आरसीबी मामले में क्षमता से कई गुना अधिक लोग जमा हो गए। यह साफ संकेत है कि आयोजकों ने अपने प्रभाव और लोकप्रियता का सही आकलन ही नहीं किया और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई। भीड़ प्रबंधन को लेकर भारत में न तो कोई सख्त नीति है और न ही स्पष्ट जवाबदेही तय की जाती है। हादसे के बाद कागजी जांच, बयानबाजी और मुआवजे की घोषणा तक ही सीमित रह जाना आम बात हो गई है। सवाल यह है कि जब बार-बार ऐसे हादसे होते हैं तो उनसे सबक क्यों नहीं लिया जाता? यह केवल अव्यवस्था की नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही की भी निशानी है। जरूरत इस बात की है कि भीड़ नियंत्रण को लेकर देश में एक राष्ट्रीय नीति बने। किसी भी राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन, खेल या सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए आयोजकों को सख्त दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य किया जाए। आयोजकों को भीड़ का यथार्थवादी आकलन करना होगा और उसके हिसाब से सुरक्षा व आपातकालीन इंतजाम करने होंगे। पुलिस और प्रशासन को अनुमति देते समय केवल आंकड़ों पर नहीं, बल्कि आयोजक की लोकप्रियता और भीड़ जुटाने की क्षमता पर भी विचार करना चाहिए। यदि 30 हजार लोगों की अनुमति दी गई है लेकिन आयोजक की लोकप्रियता लाखों की है, तो अनुमति देने से पहले ही वैकल्पिक स्थान या भीड़ विभाजन के उपाय सुझाए जाने चाहिए थे। साथ ही तकनीक का इस्तेमाल भीड़ नियंत्रण में अहम भूमिका निभा सकता है। सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन निगरानी, डिजिटल टिकटिंग सिस्टम और भीड़ की वास्तविक संख्या का आकलन करने वाले सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जा सकता है। इससे प्रशासन को पता रहेगा कि स्थिति कब हाथ से निकलने वाली है और तुरंत अतिरिक्त बल या संसाधन तैनात किए जा सकते हैं। मीडिया और आयोजकों को भी जिम्मेदारी निभानी होगी। आयोजनों का प्रचार करते समय भीड़ खींचने वाली भाषा और अनियंत्रित उत्साह पैदा करने वाली अपीलों से बचना होगा। आयोजक अगर यह समझते हैं कि उनकी लोकप्रियता उन्हें सुरक्षित नहीं रख सकती, तो उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम करने होंगे। जनता को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। केवल उत्साह और अंधभक्ति में जान जोखिम में डालना समझदारी नहीं है। लोगों को यह समझना होगा कि भीड़ में सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर संयम खोना जीवन के लिए घातक हो सकता है। हादसे होने के बाद सरकारें मुआवजा देने और जांच बैठाने की घोषणा कर देती हैं, लेकिन असल सवाल यह है कि क्या यह सब मौतों के बाद ही होना चाहिए? क्या लोगों की जान की कीमत केवल कुछ लाख रुपए का मुआवजा भर रह गई है? असल सुधार तो तब होगा जब ऐसी घटनाओं को पहले ही रोक लिया जाए। इसके लिए न केवल प्रशासन बल्कि आयोजक, राजनीतिक दल, खेल संस्थान और आम जनता सभी को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। करूर की रैली और आरसीबी की विजय परेड –दोनों हादसों ने यही दिखाया कि भारत अभी भी भीड़ प्रबंधन के मामले में बेहद कमजोर है। यह कमजोरी केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जान ले लेती है। अगर अब भी सबक नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में ऐसे हादसे और भी बड़े पैमाने पर देखने को मिल सकते हैं। जरूरत इस बात की है कि हर आयोजन से पहले सवाल उठे—क्या भीड़ संभालने की क्षमता है? क्या सुरक्षा इंतजाम पूरे हैं? अगर इसका जवाब ना है तो आयोजन टालने में ही भलाई है। भारत को यह स्वीकार करना होगा कि उसकी आबादी बड़ी है, उसके नेताओं और खिलाड़ियों के प्रशंसक अपार हैं और जनमानस उत्साह से लबालब रहता है। इस वास्तविकता को नकारकर योजनाएं बनाना ही सबसे बड़ी गलती है। भीड़ तंत्र को काबू में लाना मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं। बस इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती, आयोजकों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। तभी भगदड़ों का यह सिलसिला थमेगा और लोग बिना जान गंवाए अपने नेताओं और नायकों को देखने का सपना पूरा कर सकेंगे। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

सिनेमा के 'किंग ऑफ कॉमेडी'

महमूद अली का जन्म 29 सितंबर 1932 को हुआ था। वे मशहूर अभिनेता मुमताज अली और लतीफुन्निसा के पुत्र थे। बचपन में ही उनका परिवार आर्थिक तंगी और पिता की शराब की लत के कारण कठिन दौर से गुजरा। पिता की शराबखोरी ने घर की स्थिति खराब कर दी थी। एक बार पिता ने नशे में आकर अपनी मां को मारना शुरू किया, तब महमूद ने खुद को रोक नहीं पाया और पिता को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद मां ने उन्हें घर छोड़ने को कह दिया, जबकि उनकी पत्नी गर्भवती थीं।

महमूद अली
जन्म : 29 सितंबर, 1932
मृत्यु : 23 जुलाई, 2004

संघर्ष के दिनों में महमूद ने ड्राइवरी, कोरस सिंगर और जूनियर आर्टिस्ट का काम किया। उन्होंने कभी हार नहीं मानी और कई सालों की मेहनत के बाद 1959 में फिल्म 'छोटी बहन' से सफलता हासिल की। इसके बाद महमूद ने बॉलीवुड में कॉमेडी के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई और उन्हें 'किंग ऑफ कॉमेडी' के नाम से जाना गया। महमूद ने फिल्मों में अपने अभिनय से सभी को हंसाया, लेकिन उनकी जिंदगी की हकीकत कई बार मुश्किलों भरी रही। 23 जुलाई 2004 को महमूद इस दुनिया से चले गए, लेकिन उनकी कॉमिक प्रतिभा आज भी याद की जाती है।

गज़ल

पौंद सरहाणे सई जा

राजेंद्र पालमपुरी, वरिष्ठ साहित्यकार, हिमाचल प्रदेश

पौंद सरहाणे सई जा घटदा किच्छ नीं है
हेठ बछाणें पई जा घटदा किच्छ नीं है
आन्ने-सोआ बौहड़ी नींदर पौणी है
कंधां नें ई ढई जा घटदा किच्छ नीं है
दुद्ध ई दूहणां तां नखरे फी करणे क्या
गाईं या हेठ महीं जा घटदा किच्छ नीं है
करणी प्रीत मयो तां फी है डरणां क्या
लई जा या किच्छ दई जा घटदा किच्छ नीं है

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

लद्दाख का जनविद्रोह: वांगचुक से विदेशी फंडिंग तक

लद्दाख की सरजमीं शांत और सुकून भरी पहचान के लिए जानी जाती रही है, लेकिन बीते दिनों जिस तरह वहां हिंसा भड़की, उसने सबको चौंका दिया है। अब यह सवाल जोर-शोर से उठने लगा है कि आखिर वह कौन सी वजह थी, जिसने इस शांत इलाके को आग के हवाले कर दिया? क्या यह सब कुछ अचानक हुआ या फिर इसके पीछे कोई गहरी साजिश थी? बहुत सारे लोग यह पूछने लगे हैं कि क्या नेपाल में जिस तरह जेन जी आंदोलन के नाम पर युवाओं को सड़कों पर उतारा गया, वही प्रयोग अब भारत की सरहद पर बसे लद्दाख में भी किया गया? नेपाल की तरह लद्दाख को भी जलाने की एक बड़ी पटकथा रची गई थी और इस पटकथा में स्थानीय नेताओं से लेकर विदेशी ताकतों तक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक का नाम उभरकर सामने आ रहा है। वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कानून के तहत गिरफ्तारी तब होती है जब कोई व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है और उसकी गतिविधियां राज्य के हितों के खिलाफ होती हैं। गिरफ्तारी के बाद, उस व्यक्ति को 12 महीने तक बिना मुकदमे के हिरासत में रखा जा सकता है। इस अवधि को भी सरकार के निर्णय से बढ़ाया जा सकता है। हालांकि वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर भी कई बुद्धिजीवी अब सवाल उठाने लगे हैं।

सोनम वांगचुक कोई नया नाम नहीं हैं। पूरे देश ने उनका नाम तब सुना था जब आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 3 इडियट्स आई थी। उस फिल्म का किरदार, जो इनोवेशन करने वाला और बच्चों की भलाई के लिए जीने वाला शख्स था, असल जिंदगी में सोनम वांगचुक पर आधारित था। अचानक ही यह नाम लोगों की जुबान पर चढ़ गया और लद्दाख का यह शख्स राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक में चमक गया, लेकिन तब से लेकर अब तक सोनम वांगचुक की छवि लगातार बदलती रही है। वह अपने आप को एक गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में प्रस्तुत करते हैं, भूख हड़ताल पर बैठते हैं, वीडियो संदेश जारी करते हैं और कहते हैं कि मैं लद्दाख के लोगों के लिए, वहां की संस्कृति और युवाओं के भविष्य के लिए लड़ रहा हूं, लेकिन जब लद्दाख हिंसा को जहन में रखा जाता है तो तस्वीर एकदम अलग दिखाई देती है।

लद्दाख में जब हिंसा फैली, तो चार लोगों की मौत हो गई। चालीस से अधिक लोग घायल हुए और इनमें तीस से ज्यादा पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ के जवान शामिल थे। अगर यह आंदोलन वाकई शांतिपूर्ण होता, अगर यह केवल लोकतांत्रिक विरोध होता, तो इतनी बड़ी संख्या में जवान घायल नहीं होते, इतनी तबाही नहीं होती और इतनी बड़ी आगजनी नहीं होती। साफ है कि यह सब कुछ सुनियोजित तरीके से किया गया। सरकार का आरोप है कि सोनम वांगचुक ने अपने भाषणों में युवाओं को भड़काया, उसने नेपाल के जेन जी आंदोलन का उदाहरण दिया। सरकारी एजेंसियों की जांच में भी सामने आया कि सोनम वांगचुक और उनकी संस्थाओं के जरिए विदेश से भारी मात्रा में पैसा आया। उनकी संस्था स्टूडेंट एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख को विदेश से फंडिंग मिली, जबकि इस संस्था के पास एफसीआरए यानी फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेग्युलेशन एक्ट

के तहत रजिस्ट्रेशन ही नहीं थी। यानी इस संस्था को विदेश से पैसा लेने का अधिकार नहीं था, लेकिन फिर भी अगस्त 2020 के बाद से ही करोड़ों रुपए विदेश से आए। इस संस्था के कई बैंक खाते हैं, लेकिन सरकार को केवल कुछ ही खातों की जानकारी दी गई। जब जांच की गई तो पता चला कि इस ट्रस्ट में 2023-24 में छह करोड़ रुपए आए और 2024-25 में पंद्रह करोड़ जमा हुए। यह सवाल वाजिब है कि आखिर ये पैसे कहां से आए और इनका इस्तेमाल कहां हुआ?

यथार्थ

समरजीत

इसके अलावा सोनम वांगचुक का दूसरा ट्रस्ट हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख भी जांच के घेरे में है। इस ट्रस्ट के पास भी सात बैंक अकाउंट थे, लेकिन केवल चार की जानकारी सरकार को दी गई थी। इस ट्रस्ट को भी जमीन दी गई थी, लेकिन जब जमीन के दुरुपयोग के सबूत मिले तो सरकार ने वह जमीन वापस ले ली। जांच में यह भी सामने आया कि इस ट्रस्ट से पैसे ट्रांसफर करके सोनम वांगचुक की निजी कंपनी शेशयोन इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड में भेजे गए। करीब साढ़े छह करोड़ रुपए इस तरह ट्रांसफर किए गए। यानी दान और सामाजिक काम के नाम पर जो पैसा आ रहा था, उसे निजी कंपनियों में डाल दिया जाता था। इतना ही नहीं, सोनम वांगचुक के नौ निजी बैंक खाते पाए गए, जिनमें से केवल एक की जानकारी उन्होंने दी थी। 2013 से 2024 तक उनके निजी खातों में विदेश से एक करोड़ 68 लाख रुपए आए और 2021 से 2024 तक उन्होंने विदेशों में 3 करोड़ 23 लाख रुपए ट्रांसफर किए। जब सीबीआई ने इन खातों की जांच शुरू की तो कई और गड़बड़ियां सामने आईं। अब सवाल यह उठता है कि अगर कोई व्यक्ति सचमुच लद्दाख की भलाई के लिए काम कर रहा है, तो उसे अपने खातों की सही जानकारी छुपाने की जरूरत क्यों है? यह भी सामने आया है कि हिंसा में नेपाल के नागरिक शामिल थे और तीन नेपालियों को चोटें भी लगी हैं। यह महज संयोग नहीं हो सकता। नेपाल में हाल ही में जिस तरह जेन जी आंदोलन हुआ, उसी तरह का पैटर्न लद्दाख में देखने को मिला। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह हिंसक प्रदर्शन हुए हैं, उसी की छाप लद्दाख में भी दिखी। सरकार का कहना है कि यह सब विदेशी ताकतों की साजिश है। वहीं, उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने भी साफ तौर पर कहा कि इस हिंसा के पीछे विदेशी हाथ है, जबकि सोनम वांगचुक इसे युवाओं का गुस्सा बताते हैं। सवाल यह है कि अगर यह केवल युवाओं का गुस्सा था तो इसमें नेपाल के नागरिक शामिल कैसे हो गए?

नेपाल में 8 सितंबर को जेन जी आंदोलन हुआ और भारत में विपक्षी दल भी इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक रंग देने से नहीं चूके। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पहले ही युवाओं से आह्वान कर चुके थे कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए उन्हें आगे आना चाहिए। उन्होंने नेपाल के जेन जी आंदोलन का हवाला देकर कहा था कि भारत के युवा भी ऐसा कर सकते हैं। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी लद्दाख की हिंसा पर ट्वीट किया कि लोकतंत्र खतरे में है और तानाशाही के खिलाफ अब चुप नहीं बैठना चाहिए। विपक्ष के कई नेता इस घटना को भुनाने की कोशिश में लग गए और युवाओं को विद्रोह के लिए प्रेरित करने वाले संदेश देने लगे। यह ठीक उसी तरह था जैसे नेपाल में हुआ था।

लद्दाख के लोगों की चार मुख्य मांगें हैं। पहली, लद्दाख को एक अलग राज्य का दर्जा मिले। दूसरी, छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दी जाए। तीसरी, कारगिल और लेह के लोगों को अलग-अलग लोकसभा सीटें मिलें। और चौथी, सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाए। सरकार ने इन मांगों पर बातचीत करने के लिए 6 अक्तूबर को बैठक तय की थी, लेकिन उससे पहले ही हिंसा हो गई। अब सवाल यह है कि अगर बातचीत से पहले ही हिंसा भड़का दी जाए तो फिर समाधान कैसे निकलेगा? सोनम वांगचुक खुद को लद्दाख का चेहरा बताते हैं। जब उन्हें दिखाना होता है कि उनका प्रभाव है, तो वह कहते हैं कि पूरा लद्दाख मेरे साथ है, लेकिन जब हिंसा होती है तो वह कहते हैं कि युवा मेरे काबू में नहीं हैं। यह दोहरा रवैया और दोगलापन साफ करता है कि उनकी दिलचस्पी असल में राजनीति में है। वह अपने आपको नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। वह यह भी चाहते हैं कि केंद्र सरकार उन्हें लद्दाख का प्रतिनिधि मानकर बातचीत करे, लेकिन जब हिंसा होती है तो वह जिम्मेदारी से बच निकलते हैं।

उनके पिता सोनम वांगयाल भी राजनीति में थे और जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्री रह चुके थे। 1984 में उन्होंने भी अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने के लिए भूख हड़ताल की थी। यानी राजनीति इस परिवार के खून में रही है। अब जब सोनम वांगचुक को यह मौका मिला कि वह लद्दाख का चेहरा बनकर उभरें, तो उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता का चोला ओढ़ा और राजनीति की राह पकड़ ली।

यह भी गौर करने वाली बात है कि हाल ही में वह पाकिस्तान गए थे और वहां के नेताओं से मिले थे। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो साझा किए। सवाल उठता है कि जब भारत में हालात बिगड़े हों, तो पाकिस्तान जैसे देश से नजदीकी क्यों दिखाई जाती है? पाकिस्तान हमेशा से कश्मीर और लद्दाख में अस्थिरता फैलाने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में पाकिस्तान जाकर वहां के नेताओं से मुलाकात करना और खुद को गांधीवादी बताना विरोधाभासी लगता है। लद्दाख दिल्ली से 1200 किलोमीटर दूर है। जनसंख्या केवल ढाई लाख से कुछ ज्यादा है। क्षेत्रफल के हिसाब से यह दिल्ली से 40 गुना बड़ा है। 2019 में जब अनुच्छेद 370 हटाया गया तो लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन इसके बाद से ही लद्दाख के नेता अलग राज्य का दर्जा मांगने लगे। सवाल यह है कि क्या इतनी जल्दी लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देना तर्कसंगत होगा? जब नई व्यवस्था को लागू हुए केवल कुछ साल ही हुए हैं, तब इतनी जल्दबाजी क्यों? आज देश में कई नेता इस मसले को राजनीति का हथियार बना रहे हैं। विपक्ष चाहता है कि लद्दाख का मुद्दा सरकार के खिलाफ इस्तेमाल हो। विदेशी ताकतें चाहती हैं कि भारत के भीतर अस्थिरता बढ़े। और कुछ स्थानीय नेता चाहते हैं कि उन्हें सत्ता तक पहुंचने का रास्ता मिले। इन तीनों की मंशा अगर एक साथ जुड़ जाए, तो देश के लिए खतरा और बढ़ जाता है। लद्दाख की हिंसा इसी खतरे का संकेत है। अगर नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के लोग यह सोचते हैं कि भारत में भी वही विद्रोह होगा, तो यह उनकी गलतफहमी है। भारत की जड़ें गहरी हैं, लेकिन यह सच है कि अगर युवाओं को भटकाया गया, अगर उन्हें गुस्से की आग में झोंक दिया गया, तो हालात बिगड़ सकते हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह संवेदनशील होकर लद्दाख के युवाओं से संवाद करे। उन्हें सही रास्ते पर लाए। उनकी मांगों को सुने, लेकिन हिंसा बर्दाश्त न करे। लद्दाख की पहचान हमेशा शांति और आध्यात्मिकता की रही है। अगर यहां हिंसा फैलती है, तो यह केवल लद्दाख ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए खतरे की घंटी है। विदेशी ताकतें यही चाहती हैं कि भारत कमजोर हो, लेकिन भारत की जनता यह बखूबी जानती है कि हिंसा से समाधान नहीं निकलता। लद्दाख के लोगों को भी यह समझना होगा कि उनकी मांगें बातचीत से पूरी होंगी, आगजनी और हिंसा से नहीं।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

आरएसएस और स्त्रियां : सेविका समिति से शताब्दी तक की यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का गठन 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने किया था, जो मुख्यत: पुरुष स्वयंसेवकों के लिए बना था।

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र लेखिका, हिसार

इसका उद्देश्य अनुशासन, राष्ट्रवाद और सामाजिक सेवा के माध्यम से भारतीय समाज को संगठित करना था। हालांकि, उस समय के सामाजिक परिवेश को देखते हुए महिलाओं को सीधे संघ की शाखाओं में शामिल करना संभव नहीं था। इसी कारण 1936 में महिलाओं के लिए एक अलग संगठन, राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना हुई, जिसका नेतृत्व लक्ष्मीबाई केलकर ने किया।

हेडगेवार ने इस पहल का समर्थन किया और महिलाओं को अपनी संस्था स्वतंत्र रूप से चलाने का सुझाव दिया, ताकि वे अपनी शक्ति, संस्कृति और नेतृत्व कौशल को विकसित कर सकें। इस प्रकार महिलाओं की भागीदारी औपचारिक रूप से आरएसएस परिवार में जुड़ी। राष्ट्र सेविका समिति ने केवल राष्ट्रवादी विचारों का प्रसार नहीं किया, बल्कि उनमें मातृत्व, नेतृत्व, कर्तव्य और सेवा भाव जैसे गुण विकसित करने पर भी जोर दिया। इसमें शारीरिक प्रशिक्षण, योग, गीत, खेल, अनुशासन और समाज सेवा जैसे कई पहलुओं को शामिल किया गया।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान समिति की महिलाएं सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय रहीं, हालांकि उनका योगदान मुख्यत: परोक्ष ही रहा। आजादी के बाद समिति ने अपने नेटवर्क का विस्तार किया और विभिन्न राज्यों में इसकी शाखाएं बढ़ीं। लक्ष्मीबाई केलकर के बाद सरस्वती आपटे प्रमुख संचालिका बनीं, जिन्होंने महिला शिक्षा, संस्कार और सेवा परियोजनाओं को मजबूत किया। आपातकाल के समय समिति की महिलाएं राजनीतिक विरोध प्रदर्शन में भी शामिल हुईं, जिससे उनकी सक्रियता और जागरूकता बढ़ी। 1990 के दशक में जब भाजपा और संघ परिवार का प्रभाव बढ़ा, तब समिति ने शहरी और पेशेवर महिलाओं तक अपनी पहुंच बनाई। शिक्षिका, चिकित्सक और नौकरीपेशा महिलाएं इस संगठन से जुड़ीं। उषाताई चाटे और प्रमिलाताई मेढे जैसी नेत्रियों ने महिला शाखाओं को आधुनिक सामाजिक मुद्दों से जोड़ा। कामकाजी महिलाओं को लेकर चुनौतियां थीं, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार के बीच संतुलन बनाया गया।

2012 में वेंकट्रामा शांता कुमारी (शांथक्का) के नेतृत्व में समिति ने और तेजी से विस्तार किया और आज यह लगभग 800 जिलों में चार से पांच हजार शाखाओं के साथ सक्रिय है। हालांकि, आरएसएस की शाखाओं में महिलाओं को संघ के भीतर औपचारिक सदस्यता या नेतृत्व नहीं मिलता। इस व्यवस्था की आलोचना होती है कि महिलाओं को मुख्यधारा से बाहर रखा जाता है। वहीं समर्थक मानते हैं कि अलग संगठन होने से महिलाएं स्वतंत्र रूप से नेतृत्व और गतिविधियां विकसित कर पाती हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्वीकार किया है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन नेतृत्व संरचना में असमानता बनी हुई है। उन्होंने एक व्याख्यानमाला में कहा था कि महिलाओं की भागीदारी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण है और भविष्य में संघ परिवार को अपनी संरचना को महिलाओं की आधुनिक भूमिका के अनुरूप खुला बनाना होगा।

2025 में संघ अपनी शताब्दी मना रहा है और इस दौरान महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ी है। इस शताब्दी यात्रा में लक्ष्मीबाई केलकर से लेकर शांथक्का तक की महिलाओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से प्रेरित होकर अपनी एक मजबूत और व्यापक संस्था बनाई है। हालांकि, आज भी यह प्रश्न बना हुआ है कि क्या भविष्य में महिलाएं आरएसए की शाखाओं में सीधे शामिल होंगी या समानांतर संगठन तक सीमित रहेंगी। बहरहाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यह यात्रा परंपरा, अनुशासन, सेवा और नेतृत्व का संगम है, जिसमें समानता और पूर्ण सहभागिता की चुनौती अब भी मौजूद है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

दशहरे से लें सबक, भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाएं

दशहरा पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और यह त्रेतायुग से मनाया जा रहा है। वर्तमान में दशहरे को लेकर क्रेज और ज्यादा बढ़ गया है। इस त्योहार का मुख्य आकर्षण रावण का दहन है, जो बुराई का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, रावण का दहन इस बात का भी संकेत है कि उसकी बुराइयां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक
नूरपुर (जिला कांगड़ा)

दशहरा का सही अर्थ तभी समझा जा सकता है जब हम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाएं, जिन्होंने अपने पिता के वचन का सम्मान करते हुए 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया, लेकिन यह बेहद कठिन मार्ग है।

आज के समय में ऐसे आदर्शवादी व्यक्तित्व मिलना बहुत कठिन है। दशहरा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत नहीं, बल्कि क्रोध, असत्य, ईर्ष्या, आलस्य जैसी आंतरिक बुराइयों पर विजय का भी पर्व है। इन बुराइयों का त्याग करना सच्ची आत्मविजय है, जिससे हम अपने जीवन की सभी इन्द्रियों पर नियंत्रण पा सकते हैं।

यह पर्व अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दसवीं तिथि को मनाया जाता है, जो नवरात्रि के समापन के बाद आता है।

भारत के कई हिस्सों में रावण की पूजा भी की जाती है, जैसे कर्नाटक के कोलार, मध्यप्रदेश के मंदसौर, राजस्थान के जोधपुर, आंध्रप्रदेश के काकीनाडा और हिमाचल प्रदेश के बैजनाथ में। रावण को लेकर लोगों की राय अलग-अलग है। कहीं उसे विद्वान माना जाता है, तो कहीं राक्षस।

दशकों से रावण का पुतला जलाने का उद्देश्य बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देना रहा है। रामलीला के मंचन के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों का प्रचार भी दशहरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दशहरे के दिन मेले लगते हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के खाने-पीने की चीजें, दुकानें और मनोरंजन के आयोजन होते हैं।

इस मौके पर लोग अपने वाहनों, व्यापारी अपने लेखे-जोखे और किसान अपनी फसलों की पूजा करते हैं। यह पर्व प्रेम और सदाचार की भावना को मजबूत करता है और समाज में एकता का संदेश देता है, परंतु आधुनिक समय में मोबाइल और इंटरनेट के कारण पारंपरिक मेलजोल कम हो गया है और त्योहारों का स्वरूप भी बदल रहा है। मिठाइयों और तोहफों का आदान-प्रदान बढ़ा है, जिससे व्यय भी बढ़ा है। दशहरे को विजयादशमी भी कहा जाता है, जो अहंकार के विनाश का प्रतीक है, लेकिन आज यह पर्व पटाखों के धमाके और शराब के जश्न में बदलता जा रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था, इसलिए नवरात्र में उनकी पूजा की जाती है। मैसूर का दशहरा विश्व प्रसिद्ध है, जहां दस दिनों तक भव्य आयोजन होते हैं और देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। हिमाचल के कुल्लू में भी दशहरे का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजन होता है। राजस्थान और कर्नाटक में भी दशहरे के अनूठे पर्व धूमधाम से मनाए जाते हैं।

हमें इस पर्व की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को बनाए रखना चाहिए। सरकारी और निजी क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों को उत्सव के दिन डबल वेतन दिया जाना चाहिए, ताकि वे इसे हर्षोल्लास से मना सकें। साथ ही मेलों में स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग बढ़ाकर त्योहारों की असली भावना को जीवित रखा जा सकता है। इस प्रकार दशहरा केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत रूप बनेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

संधोल–कोठुवां सड़क की बदहाली पर फूटा गुस्सा

मरम्मत और ड्रेनेज की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग पर लापरवाही के आरोप

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। संधोल क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली संधोल–कोठुवां वाया चतरौन सड़क इन दिनों अपनी जर्जर हालत के कारण लोगों की परेशानी का सबब बन चुकी है।

सड़क पर जगह–जगह उखड़ा हुआ तारकोल, गहरे गड्ढे और बंद पड़ी निकासी नालियां रोजाना यात्रा करने वाले ग्रामीणों के लिए जान जोखिम में डालने जैसी स्थिति पैदा कर रही हैं। 30 जून की भारी बारिश के बाद जब कोठुआं–सन्धोल वाया गढ़धार सड़क पूरी तरह बंद हो गई थी, तो पूरे क्षेत्र का यातायात इसी मार्ग पर निर्भर रहा।

खस्ताहाल सड़क।

भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के चलते सड़क की हालत और बिगड़ती चली गई। जहां पहले चिकनी सतह थी, वहां अब खतरनाक गड्ढे बन गए हैं जो न केवल वाहन चालकों के लिए खतरा हैं, बल्कि राहगीरों की सुरक्षा के लिए भी चुनौती बन चुके हैं। गांव चतरौन, मसोत, बांह, कंदरोह और सेड समेत कई पंचायतों के लोगों की यह रोजमर्रा की सड़क है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत वर्ष 2019 में यह सड़क पक्की तो कर दी गई थी, लेकिन उसके बाद विभाग ने रख–रखाव की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया। सबसे गंभीर समस्या निकासी नालियों की है। वर्षों से इनकी सफाई और मरम्मत नहीं हुई, जिससे बरसात का पानी सीधे सड़क पर बहकर उसकी सतह को तबाह करता रहा। नतीजतन आज सड़क की परत पूरी तरह उखड़ चुकी है और जगह–जगह कीचड़ व जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को शिकायत देकर सड़क की जल्द मरम्मत और ड्रेनेज की बहाली की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मार्ग पूरी तरह बंद हो सकता है। इससे न केवल आम जनजीवन प्रभावित होगा बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों का अस्पताल पहुंचना और बच्चों का स्कूल आना–जाना भी बाधित हो जाएगा।

तारकोल उखड़ा, गहरे गड्ढे व जलभराव से सड़क पर जानलेवा सफर व भारी वाहनों ने और बिगाड़ी हालत

जल्द कार्य शुरू नहीं किया तो करेंगे आंदोलन

ग्रामीणों ने चेताया है कि यदि जल्द सुधार कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि सरकार सड़कों पर करोड़ों खर्च करने का दावा करती है, लेकिन जब रख-रखाव की बात आती है, तो विभाग आंखें मूंद लेता है।

नियमित रूप से मरम्मत कार्य में लगाई लेबर

लोक निर्माण विभाग संधोल अनुभाग के कनिष्ठ अभियंता कामराज ने बताया कि सड़क की स्थिति को देखते हुए विभाग ने एक लेबर टीम को नियमित रूप से मरम्मत कार्य में लगा दिया है।

मंडी में गांधी जयंती पर विशेष तैयारी, स्वतंत्रता सेनानियों व महापुरुषों की प्रतिमाएं हुई सफेदपोश

भगत सिंह गुलेरिया, अनंत ज्ञान

मंडी। गांधी जयंती के उपलक्ष्य पर शहर में स्थापित स्वतंत्रता सेनानियों व महापुरुषों की प्रतिमाएं इस बार नगर निगम के सौजन्य से सफेदपोश चकाचक हो रही हैं।

आमतौर पर स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, राष्ट्रीय महत्वपूर्ण दिवसों या इन्हीं महापुरुषों की जयंती व पुण्य तिथियों के आयोजनों के मौके पर इन प्रतिमाओं की साफ सफाई तो की जाती रही है, लेकिन इस बार 4 प्रतिमाओं को विशेष प्रकार की सफेद पुताई भी की जा रही है।

इस कार्य के लिए नगर निगम के सौजन्य से राजस्थान के जयपुर की एक मूर्ति बनाने वाली कंपनी को यह कार्य दिया गया है। वहां से मनोज शर्मा व नवीन शर्मा इस कार्य को यहां आकर अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि सबसे पहले संगमरमर की इन सफेद प्रतिमाओं को केमिकल से साफ किया जाता है फिर फिनिशिंग व टचिंग करने के बाद मूर्तियों के लिए उपयोग में किए जाने वाला विशेष सफेद रंग से पुताई की जाती है। इससे प्रतिमा को एक अलग ही लुक बन जाती है व प्रतिमाएं चमक उठती हैं। इस रंगाई पुताई में लगभग एक लाख रुपया खर्च किया जा रहा है।

रंगाई पुताई के बाद महात्मा गांधी व कृष्णानंद की प्रतिमा चमकी।

अनंत ज्ञान खास खबर

उल्लेखनीय है कि इस वक्त मंडी शहर में स्वतंत्रता सेनानियों व महापुरुषों की 7 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इनमें गांधी चौक पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, जवाहर नगर में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा मार्केट की छत पर स्वतंत्रता सेनानी भाई हिरदाराम और जिला पुस्तकालय के प्रांगण में स्वतंत्रता सेनानी स्वामी कृष्णानंद की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। आमतौर पर यह प्रतिमाएं उपेक्षित ही रहती आई हैं लेकिन इस बार गांधी जयंती के उपलक्ष में इन चारों प्रतिमाओं को नया लुक देने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा बल्लभ राजकीय महाविद्यालय परिसर और सरदार पटेल यूनिवर्सिटी कैंपस में सरदार वल्लभ भाई पटेल की दो प्रतिमाएं और सुकोढी खड्डु चौक पर स्वतंत्रता सेनानी रानी खैरगढ़ी की प्रतिमाएं स्थापित हैं। इन सभी प्रतिमाओं के पास समय समय पर शहर वासी समय–समय पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीएवी स्टेट लेवल फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, मंडी द्वारा आयोजित डीएवी स्टेट लेवल फुटबॉल टूर्नामेंट 2025-26 का शुभारंभ पड्डल ग्राउंड में किया गया। दो दिवसीय खेल में 5 क्लस्टरों से कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि दिनेश कुमार डीएसपी मंडी ने खिलाड़ियों को प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित करते हैं। इस अवसर पर प्रशांत (प्रधानाचार्य, डीएवी नेरचौक) व दीपिका शर्मा (प्रधानाचार्य, डीएवी जमथल) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य केएस गुलेरिया ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, एकता और धैर्य की भावना का संचार करते हैं। यह टूर्नामेंट केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि मित्रता, टीम स्पिरिट और चरित्र निर्माण का अवसर भी प्रदान करता है।

मां चतुर्भुजा के दर उमड़ा भक्तों का सैलाब

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। नवरात्रि के सातवें दिन रविवार को जोगिंद्रनगर उपमंडल की बसाही धार की पवित्र पहाड़ियों पर स्थित मां चतुर्भुजा मंदिर में भक्तिमय माहौल रहा। इस प्राचीन मंदिर में मां कालरात्रि के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। सुबह से ही भक्त माता रानी के जयकारों के साथ मंदिर की ओर प्रस्थान करते रहे। पूरा मंदिर परिसर भक्ति भजनों और मां के गुणगान से गूंज उठा। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां कालरात्रि भय और संकटों को हरकर जीवन में सुख-शांति का संचार करती हैं। मंदिर कमेटी ने परिसर को फूलों और रंग-बिरंगी झंडियों से सजाकर आकर्षक रूप प्रदान किया था। दर्शन के उपरांत मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें खीर, पूरी और हलवा प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण कर भक्तों ने इसे मां का आशीर्वाद माना। स्थानीय भक्त विजय ठाकुर ने कहा, 'मां चतुर्भुजा के दर्शन से मन को अपार शांति मिलती है।

सिड्डू-कचौड़ी बने मेले के प्रमुख आकर्षण

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। राजीव गांधी स्मारक राजकीय महाविद्यालय जोगिंद्रनगर के अंतर्गत मिनी सचिवालय परिसर में उन्नत भारत अभियान के तहत 'नवाचार एवं सशक्तिकरण मेला' आयोजित किया गया। मेले में स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों ने सिड्डू, कचौड़ी, पतोड़े सहित कई हस्तनिर्मित खाद्य और घरेलू उत्पाद प्रदर्शित किए, जिन्हें नागरिकों ने बड़ी रुचि से खरीदा। महिलाओं ने बताया कि इस बार मुनाफा अधिक हुआ, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्नत भारत अभियान के तहत महाविद्यालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिला समूहों को प्रशिक्षण और विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। मेले में प्रो. मंजु, प्रो. नवीन, डॉ. पूनम, डॉ. पवन, प्रो. ममता, डॉ. कुलदीप, कौमुदी शर्मा व डॉ. स्मृति की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुई।

रामलीला की छठी संध्या में रंगारंग प्रस्तुतियां

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। श्री जालपा कला मंच सेरू द्वारा आयोजित रामलीला की छठी संध्या में कलाकारों ने सुग्रीव का दवाखाना, बाली का दरबार, रामचंद्र से शिकायत, बाली-तारा का महल, सुग्रीव का राजतिलक और रामचंद्र की बेकरारी जैसे मार्मिक व मनोरम प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भाजपा महिला मोर्चा मंडल जोगिंद्रनगर की पूर्व अध्यक्ष मेघना ठाकुर मुख्यातिथि रहीं, जबकि जिला परिषद सदस्य ममता भाटिया विशेष अतिथि थीं। मेघना ठाकुर ने मंच के प्रयासों और नन्हें कलाकारों के अभिनय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर आदर्श आचरण अपनाने का माध्यम है। मंच संचालन के लिए दीपन ठाकुर को भी सराहा गया।

कटौला में जांचा 114 लोगों का सफेद मोतिया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड एक्शन थलटूखोड द्वारा अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं विशेष रूप से अक्षम व्यक्तियों के सशक्तिकरण निदेशालय हिमाचल सरकार के सहयोग से वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सफेद मोतियाबिंद की स्क्रीनिंग ग्राम पंचायत कार्यालय कटौला में की गई। संस्था प्रमुख अमर सिंह कौंडल ने बताया कि शिविर में 114 लोगों ने भाग लिया। जिसमें 9 ग्राम पंचायतों के 33 गांवों के लोग शामिल रहे। शिविर में सेवानिवृत्त नेत्र जांच अधिकारी योगेंद्र पाल सरोच द्वारा लोगों के नेत्र जांच की गई। जिसमें सफेद मोतिया के 29 मामले सामने आए। यह उपस्थित संख्या का 26% रहा। इसकी सूची संबंधित विभाग को आगामी कार्यवाही हेतु भेजी जाएगी। इस मौके पर संस्था के सोबर दत्त, आरती ठाकुर, मुंशी राम, पंचायत उप प्रधान शिव चंद,कनिष्ठ अभियंता सोहन सिंह जल शक्ति विभाग सहित अनेक पंचायत प्रतिनिधि व महिला मंडल सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व पर्यटन दिवस पर लगाई व्यंजनों की प्रदर्शनी

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लोहारड़ी में विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय परिसर में विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों की एक आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। प्रधानाचार्य रमेश कुमार, व्यावसायिक शिक्षक दविंद्र सिंह राणा, विद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न व्यंजनों का स्वाद भी लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और पर्यटन व सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देते हुए सभी को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि स्थानीय संस्कृति और व्यंजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि सतत विकास के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दुर्गा माता व लखदाता मंदिर में लंगर-भजन कल

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल बलदवाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले गांव नरोला के दुर्गा माता एवं लखदाता मंदिर कमेटी के सदस्यों तथा महिला मंडल नरोला की महिलाओं ने संयुक्त रूप से इस मंदिर में दुर्गा अष्टमी के अवसर पर 30 सितंबर को एक लंगर तथा दुर्गा मां के भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया है। यह मंदिर प्राचीन काल से चला आ रहा है तथा 2003 में नरोला गांव के स्थानीय निवासियों में इसमें दुर्गा माता की मूर्ति की भी विधिवत रूप से स्थापना किया था तथा इसमें स्थानीय गांव वासी कुछ न कुछ कार्यक्रम आयोजित करते रहते है। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान हंसराज एवं महिला मंडल की अध्यक्षा उमा देवी ने सभी गांव वासियों को भोजन के लिए व भजन-कीर्तन में आने के लिए आमंत्रित किया है।

एससी के किसानों को मिलेगा वैज्ञानिक खेती का लाभ

एक दिवसीय प्रशिक्षण में उन्नत बीज और कृषि उपकरण किए वितरित

उमेश भारद्वाज, अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान यानी आईएआरआई के क्षेत्रीय केंद्र शिमला द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र मंडी स्थित सुंदरनगर में रविवार को 100 किसानों के लिए एकदिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना तथा वैज्ञानिक पद्धतियों द्वारा खेती को अधिक लाभदायक बनाना रहा। इस प्रशिक्षण के दौरान किसानों को गेहूं की उन्नत किस्म एचएस-562 का बीज वितरित किया गया।

इसके साथ ही कुदाल, दराटी, स्टील की बाल्टी, थैला, पैड, क्रेट आदि उपयोगी कृषि उपकरण भी प्रदान किए गए, जिससे किसान आगामी रबी सीजन में आधुनिक तरीके से खेती कर सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. धर्मपाल प्रमुख आईएआरआई क्षेत्रीय केंद्र, शिमला ने की। उन्होंने किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि कल्याण योजनाओं की जानकारी दी व गेहूं की किस्म एचएस-562 की विशेषताओं और वैज्ञानिक विधियों पर प्रकाश डाला। वहीं केवीके मंडी स्थित सुंदरनगर के समन्वयक डॉ. पंकज सूद ने रबी सीजन में बोई जाने वाली फसलों एवं संभावित कृषि उद्यमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. कल्लोल कुमार प्रमाणिक ने क्षेत्र के अनुरूप फल वृक्षों की उन्नत पौध विधियों पर जानकारी दी। इसके साथ मृदा वैज्ञानिक डॉ. नेहा ने उर्वरक प्रबंधन व मिट्टी स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन दिया।

स्थानीय प्रतिनिधियों ने किसानों को किया जागरूक

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बिशन दास प्रधान ग्राम पंचायत कनेड, गोविंद राम प्रधान ग्राम पंचायत बड़सू एवं पन्ना लाल प्रधान ग्राम पंचायत लोहरा उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों का संतुलित उपयोग करें तथा कृषि से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे वैज्ञानिकों से संपर्क स्थापित करें।

किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा में किया समाधान

कार्यक्रम के अंत में किसान-वैज्ञानिक संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें किसानों ने अपनी फसल संबंधी समस्याएं साझा कीं और विशेषज्ञों ने तत्परता से समाधान प्रस्तुत किए।

'मन की बात' कार्यक्रम ने जगाया स्वदेशी उत्साह : राकेश जम्वाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम ने रविवार को देशभर में स्वदेशी भावना की नई लहर पैदा कर दी है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक सुंदरनगर राकेश जम्वाल ने कहा कि पीएम का संदेश न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, शौर्य और आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा प्रस्तुत करता है। उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' को सुनते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने एक बार फिर हमें शहीद–ए–आजम भगत सिंह के बलिदान को याद दिलाया, जो हर भारतीय के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत है।

उन्होंने अपील की कि 2 अक्तूबर गांधी जयंती पर हर नागरिक खादी और स्वदेशी उत्पाद खरीदे, ताकि स्थानीय कारीगरों को सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से कुल्लू शॉल और जीआई टैग प्राप्त हिमाचली उत्पादों को गौरव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिमाचली टोपी पहनकर प्रदेश की संस्कृति को सम्मान दिला रहे हैं, जो हर हिमाचली के लिए गर्व की बात है।

रामलीला का आयोजन करना कोई आसान काम नहीं : गुरु शरण परमार

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर उपमंडल के खुद्दर गांव में चल रही श्री रामलीला में जिला मंडी कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष गुरु शरण परमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। परमार ने इस अवसर पर श्रीराम कला मंच खुद्दर के 54 वर्ष पूर्ण होने पर कमेटी, कलाकारों और उपस्थित जनसमूह को बधाई दी।

श्रीराम कला मंच खुद्दर के 54 वर्ष पूर्ण होने पर पूर्व कांग्रेस उपाध्यक्ष ने दी बधाई

कमेटी ने मुख्यातिथि का सम्मान राम नाम का पटका, बैच और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। अपने संबोधन में गुरु शरण परमार ने कमेटी के प्रधान पवन चौधरी, पूर्व प्रधान धर्मवीर चौधरी, सुनील प्रार्थी, देवराज चौधरी सहित समस्त सदस्यों का धन्यवाद किया।

परमार ने कहा कि श्री राम कला मंच खुद्दर जोगिंदर नगर के सभी रामलीला मंचों में सबसे पुराना है और इसकी कला तथा परंपरा को आज तीसरी पीढ़ी सहेजकर रख रही है। उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि वह भी तीन–चार किलोमीटर पैदल चलकर रामलीला देखने आया करते थे। परमार ने आयोजकों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आज की महंगाई और व्यस्तता के दौर में रामलीला का आयोजन करना एक कठिन कार्य है। उन्होंने बताया कि अव्यवसायिक कलाकारों को एक महीने तक हर शाम अभ्यास करना और फिर दस दिन तक रोज मंचन करना होता है, जिसमें लगभग डेढ़ महीने का समय लगता है। परमार ने इस त्याग और लगन के लिए कलाकारों व आयोजन समिति को धन्यवाद व शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन के दौरान परमार ने हाल ही में हुई भारी बारिश से समीप के गांव कुंडूनी में हुई तबाही को भी याद किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

नेरचौक व सुंदरनगर में जीएसटी विभाग की छापेमारी, व्यापारियों में मचा हड़कंप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

नेरचौक में रविवार को और सुंदरनगर में बीते कल जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल सात व्यापारिक संस्थानों पर छापेमारी की। विभाग को मिली ग्राहकों की शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई, जिनमें आरोप था कि व्यापारी खरीदारी के बाद उपभोक्ताओं को कोई बिल नहीं दे रहे थे। छापेमारी के दौरान विभाग ने सभी संबंधित संस्थानों का रिकॉर्ड कब्जे में लिया है और उसकी गहनता से जांच की जा रही है। विभाग का मानना है कि यह मामला केंद्र सरकार द्वारा दी गई जीएसटी छूट का लाभ ग्राहकों तक न पहुंचाने से जुड़ा हो सकता है।जीएसटी संयुक्त आयुक्त (ऊना जोन) विनोद कश्यप ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के इस सीजन में विभाग सतर्क है और ग्राहकों को लाभ न देने वाले व्यापारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील की कि वे प्रत्येक ग्राहक को जीएसटी बिल अवश्य दें, ताकि सरकार द्वारा दी जा रही छूट का लाभ सीधे आम लोगों तक पहुंचे। विनोद कश्यप ने आम लोगों से भी अनुरोध किया है कि वे खरीदारी करते समय दुकानदार से बिल लेना सुनिश्चित करें। यदि किसी को लगता है कि कोई व्यापारी सरकार द्वारा जीएसटी दरों में की गई कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा रहा है, तो वह सीधे सूचना दे सकता है। संयुक्त आयुक्त ने कहा कि विभाग सभी सूचनाओं पर तुरंत कार्रवाई करेगा और इस तरह की अनियमितताओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बिना बिल के कारोबार पर सख्ती, संयुक्त आयुक्त विनोद कश्यप ने दी चेतावनी

एचपीशिवा ब्रांड की उपज से प्रभावित हुए खरीदार, 800 किग्रा फल की मांग दर्ज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) कांगनी में एचपीशिवा परियोजना के अंतर्गत एक खरीदार–विक्रेता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप निदेशक बागवानी एवं एचपीशिवा विपणन समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय गुप्ता ने की। इस अवसर पर मंडी के विक्रेता और धर्मपुर, गोपालपुर, चौंतड़ा व द्रंग ब्लॉकों से आए एचपीशिवा क्लस्टर के किसान उपस्थित रहे। किसानों द्वारा लाए गए फलों के नमूनों से व्यापारी काफी प्रभावित हुए और उन्होंने 800 किलोग्राम फल की आगामी मांग भी जताई। डॉ. गुप्ता ने कहा कि एचपीशिवा की गुणवत्तापूर्ण उपज को बाजार से जोड़ना विभाग की प्राथमिकता है और विपणन टीम किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में एपीएमसी मंडी के सचिव भूपेंद्र सिंह ठाकुर, एचपीशिवा के जिला समन्वयक डॉ. अनिल, हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट ऑफिसर सदर डॉ. शिक्षा सहित बागवानी विभाग और हिमाचल प्रदेश कृषि विपणन बोर्ड के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

लक्ष्मण ने काटी शूर्पणखा की नाक

रामलीला के मंच पर स्वर्ण मृग प्रसंग की दिखी शानदार झलक

शिव आर्ट रामलीला कमेटी के बैनर तले रामायण के प्रसंगों का संगीतमय मंचन लगातार जारी।

भीम बसेड्डू, अनंत ज्ञान

महादेव। गांव महादेव और घांघल के कलाकारों द्वारा शिव आर्ट रामलीला कमेटी के बैनर तले रामायण के प्रसंगों का संगीतमय मंचन लगातार जारी है। शनिवार की शाम मंचित पंचवटी प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। राम, सीता और लक्ष्मण की कुटिया में सूर्पणखा का आगमन हुआ, जहां वह राम और लक्ष्मण पर मोहित हो जाती है और विवाह प्रस्ताव रखती है। बार–बार मना करने पर लक्ष्मण उसके आचरण से क्रोधित होकर उसकी नाक काट देते हैं।

नाक कटी सूर्पणखा अपने भाइयों खर और दूषण के पास पहुंचती है जो अपने साथियों संग मदिरापान कर रहे होते हैं। बहन की यह दशा देख दोनों राक्षस राम–लक्ष्मण पर आक्रमण कर देते हैं। मगर श्रीराम और लक्ष्मण उन्हें युद्ध में पराजित कर देते हैं।

इसके बाद मंच पर रावण दरबार का दृश्य आया, जहां शूर्पणखा अपनी व्यथा सुनाती है। रावण क्रोधित होकर सीता हरण की योजना बनाता है। इसी योजना के तहत वह मायावी मारिच को स्वर्ण मृग का रूप लेकर पंचवटी भेजने की साजिश करता है। मारिच शुरू में हिचकिचाता है, पर रावण की धमकी से अंततः योजना में शामिल हो जाता है।

संघ अपने 5 प्रणों पर हिंदू समाज के सहयोग से करेगा काम : ओम प्रकाश

नूतन ठाकुर, अनंत ज्ञान

बालीचौकी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बालीचौकी में विजय दशमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में संघ के सह प्रांत प्रचारक ओम प्रकाश ने उपस्थित लोगों को अपना वक्तव्य दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संघ अपने पंच प्रणों को लेकर हिंदू

समाज के बीच जाकर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी का भाव लेकर हिंदू समाज के बीच जा कर अपने पंच प्रणो को लेकर कार्य करने की प्रतिबद्धता की रूपरेखा तय की है। उन्होंने कहा कि यह पंच प्रण हमारी संस्कृति एवं राष्ट्रवाद की मूल भावना को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संघ अपने व्यापक गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत समाज के सभी लोगों से संपर्क करेंगे। इतना ही नहीं बल्कि हिमाचल के गांव–गांव में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। सद्भाव बैठकों के चलते पूरे प्रदेश में 200 कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने संघ की 100 वर्षों की यात्रा को 3 भागों में बांटते हुए कहा कि संघ का 100 वर्ष का कालखंड उपेक्षा, विरोध और सहयोग का रहा है। उन्होंने इन 3 बिंदुओं की विस्तार सहित व्याख्या की। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कार्यवाह घनेष कुमार एवं बंजार जिला कार्यवाह रणजीत भी उपस्थित रहे। इस आयोजन के 260 स्वयंसेवक ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया।

सहारा इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना के तहत जिला मंडी में 125 विद्यार्थी लाभान्वित

उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए 24.53 लाख वितरित

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान

मंडी। हर बच्चे का उच्च शिक्षा का सपना पूरा हो और वह जीवन में बुलंदियों को छुए, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा कई महत्वकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्हीं में से एक इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना अनेकों बेसहारा व निराश्रित बच्चों के जीवन में उच्च शिक्षा की लौ जगा रही है। इस वित्तीय वर्ष में मंडी जिला में इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना के तहत 18 से 27 साल आयु वर्ग के 125 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए 24 लाख 53 हजार 939 रूपये अनुदान के रूप में प्रदान किए गए हैं। ये पात्र लाभार्थी प्रदेश के विभिन्न सरकारी उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक संस्थानों से बीटेक, एमटेक, एमबीबीएस और आईटीआई की पढ़ाई कर रहे हैं।

योजना के लाभार्थी पंडोह निवासी तुषार ने बताया कि वह आईटीआई मंडी में टर्नर की ट्रेनिंग कर रहा है। उसके पिता का निधन हो चुका है। घर में माता, भाई तथा दादी ही हैं। माता सिलाई का काम करती हैं जबकि भाई पेंटर है। कठिन आर्थिक स्थिति के कारण परिवार उनकी उच्च शिक्षा का खर्चा नहीं उठा पा रहा था। ऐसे में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की संवेदनशील पहल इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना उनकी सहायक बनी। इस योजना के तहत तुषार की शिक्षा का खर्च अब राज्य सरकार उठा रही है। ऐसी कल्याणकारी योजना आरंभ करने और उन जैसे जरूरतमंद युवाओं के सपने साकार करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मंडी की अमृता, चतरोट की रोशनी देवी और बग्गी के शुभम बताते हैं कि उन्होंने आईटीआई मंडी से ब्यूटीशियन, सिलाई व कढ़ाई तथा इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी सिस्टम मेंटिनेंस ट्रेड में कोर्स किया है। उनकी पढ़ाई के लिए प्रदेश सरकार ने सहायता राशि दी है इसके लिए वे प्रदेश सरकार और विशेषतौर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के धन्यवादी हैं जिन्होंने अनाथ, असहाय, बेसहारा व गरीब बच्चों के उत्थान के लिए इस प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं।

प्रशिक्षण लेते हुए प्रशिक्षु।

ऐसे करें आवेदन

इस योजना का लाभ लेने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के पास आवेदन करना होगा। वहीं इसके लिए पात्र महिला का अपने पति से 7 साल अलग रहने का भी रिकॉर्ड देना होगा। एक लाख से कम आय का वार्षिक प्रमाण पत्र, हिमाचली प्रमाण पत्र, पंचायत प्रधान की रिपोर्ट, परिवार नकल, आधार कार्ड नंबर, यदि पति की मृत्यु हो चुकी है, तो उसका मृत्यु प्रमाण पत्र भी इसके लिए अनिवार्य दस्तावेज रहेंगे।

ये होंगे पात्र

विधवा, निराश्रित व तलाकशुदा महिलाएं, 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग व्यक्ति व एकल नारी योजना का लाभ लेने की पात्र होंगी। यह योजना उन छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रही है जो आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं। यह उनके लिए उच्च शिक्षा के नए रास्ते खोलती है और उनके बेहतर भविष्य की नींव है।

चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं का उमड़ा हुजूम, चार घंटे लाइन में लगकर हुए दर्शन

चिंतपूर्णी मंदिर में शारदीय नवरात्र मेले के दौरान रविवार को श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा।

विकास शर्मा, अनंत ज्ञान

चिंतपूर्णी। चिंतपूर्णी मंदिर में शारदीय नवरात्र मेले के दौरान रविवार को श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा।

इस मौके पर श्रद्धालुओं की डबल लाइन लुधियाना–धर्मशाला मार्ग को क्रॉस कर गई, जिससे श्रद्धालुओं को तीन से चार घंटे तक माता रानी के दरबार में हाजिरी भरने के लिए लाइन में खड़े रहना पड़ा। इस मौके पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था पूरा चिंतपूर्णी क्षेत्र मां के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं को धूप से बचाने के लिए टेंट लगाए गए थे, लेकिन यह नाकाफी थे क्योंकि लाइन काफी लंबी लग गई थी। लाइन व्यवस्था को सुचारु चलाने के लिए पुलिस व होमगार्ड के जवानों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। थाना प्रभारी जयराम शर्मा ने भी ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु चलती रहे इसके लिए जगह–जगह निरीक्षण किया और होमगार्ड और पुलिस के जवानों को उचित दिशा निर्देश दिए। एक अनुमान के मुताबिक देर शाम तक 20,000 से अधिक श्रद्धालुओं के दर्शन करने की उम्मीद है। दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पंजाब व अन्य राज्यों से पहुंचे हैं। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की हैं।

न्यूज ब्रीफ

ऊना वन मंडल के 5 वन रक्षक बने डिप्टी रेंजर

अनंत ज्ञान, ऊना। वन मंडल ऊना के पांच सीनियर फॉरेस्ट गार्डों को पदोन्नति मिली है। विभाग की ओर से पदोन्नत किए गए सीनियर फॉरेस्ट गार्डों को डिप्टी रेंजर के पद पर पदोन्नत किया गया है। साथ ही इनकी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस पदोन्नति में ऊना वन मंडल एक के राम पाल, रोहित कुमार धीमान, प्रदीप सिंह, मुनीश कुमार व राजेश कुमार को पदोन्नति मिली है। विभाग की ओर से पदोन्नति ऑर्डर जारी कर दिए गए है। बता दें कि प्रदेश में वन विभाग में 301 वन रक्षकों की पदोन्नति की गई है। पदोन्नति मिलने पर विभाग में खुशी का माहौल है और बेहतर तरीके से वनों की अमूल्य संपदा को बचाया जा सकेगा।

टाहलीवाल में एक दुकान में हुआ धमाका

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल। टाहलीवाल में धीमान ऑटो रिपेयर में कंप्रेसर अचानक फट गया। धमाका इतना ज्यादा था कि आसपास के दुकानदार घबरा गए, जिस समय कंप्रेसर फटा। उस समय दुकानदार व अन्य लोग वहां पर कोई मौजूद नहीं थे, जिसकी वजह से कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। दुकान के मालिक का कहना है कि वे यहां 1997 से दुकान कर रहे हैं, ऐसी घटना पहली बार हुई है। उन्होंने बताया कि कंप्रेसर तो बिलकुल फट गया है, जिसकी कीमत लगभग 50 से 60 हजार रुपए है। कुल मिलाकर 70 हजार का नुकसान हुआ है।

निशुल्क मेडिकल जांच शिविर आज

अनंत ज्ञान, संतोषगढ़। स्थानीय नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संतोषगढ़ में एक जांच शिविर लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य चिकित्सक अधिकारी डॉ. मृदुल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की सोमवार 29 सितंबर को स्वास्थ्य केंद्र में सुबह 11 बजे एक जांच शिविर लगाया जा रहा है। इसमें एमडी मेडिसन, एमडी ऑर्थो व मनोचिकित्सक के द्वारा रोगियों की स्वस्थ्य की जांच कर परामर्श देकर दवाइयां निशुल्क दी जाएंगी।

एमसी पार्क में भाजपा लगाएगी प्रदर्शनी

अनंत ज्ञान, ऊना। सदर भाजपा मंडल अध्यक्ष दविंदर कौशल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में देशभर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विविध सेवा व जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला के अंतर्गत जिला ऊना भाजपा द्वारा मोदी के जीवन परिचय पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी एमसी पार्क, ऊना में आज प्रातः 10 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के जीवन संघर्ष, समर्पण, विचारधारा व राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य युवाओं व आम नागरिकों को मोदी के व्यक्तित्व व कृतित्व से प्रेरणा प्रदान करना है। प्रदर्शनी का अवलोकन भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व ऊना के विधायक सतपाल सिंह सत्ती करेंगे तथा कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन भी देंगे। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में भाग लेंगे। भाजपा ऊना मंडल अध्यक्ष दविंदर कौशल ने कहा कि भाजपा सभी नागरिकों से आह्वान करती है कि वे इस प्रदर्शनी में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मोदी जी के जीवन दर्शन से प्रेरणा प्राप्त करें।

एबीवीपी ऊना विभाग का अभ्यास वर्ग संपन्न

अनंत ज्ञान, अंब। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ऊना विभाग का अभ्यास वर्ग सरस्वती विद्या मंदिर, चिंतपूर्णी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें ऊना विभाग के 14 कॉलेजों व केंद्रीय विश्वविद्यालय देहरा से कुल 86 छात्रों ने भाग लिया। विभाग संयोजक ऊना चंदन सेखड़ी ने बताया कि इस दौरान विभाग के कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक विषयों, छात्र हितों व राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर सत्रों के माध्यम से संवाद किया। अभ्यास वर्ग का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर, चिंतपूर्णी में किया गया। इसमें प्रदेश संगठन मंत्री धनदेव ठाकुर, एसएफएस राष्ट्रीय संयोजक कुमारी शिल्पा, प्रदेश सह मंत्री जहानवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस वर्ग में छात्रों व कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यशैली, उद्देश्यों तथा राष्ट्रहित में छात्र शक्ति के योगदान से छात्रों को अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने एबीवीपी की शिक्षा नीति, राष्ट्र निर्माण के लिए विद्यार्थियों की भूमिका और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। अभ्यास वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कार्यों के लिए दक्ष बनाना और छात्र हित से जुड़े मामलों में जागरूक बनाना था। सभी प्रतिभागी पूरी सकारात्मक ऊर्जा व संगठनात्मक उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागी बने।

पहलवानों की मेहनत व अनुशासन युवाओं के लिए प्रेरणादायी : विवेक

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव बसाल स्थित बाबा सिद्ध चानो जी मंदिर में शनिवार को पारंपरिक कुश्ती दंगल का भव्य आयोजन किया गया।

इस मौके पर स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज से आए पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। दंगल का शुभारंभ बाबा सिद्ध चानो जी के आशीर्वाद के साथ किया गया, जिसमें कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित हुए। विधायक ने मंदिर पहुंचकर बाबा सिद्ध चानो जी के दर पर शीश नवाया व आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत मंदिर कमेटी व दंगल आयोजकों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। विधायक विवेक शर्मा को बैंड बाजों के साथ सम्मान दिया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से अपने लोकप्रिय जनप्रतिनिधि का अभिनंदन किया। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि बाबा सिद्ध चानो जी का यह मंदिर क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र है। यहां हर वर्ष आयोजित होने वाला दंगल न केवल खेलकूद की परंपरा को जीवित रखता है, बल्कि भाईचारे और आपसी मेलजोल को भी मजबूत करता है। उन्होंने मंदिर कमेटी द्वारा किए गए सम्मान के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें जनता इतना प्यार और सहयोग दे रही है। दंगल में विभिन्न वर्गों और भार श्रेणियों के मुकाबले हुए, जिन में नामी पहलवानों ने दमखम दिखाया। दर्शकों ने हर दांव-पेच पर उत्साहपूर्वक तालियां बजाकर पहलवानों का हौसला बढ़ाया। फाइनल मुकाबले में जीत हासिल करने वाले विजेताओं को विधायक विवेक शर्मा ने स्वयं मंच पर बुलाकर शील्ड और नकद पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहलवानों की मेहनत और अनुशासन युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। खेलों से जहां शारीरिक विकास होता है, वहीं मानसिक दृढ़ता व अनुशासन भी जीवन का हिस्सा बनते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में खेल सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे, ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को अपने हुनर को निखारने का पूरा अवसर मिल सके। विधायक ने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों और शिक्षा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने विधायक के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि उनके सहयोग व मार्गदर्शन से बाबा सिद्ध चानो मंदिर की परंपराएं और भी मजबूती से आगे बढ़ रही है।

दंगल देखने के लिए क्षेत्रभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालु और खेल प्रेमी देर शाम तक मैदान में मौजूद रहे और रोमांचक मुकाबलों का आनंद उठाया। इस प्रकार वसाल में आयोजित यह दंगल खेल और सांस्कृतिक परंपरा का एक सफल संगम साबित हुआ। इसमें विधायक विवेक शर्मा की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को और बढ़ा दिया। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ता व नेतागण और गणमान्य मौजूद रहे।

बसाल में हुए कुश्ती दंगल में विधायक विवेक शर्मा विजेता पहलवान को गुर्ज देकर सम्मानित करते हुए।

ऊना में ढाई वर्षों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 22,602 नए मामले स्वीकृत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

जरूरत के वक्त सरकार की मदद सिर्फ आर्थिक सहारा नहीं होती, यह लोगों के लिए सम्मानजनक जीवन जीने का भरोसा भी देती है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल सरकार यही भरोसा ओर मजबूत कर रही है। इसी कड़ी में जिला ऊना में बीते ढाई वर्षों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 22,602 नए मामले स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही जिले में पेंशनधारकों की संख्या बढ़कर 70,093 हो गई है। इन पर प्रतिवर्ष लगभग 82.93 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं। इससे वंचित वर्गों को न सिर्फ आर्थिक संबल, बल्कि आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। जिला कल्याण अधिकारी ऊना आवास पंडित ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत पात्र व्यक्तियों को उनकी आयु व श्रेणी के अनुसार प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि 70 वर्ष से कम आयु वाली महिलाओं को 1,500 रुपए प्रतिमाह, 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग की महिलाओं को 1,700 रुपए प्रतिमाह तथा 70 वर्ष से कम आयु के पुरुषों को 1,000 रुपए और इससे अधिक आयु वर्ग के पुरूषों को 1,700 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही दिव्यांग श्रेणी में 70 वर्ष से कम आयु वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपए प्रतिमाह और पुरुषों को 1,000 रुपए तथा इससे अधिक आयु वर्ग के महिला एवं पुरूषों को 1,700 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है।

जिला कल्याण अधिकारी ऊना आवास पंडित ने कहा कि जिले के सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनरों की ई–केवाईसी सुनिश्चित करने के लिए ई–कल्याण मोबाइल ऐप के माध्यम से 30 सितंबर तक विशेष सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान जिला, तहसील, पंचायत और स्थानीय स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सहायता से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक अधिकांश पेंशनर्स का सत्यापन कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष असत्यापित पेंशनर्स से अपील की गई है कि वे निर्धारित समयावधि में अपना सत्यापन अवश्य करवा लें। वहीं, डीसी ऊना जतिन लाल ने कहा कि जिले में सभी पात्र पेंशनधारकों को विभाग के माध्यम से समय पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश सरकार की दूरदर्शी व सकारात्मक सोच है।

दीपक ने किया क्षेत्र का नाम रोशन नेशनल ग्रैंड फिनाले में सेकेंड रनरअप

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान

अंब। गांव पंजोआ के दीपक सोनी ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

उन्होंने एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हुनर के रंग नेशनल ग्रैंड फिनाले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेकेंड रनर–अप का स्थान हासिल किया। देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच हुई इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दीपक की कला, प्रस्तुति और समर्पण ने निर्णायक मंडल व दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता का आयोजन फिल्म सिटी रोहतक में किया गया था, संगीत विधाओं में युवाओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। दीपक सोनी की इस उपलब्धि से न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव में खुशी का माहौल है। गांववासियों और शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दीपक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों और सतत अभ्यास को दिया। यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें भी अपनी प्रतिभा को मंच पर लाने का हौसला देगी।

सोने की चेन काटतीं दो महिलाएं काबू

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। चिंतपूर्णी मंदिर दर्शन स्थल के पास शनिवार शाम चार बजे के करीब एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां दर्शन के दौरान दो महिलाओं ने एक श्रद्धालु महिला की सोने की चेन काटने का प्रयास किया। घटना चिंतपूर्णी के खड्डु पंजौर से आए एक श्रद्धालु परिवार के साथ हुई। माता रानी के दर्शन के लिए मंदिर में खड़ी हुई श्रद्धालु महिला ने बताया कि अचानक उसे ऐसा महसूस हुआ कि उसकी सोने की चेन गले से काटी जा रही है, जब उसने गले में देखना चाहा, तो उसकी कीमती चेन गायब थी। उसी समय चेन जमीन पर गिर गई। इस दौरान वह देख सकी कि दो महिलाएं उसके पीछे खड़ी थीं, जो तुरंत भागने की कोशिश करने लगीं। मौके पर खड़े होमगार्ड ने तुरंत घटना को भांपते हुए दोनों महिलाओं को पकड़ लिया। दोनों महिलाओं को तत्काल पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने दोनों महिलाओं से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही मंदिर परिसर के लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी जांच के लिए देखी जा रही है। चिंतपूर्णी थाना प्रभारी जयराम शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं की शिकायत पर दोनों महिलाओं से पूछताश की जा रही है। बताया जा रहा है कि उक्त श्रद्धालु महिला की सोने की चैन काफी बेशकीमती थी।

श्रीराम केवट मिलन व भरत मिलाप ने भावुक किया पंडाल

अनंत ज्ञान, बंगाणा

उपमंडल बंगाणा के श्री राम नाटक क्लब हटली में चल रहे 67वें शुद्ध रामायण मंचन के दौरान शनिवार की रात दर्शकों ने भावनाओं से ओतप्रोत अद्भुत दृश्य देखे।

रामायण के प्रसंगों के मंचन में सबसे पहले श्रीराम और केवट संवाद का मंचन हुआ। इस प्रसंग ने पंडाल को भक्तिभाव से भर दिया। कथा के अनुसार जब भगवान श्रीराम, सीता माता और लक्ष्मण जी वनवास के लिए अयोध्या से प्रस्थान कर गंगा तट पहुंचे, तो गंगा पार कराने के लिए केवट ने अपनी नाव प्रस्तुत की, लेकिन उसने स्पष्ट कहा कि वह तब तक प्रभु को नाव में बैठाकर गंगा पार नहीं कराएगा, जब तक उनके चरण धोकर स्वयं अपने पात्र में नहीं रख लेता। मंच पर यह दृश्य जब जीवंत हुआ तो उपस्थित श्रद्धालु भावुक हो उठे। कलाकारों ने अपने संवाद व अभिनय से वातावरण को इतना वास्तविक बना दिया कि दर्शक भी केवट की भक्ति में डूब गए। पंडाल में बैठे श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और जय श्री राम के जयघोष से पूरा माहौल गूंज उठा।

इसके बाद मंचन में भरत मिलाप का दृश्य प्रस्तुत हुआ। मंचन के अनुसार जब भरत को पता चला कि माता कैकेयी के वचनों के कारण श्रीराम को वनवास जाना पड़ा है और उन्हें अयोध्या का राज्य मिला है, तो वे व्यथित हो गए। उन्होंने तुरंत निश्चय किया कि वे किसी भी हाल में राजगद्दी स्वीकार नहीं करेंगे और प्रभु श्रीराम को वापस अयोध्या लाने जाएंगे। मंचन के दौरान भरत और श्रीराम का मिलन दर्शाया गया। भरत की करुणा और राम की मर्यादा ने उपस्थित जनसमूह को गहराई तक प्रभावित किया। मंचन के अंत में जब श्रीराम ने भरत को समझाते हुए अपनी चरण पादुकाएं अयोध्या की गद्दी पर स्थापित करने के लिए दीं तो पूरा पंडाल श्रद्धा और भावुकता से भर गया। कलाकारों ने इस दृश्य को इतनी कुशलता से प्रस्तुत किया कि लोगों को लगा मानो वे सचमुच त्रेतायुग का दृश्य देख रहे हों। श्रीराम नाटक क्लब हटली ने इस अवसर पर एक विशेष आयोजन भी किया। रामायण से संबंधित 16 प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मंच पर करवाई गई। प्रतियोगिता में स्थानीय युवाओं व बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्न सरल से लेकर कठिन तक थे, जिनमें प्रतिभागियों को रामायण के प्रमुख प्रसंगों, पात्रों और मर्यादाओं से जुड़े सवालों के जवाब देने पड़े।

इस प्रतियोगिता ने माहौल को और रोचक बना दिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को क्लब की ओर से बंपर इनाम दिए गए।

प्रोजेक्ट की गुणवत्ता के बारे में दी जानकारी

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा क्षेत्र की खरयालता पंचायत के ठाकुर हार्डवेयर व सैंटरी वर्कशॉप में पद्मावती पाइप्स व वाटर टैंक कंपनी के द्वारा एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पद्मावती पाइप्स व वाटर टैंक कंपनी के नार्थ जोन के कंपनी अधिकारी मिस्टर अवनीश कुमार ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा मौके पर पहुंचे क्षेत्र के लगभग चार दर्जन पलंबरों को कंपनी द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। अवनीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी द्वारा तैयार किए गए सभी प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने पर कोई भी दिक्कत आती है, तो कंपनी द्वारा उसकी सारी मैटीरियल को फ्री में करवाया जाएगा।

कुश्ती में प्वाइंट के आधार पर सिकंदर ने मारी बाजी

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान

अंब। उप तहसील जोल के गांव बड़ुहा में विशाल दंगल का आयोजन किया गया।

इसमें जिला ऊना सहित देश–विदेश से आए पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया। दंगल कमेटी के प्रधान प्रतिष्ठित समाजसेवी पवन ठाकुर ने बताया कि सुबह गुगा जाहरवीर मंदिर में माथा टेकने के उपरांत मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं, दोपहर बाद झंडे की रसम अदा कर दंगल की शुरुआत की गई। तीन से पांच बजे तक लोकल पहलवानों को दंगल में दमखम दिखाने की तवज्जो दी गई। उसके उपरांत देश–विदेश से आए पहलवानों ने अपना जौहर दिखाया। हजारों की तादाद में पहुंचे दर्शकों ने मेले व दंगल का लुत्फ उठाया। मुख्य आकर्षण में लड़कियों की कुश्ती में कृतिका कौंडल हमीरपुर व राधा सोलन के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। इसमें कृतिका ने बाजी मारी बहि

उपतहसील जोल के गांव बड़ुहा में विशाल दंगल में विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

नेपाली पहलवान देवा थापा भी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा, एक तरफ जहां लोगों ने देवा थापा के साथ सेल्फी लेने का हुजूम देखा गया। वहीं, दंगल के मैदान में देवा थापा ने अपने कौतुक से सबका मन मोह लिया। ईरान से आए पहलवानों को देखने के लिए जनता का काफी हुजूम उमड़ा। चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की व देर रात तक चले दंगल का आनंद लिया। चिंतपूर्णी से भाजपा नेता इंजीनियर रामपाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। फाइनल मुकाबला रुस्तमे हिंद, सिकंदर शेख और हरियाणा के पहलवान विशाल के बीच हुआ। करीब 25 मिनट चली इस कुश्ती में प्वाइंट के आधार पर सिकंदर शेख ने बाजी मारी व 3 लाख 21 हजार की माली को अपने नाम किया। इससे पूर्व में 6 बार रहे ग्राम पंचायत सोहारी के प्रधान पवन ठाकुर ने युवाओं को नशे से दूर रहकर दंगल जैसी परंपराओं में आकर इसको आगे बढ़ने का आह्वान किया।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री जयंती समारोह आज पालकवाह में, उपमुख्यमंत्री होंगे शामिल

अनंत ज्ञान, ऊना

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री 29 सितंबर को पालकवाह ऑडिटोरियम में आयोजित प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री जयंती समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होंगे।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे आरंभ होगा और शिक्षा तथा समाज क्षेत्र में प्रो. अग्निहोत्री के योगदान की स्मृति को समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में हरोली विधानसभा क्षेत्र के तीनों कॉलेजों के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। 29 सितंबर, 1968 को जन्मी प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री ने 9 फरवरी, 2024 को अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण की। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन विभाग की प्रोफेसर रहीं प्रो. अग्निहोत्री ने शिक्षा, शोध और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में अमिट पहचान बनाई। उनके मार्गदर्शन से अनगिनत विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता और जीवन मूल्यों की प्रेरणा मिली। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री प्रातः 10 बजे प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली में गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगे। लगभग 5 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह छात्रावास छात्राओं को सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा प्रदान करेगा। उपमुख्यमंत्री व हरोली के विधायक मुकेश अग्निहोत्री के सतत प्रयासों से हरोली कॉलेज को बहुआयामी उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। 16 करोड़ रुपए की लागत से कॉलेज का नया भवन लगभग पूर्ण हो चुका है, यहां मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य, व्यावसायिक कोर्सेज और ललित कलाओं सहित विविध शैक्षणिक अवसर उपलब्ध हैं।

हुनर समय के संग बदलते संस्कार व शिल्प लकड़ी के कारीगर की जुबानी, एक सांस्कृतिक व तकनीकी बदलाव की कहानी

औजारों की गूंज में बसी मेहनत व पीढ़ियों के संस्कार

विनोद शर्मा, अनंत ज्ञान

लठियानी। हाथों के हुनर से मशीनों की दुनिया तक यह वाक्य शायद उस जीवन–परिवर्तन को पूरी तरह बयां नहीं कर सकता, जिसे गोबिंद सागर झील के किनारे रहने वाले अनुभवी लकड़ी शिल्पकार जुल्फी राम ने अपनी आंखों से देखा है, लकड़ी का कार्य बहुत ही बढ़िया आकार देकर बुजुर्ग किया करते थे और आज भी महसूस करते हैं। यह केवल एक कारीगर की कहानी नहीं है, बल्कि संस्कार, श्रम, परंपरा व आधुनिकता के टकराव की दास्तान है, जो आज हर ग्रामीण व कस्बाई भारत की मिट्टी में धड़क रही है।

जुल्फी राम बताते हैं कि जब उन्होंने लकड़ी का कार्य अपने पिता व भाई से सीख कर दरवाजे व हल, खिड़कियां बनाने का कार्य शुरू किया था, तब मशीनें नहीं, बल्कि मेहनत व अनुभव ही सबसे बड़ी पूंजी हुआ करती थी। दरवाजे खिड़कियां व संदूक का निर्माण रंदा, आरी, कुदाली और हल जैसे पारंपरिक औजारों से किया जाता था। वृक्षों को काटने का कार्य कुल्हाड़ी से किया जाता था। लकड़ी की छंटाई हो, मक्की की नदाई हो या खेती–बाड़ी का सामान तैयार करना हो, हर कार्य हाथों की कलाकारी और पसीने से सना होता था। इन औजारों की गूंज में न केवल मेहनत का संगीत होता था, बल्कि पीढ़ियों से चले आ रहे संस्कारों की महक भी बसी होती थी। साठ वर्षीय जुल्फी राम कहते हैं, अब मुझे लकड़ी का कार्य करते हुए लगातार 38 से 40 वर्ष हो गए हैं। दरवाजे, बैलों के साथ कार्य करने के लिए हल, जूंगडे, खिड़कियां, मकान पर स्लोट व खपरे डालने के कार्य से जीवन चलता था और सभी का आपस में बहुत अच्छा व्यवहार होता था, लेकिन आजकल तो लोग एक दूसरे को देखना भी उचित नहीं समझते हैं अब इसमें ऐसा आ गया है कि पड़ोसी–पड़ोसी के साथ झगड़ते रहते हैं। जुल्फी राम याद करते हैं कि पहले एक मकान पर स्लोट व खपरे डालने के लिए भी तीन–चार लोग कार्य करते थे और सभी लोग इस तरह के कार्य करते थे और तीन–चार परिवारों का पालन पोषण किया करते थे। मेहनत थी, पर संतोष भी था, तब बीमारियां भी नहीं होती थीं, क्योंकि धूप, बारिश और परिश्रम के साथ शरीर स्वस्थ रहता था। यह कथन केवल एक व्यक्ति की स्मृति नहीं, बल्कि संवेदना और सादगी से भरे समय का दस्तावेज है।

अब मशीनें हैं, पर मानवीय स्पर्श नहीं

समय के साथ जैसे-जैसे तकनीक आई, औजारों की जगह अब कटर, प्लेनर, कील ठोकने वाली मशीनें और भारी-भरकम उपकरणों ने ले ली। कार्य अब अधिक तेजी से होता है, लेकिन जुल्फी राम मानते हैं कि मशीन से बना कार्य वह आत्मा नहीं रखता, जो हाथ से किए गए शिल्प में होती थी। अब एक ही व्यक्ति कई काम कर सकता है, लेकिन उस कार्य में वह आत्मीयता नहीं रही और बेरोजगारी बढ़ने का भी यही कारण हो सकता है और अब युवा पीढ़ी बहुत ही कम लकड़ी का कार्य सीख रहे है, क्योंकि इससे उनकी शान में फर्क पड़ता है।

समय बदले, पर संस्कार न बदलें

जुल्फी राम स्पष्ट कहते हैं कि उनका उद्देश्य किसी की आलोचना नहीं, बल्कि एक सचेत करने वाला संवाद है। वे चाहते हैं कि लोग आधुनिकता को अपनाएं, परंतु संस्कारों की बुनियाद को न खोएं। मोबाइल का प्रयोग बढ़ गया है पर संस्कारों की ओर ध्यान देना जरूरी है। हाथों से किया गया कार्य शरीर को स्वस्थ और आत्मा को संतुष्ट करता था। जुल्फी राम की कहानी आज के युग के लिए एक प्रेरणादायक आईना है। यह हमें बताती है कि आधुनिकता का स्वागत करें, लेकिन अपनी परंपरा, संस्कृति और मेहनत की गरिमा को न भूलें। आज की पीढ़ी को चाहिए कि वे न केवल तकनीक से जुड़ें, बल्कि अपने जड़ों से भी जुड़े रहें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी जान सकें कि संस्कार केवल शब्द नहीं, जीवन जीने की कला हैं।

संस्कारों की परछाई होती जा रही धुंधली

जहां पहले औरतें सिर पर दुपट्टा रख कर ही रसोई व खेतों का कार्य करती थीं, वहीं आज यह दृश्य देखने को मुश्किल हो गया है। जुल्फी राम कहते हैं कि आज तो बहू और ससुर में अंतर ही नजर नहीं आता। सिर पर दुपट्टा रखना जैसे अब संस्कारों से कटने की निशानी बन गया है। पुराने समय में औरतें सिर ढक्कर ही घर में प्रवेश करती थीं और सिर ढक कर ही खाना बनाती थी, लेकिन अब तो औरतें दुपट्टा लेना भी ठीक नहीं समझती, क्योंकि उनकी शान में फर्क पड़ता है। जुल्फी राम ने बताया कि पुराने समय में मिट्टी के बर्तन, सादगी भरी दिनचर्या और संस्कारों का पालन जीवन का हिस्सा थे, अब प्लास्टिक के बर्तन और मोबाइल ने जीवनशैली को प्रदूषित कर दिया है।

श्री राम जी से जीवन शुरू, उन्हीं से खत्म : वीरेंद्र

अनंत ज्ञान, बंगाणा

उपमंडल बंगाणा की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर श्री राम नाटक क्लब हटली में पंचम नवरात्र के अवसर पर आयोजित भव्य रामायण मंचन में राष्ट्रीय वालीबॉल फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिमाचल प्रदेश के पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने शिरकत की। इस मौके पर क्लब की ओर से उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने श्रद्धा भाव से कहा कि श्री राम जी हमारे जीवन का आधार हैं।

श्री राम जी से ही जीवन की शुरुआत होती है और उन्हीं से जीवन का समापन होता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम द्वारा दिखाए गए आदर्श आज भी मानवता के लिए प्रकाशपुंज हैं, अगर हम श्री राम जी के बताए पदचिह्नों पर चलें, तो जीवन को न केवल सार्थक बना सकते हैं, बल्कि समाज को भी आदर्श दिशा दे सकते हैं। उन्होंने श्री राम नाटक क्लब हटली की सराहना करते हुए कहा कि यह क्लब पिछले 67 वर्षों से शुद्ध रामायण का मंचन कर रहा है, जो न केवल क्षेत्र की धार्मिक आस्था को मजबूती देता है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य भी करता है।

श्री राम नाटक क्लब हटली में पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर को सम्मानित करते क्लब के सदस्य।

उन्होंने गर्व जताया कि पिछले 25 वर्षों से उन्हें लगातार इस मंचन में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो रहा है। कंवर ने कहा कि यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता व सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब भौतिकता व आधुनिकता के बीच लोग अपनी जड़ों से दूर हो रहे हैं, ऐसे आयोजनों का महत्व और बढ़ जाता है। यहां आकर हर किसी को यह अनुभव होता है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी हैं और श्री राम जी के आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। वीरेंद्र कंवर ने आयोजकों और स्थानीय जनता को बधाई देते हुए कहा कि श्री राम नाटक क्लब हटली ने वर्षों से निरंतर परंपरा व मर्यादा का निर्वहन किया है। यहां का रामायण मंचन पूरे क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी आकर्षित करता है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अपने जीवन में श्री राम जी के आदर्शों को अपनाएं। सत्य, मर्यादा व धर्म पर आधारित जीवन ही सच्चे अर्थों में सफल व प्रेरणादायी जीवन है। इस मौके पर कुटलैहड़ सेवा संगठन के अध्यक्ष व भाजपा नेता चरणजीत शर्मा, संयोजक व बीडीसी सदस्य राजेंद्र रिंकू, कमेटी अध्यक्ष मदन सोनी, महासचिव संजय सोनी, अवनीश भारद्वाज, कमल देव शास्त्री, सुरेश शर्मा, किशन देव शर्मा, राहुल शर्मा मंच संचालक विपिन साजन, राज कुमार धीमान आदि मौजूद रहे।

दशहरे के लिए दुल्हन की तरह सजने लगी रघुनाथजी की नगरी

बाहरी राज्यों के व्यापारियों ने कुल्लू में डाला डेरा, इस बार नए स्वरूप में नजर आएगा दशहरा उत्सव, देवी-देवताओं के अस्थायी शिविरों में भी होने लगी साफ-सफाई

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। देवमहाकुंभ अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के लिए भगवान रघुनाथजी की नगरी दुल्हन की तरह सजने लगी है। 2 अक्तूबर से 8 अक्तूबर तक मनाए जाने वाले देवी-देवताओं के इस महासमागम के लिए जहां प्रशासन ने कमर कस ली है।

वहीं बाहरी राज्यों के व्यापारियों ने भी कुल्लू के ढालपुर सहित अन्य मैदानों में डेरा डालकर दुकानें सजाने का कार्य शुरू कर दिया है। इसके अलावा देवी-देवताओं के कारदार व हारियान भी देवताओं के अस्थायी शिविरों की साफ-सफाई के कार्य में जुट गए हैं। सात दिनों तक आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्याओं के आयोजन के लिए ऐतिहासिक कलाकेंद्र और रघुनाथ जी के मंदिर में भी रंग-रोगन व अन्य कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। इसके अलावा होटलों में भी रंग रोगन किए जाने का काम शुरू हो गया है। हर वर्ष लाखों लोगों की भागीदारी व अरबों रुपए के कारोबार वाले अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में इस बार भी व्यापारियों को अच्छे कारोबार होने की पूरी उम्मीद है। भगवान रघुनाथ की रथयात्रा वाले रास्ते को भी चकाचक किया जा रहा है। विश्व विख्यात दशहरा उत्सव को शुरू होने में अभी मात्र चार दिन का समय शेष है, ऐसे में तैयारियां जोरों से चली हैं। कुल्लू में हर वर्ष सात दिनों तक धूमधाम से अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव मनाया जाता है और देश व विदेश के लाखों लोगों के साथ-साथ जिलाभर के देवी-देवता इस समागम में शिरकत करते हैं।

> 2 से 8 अक्तूबर तक मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। बाहरी राज्यों से व्यापारी यहां पहुंच गए हैं और तैयारियों में डटे हुए हैं। इस बार उत्सव में बहुत कुछ नया होगा, लेकिन प्राकृतिक आपदा से इस बार काफी नुकसान हुआ है। लोग बेघर हुए हैं, इसलिए इस बार दशहरा में बाहरी राज्यों व विदेशी कलाकारों को नहीं बुलाया जा रहा है। सभी आयोजनों में खर्चों में की गई इस बचत को आपदा प्रभावितों के पुनर्वास और राहत कार्यों के दिया जाएगा।
>
> **सुंदर सिंह ठाकुर, विधायक कुल्लू एवं अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव समिति कुल्लू।**

अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के लिए लगने वाली मीना मार्केट के लिए लगाई कैनोपी।

ढालपुर में सड़क के दोनों ओर अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के खेल मैदान में लगे झूले।

कैनोपी बढ़ा रही मीना बाजार की शोभा

सीपीएस सुंदर सिंह ठाकुर की ओर से पिछली बार की तरह इस बार भी अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के स्वरूप में काफी कुछ बदलाव और नया करवाया जा रहा है। इसके तहत कुल्लू के ढालपुर स्थित सड़क के दोनों ओर लगने वाली मीना मार्केट में इस बार भी लगने वाली दुकानें टीन की छत वाली नहीं होंगी, बल्कि कैनोपी में दुकानें सज गई हैं और सड़क के दोनों ओर लगी कैनोपी जहां सभी के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। वहीं, इससे व्यापारियों को भी काफी सुविधा मिलेगी। इसके अलावा भी इस बार दशहरा उत्सव में काफी कुछ नया नजर आएगा। तंबोला के लिए भी ढांचा तैयार किया जा रहा है। इस बार तंबोला 2 करोड़ 63 लाख रुपए में नीलाम हुआ है। इससे रेडक्रॉस सोसायटी को राजस्व मिला है। यह पिछली बार करीब दो करोड़ में नीलाम हुआ था।

कुल्लू का दशहरा अनूठा

कुल्लू का दशहरा देशभर में मनाए जाने वाले बाकि सभी दशहरा उत्सवों में से सबसे अनूठा है। यहां पूरे देश की तरह रावण को जलाकर दशहरा नहीं मनाया जाता और न ही यहां रामलीला का मंचन किया जाता है, बल्कि काम, क्रोध, मोह, लोभ व अहंकार के नाम पर पांच बलि दी जाती है। कुल्लू का दशहरा देश में सबसे अलग पहचान रखता है, जब देश में लोग दशहरा मना चुके होते हैं, तब कुल्लू का दशहरा शुरू होता है। यहां इस त्योहार को दशमी कहते हैं।

इस बार 332 देवी-देवताओं को निमंत्रण भेजा

जिला प्रशासन की ओर से इस बार भी जिलेभर के 332 देवी-देवताओं को दशहरा उत्सव में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजे गए हैं। हालांकि, हर साल प्रशासन की ओर से 300 से ज्यादा देवी-देवताओं को निमंत्रण पत्र भेजा जाता है और इनमें से 250 के करीब मुआफीदार और गैर-मुआफीदार देवी-देवता शिरकत करते हैं। हर साल जहां देश के विभिन्न राज्यों सहित विदेशी सांस्कृतिक दलों के कार्यक्रम जहां दशहरा उत्सव का मुख्य आकर्षण होते थे। वहीं, इस साल प्राकृतिक आपदा के कारण कुल्लू जिले में हुए नुकसान के मद्देनजर दशहरा उत्सव में इस बार बाहरी राज्यों व विदेशी दलों की प्रस्तुतियां नहीं होंगी। सिर्फ कुल्लू व हिमाचल के ही कलाकार कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा कुल्लू कार्निवल का आयोजन होगा। इसमें विभिन्न सरकारी विभागों के कार्यक्रमों व उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली झांकियां शामिल होंगी। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

झूलों सहित अन्य दुकानों की बदली जगह

इस बार प्रदर्शनी मैदान की जगह सरकारी व गैर सरकारी प्रदर्शनी को मैदान से बाहर शिफ्ट किया जा रहा है। झूलों की जगह बदली गई है। जूता बाजार, पुराने कपड़ों के बाजार को भी नई जगह भेजा गया है। एक ओर भगवान रघुनाथ की अस्थायी छावनी सजाई जा रही है। दूसरी ओर देशभर से आए कारोबारी बदले नक्शे पर दुकानें जमाने में जुटे हैं, जैसे-जैसे दशहरा उत्सव नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे तैयारियां भी जोर पकड़ रही हैं। कारोबारी दिन भर हाट-बाजार सजाने में व्यस्त हैं।

न्यूज ब्रीफ

जय सिंह को दूसरी बार मिली अध्यक्ष की कमान

अनंत ज्ञान, सैंज। राजकीय महाविद्यालय सैंज में शनिवार वार को पीटीए सामान्य सभा बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस बैठक में अभिभावकों, शिक्षकों एवं महाविद्यालय प्रशासन ने सक्रिय भागीदारी करते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं महाविद्यालय की उन्नति के लिए विचार-विमर्श किया। राजकीय महाविद्यालय सैंज में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुजाता की अध्यक्षता में अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में महाविद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य नए सत्र 2025-26 के लिए पदाधिकारियों का चयन करना था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत निम्नलिखित पदों पर नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद की कमान पुनः दूसरी बार जय सिंह को सौंपी गई। उपाध्यक्ष फतेह सिंह, सचिव डॉ. कविता कटोच, कोषाध्यक्ष लीलादेवी, संयुक्त सचिव ठाकुर दास जबकि मुख्य सलाहकार हीरा लाल तथा तकनीकी सदस्य केहर सिंह व चंद्रसेन को चुना गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी व उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

नुक्कड़ नाटक से लोगों को किया जागरूक

अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली उपमंडल के नग्गर खंड की मशाडा व रुमसू पंचायत के शरन और चचोगी गांव में सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के कल्याण के चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी लोगों की दी।सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मन्नत कला मंच के कलाकारों ने गीत संगीत और नाटक के जरिये विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। सांस्कृतिक दल ने मंचन के दौरान अनुसूचित जाति के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई शिक्षा की योजनाओं, स्वरोजगार योजनाओं, आवास एवं स्वास्थ्य योजनाओं सहित सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण, अंतर्जातीय विवाह आदि कार्यक्रमों की जानकारी सरल एवं मनोरंजक शैली में प्रस्तुत की। जागरूकता के इस कार्यक्रम में कलाकारों सहित प्रधान देवदास, वार्ड पंच मीना देवी, धर्म कुमार, जमदग्नि ऋषि स्वयं सहायता समूह शरन की प्रधान मीना देवी सहित सभी सदस्य,नगर पंचायत के वार्ड पंच कमलेश ठाकुर,कैलाशनी महिला मंडल मशाडा, कैलाशनी विकास कमेटी के जीवन ,धर्म चंद,इन्द्र सिंह व कलाकार नवनीत भारद्वाज, मान चंद,खूबराम, गोपाल,अशोक, चम्पा, डिम्पल, आशा, विनय, हिमांशु और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

78वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 31 अक्तूबर से

अनंत ज्ञान, मनाली। संत निरंकारी मिशन का 78वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक समालखा, हरियाणा में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य कार्यक्रम संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में होगा। संत निरंकारी मिशन मनाली की मुखी मधुबाला ने बताया कि मनाली से भी अनुयायी सेवाएं देने समालखा पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज का कहना है कि वार्षिक आध्यात्मिकता का आधार लिए इस समागम पर प्रेम, शांति और एकत्व का संदेश दिया जाता है, जो निसंदेह समस्त मानवता के कल्याण के लिए होता है। इस संत समागम की भव्यता सिर्फ इसके क्षेत्रफल से रेखांकित नहीं होती, बल्कि यहां देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालु भक्तों के भावों से इंगित होती है। निरंकारी संत समागम मानवता का एक ऐसा दिव्य संगम होता है, जहां धर्म, जाति, भाषा, प्रांत और अमीरी-गरीबी आदि के बंधनों से ऊपर उठकर सभी मर्यादित रूप से प्रेम और सौहार्द के साथ सेवा, सुमिरण और सत्संग करते हैं। मधुबाला ने बताया कि संत समागम की थीम 'आत्म मंथन' (आत्म-निरीक्षण) है, जो सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में आयोजित होगा

जूडो प्रतियोगिता में नेहा ने झटका गोल्ड मेडल

अनंत ज्ञान, भुंतर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बजौरा में तीन दिवसीय जिला स्तरीय अंडर-19 छात्रा वर्ग की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया। इस दौरान खेल प्रतियोगिता में खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन, योगा, शतरंज, जूडो, कुराश और बॉक्सिंग प्रतियोगिताएं हुई। जिनमें वॉलीबाल में बंजार और निरमंड के बीच मुकाबला हुआ और बंजार विजेता रहा। वहीं, कुल्लू और निरमंड के बीच में आयोजित प्रतियोगिता में निरमंड विजेता रहा जबकि बंजार और कुल्लू के बीच में बंजार विजयी रहा। भुंतर और आनी के बीच में आनी, मनाली और भुंतर के बीच में भुंतर, मनाली और आनी के बीच में मनाली विजेता रहा। इसके अलावा खो खो में भुंतर ब्लॉक ने निरमंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके अलावा कुल्लू और आनी के बीच में सेमीफाइनल मैच, जबकि बंजार और भुंतर के बीच सेमीफाइनल में बंजार ने जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। निरमंड और आनी के बीच में सेमीफाइनल खेला जाएगा। कब्बडी में आनी और भुंतर के बीच मुकाबला हुआ जिसमें भुंतर ने जीत हासिल की। जूडो में नेहा ने गोल्ड मेडल, सुल्तानपुर गर्ल्स स्कूल की कसक ने सिल्वर मेडल हासिल किया। जूडो में ही गीतांजलि धारा चौंग की छात्रा ने गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं, सोमवार को प्रतियोगिता का समापन होगा।

जिलास्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज

अनंत ज्ञान, भुंतर। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, भुंतर के प्रांगण में अंडर-19 छात्रों की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज हुआ। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन अनिल सूद, जिला अध्यक्ष सहकारिता सहकारी समिति जिला कुल्लू ने बतौर मुख्यातिथि किया। मुख्यातिथि ने ध्वजारोहण कर और मशाल प्रज्वलित कर खेल के महाकुंभ के आगाज की घोषणा की। मुख्यातिथि अनिल सूद ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को भी सिखाते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल को खेल की भावना से खेलने और अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में जिले भर के छह जोन से लगभग 325 विद्यार्थी-खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रतियोगिता अगले तीन दिनों तक चलेगी, जिसमें कबड्डी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स और अन्य खेल विधाओं में जोरदार मुकाबले देखने को मिलेंगे। अंत में, विद्यालय के प्रधानाचार्य तिलक राज ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित गणमान्य लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में सभी खिलाड़ियों को खेल भावना और समर्पण के लिए प्रोत्साहित किया और जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य गण, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक गण तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी दर्शक उपस्थित रहे।

मनाली पुलिस ने सुलझाई सोना चांदी व नकदी चोरी की गुत्थी

अनंत ज्ञान, मनाली

पर्यटन नगरी के भजोगी में किराये के कमरे में शातिरों द्वारा चोरी करने का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। यह शातिर अगस्त के पहले सप्ताह ताला तोड़कर लाखों के सोने-चांदी के आभूषणों सहित दो लाख रुपए की नकदी पर हाथ साफ कर गए थे।

शिकायतकर्ता मीना देवी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने 30 अगस्त को धारा 305, 331(3) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया था। इस मामले की तफ्तीश पुलिस अधीक्षक कुल्लू के आदेशानुसार डीएसपी मनाली केडी शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। जांच के दौरान अंकित के माता-पिता से पूछताछ की गई तथा अंकित पुत्र बिल्लू, निवासी ग्राम चमड़ाहवर, डाकघर-तहसील व जिला बागपत (उत्तर प्रदेश), आयु 27 वर्ष, वर्तमान पता वार्ड नं. 5, मकान नं. 50, मनु मार्केट, तहसील व थाना मनाली, जिला कुल्लू को 24 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को 30 सितंबर तक पुलिस हिरासत रिमांड प्राप्त किया गया है। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि पूछताछ में आरोपी अंकित ने खुलासा किया कि चोरी किया गया शेष सामान उसने जियारुद्दीन पुत्र सनाउल्लाह शेख निवासी वार्ड नं. 2, गांव भाजोगी, तहसील मनाली, जिला कुल्लू, स्थायी निवासी गांव चौक महरूम, डाकघर रजापुर, थाना लालगोला, जिला मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), आयु 41 वर्ष, के पास दिया है।

जांच के दौरान जियारुद्दीन के मोबाइल फोन की टावर लोकेशन प्राप्त की गई, जो पश्चिम बंगाल में पाई गई। इसके उपरांत उससे फोन पर संपर्क कर उसे मनाली बुलाया गया। आज वह मनाली पहुंचा, जिसे पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है तथा पूछताछ उपरांत उसे विधि अनुसार गिरफ्तार किया जाएगा।

शिकायतकर्ता अनुसार चोरी हुआ समान, नकद राशि 2,00,000/ सोने का मंगलसूत्र (35 ग्राम), सोने की चेन (25 ग्राम), सोने की अंगूठी (4 ग्राम), सोने की एक जोड़ी झुमके (5 ग्राम), सोने की सिंगी (3 ग्राम), सोने का लॉकेट (गणपति अंकित, 5 ग्राम), सोने का चाक (5 ग्राम), सोने के टॉप्स की एक जोड़ी (5 ग्राम), सोने की तिल्ली (1 ग्राम), चांदी का चंद्रहार बुमणी (250 ग्राम), चांदी का तीन लड़ी वाला बुमणी (50 ग्राम), चांदी की 13 चूड़ियां (100 ग्राम), चांदी की तीन जोड़ी पायल (200 ग्राम), चांदी की कटोरी (लगभग 50 ग्राम) है।

खाना बनाने में सावधानियों पर पर दिया मार्गदर्शन

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक पाठशाला कटराईं में नग्गर खंड के राइट बैंक की पाठशालाओं के मिड डे मील कार्यकर्ताओं के लिए एकदिवसीय ऑनलाइन वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजकीय विद्यालय कटराईं की एमडीएम इंचार्ज सोनिका देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि नग्गर खंड के राइट बैंक की लगभग 82 पाठशालाओं के करीब एक सौ मिड-डे मील कार्यकर्ताओं ने एकदिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला में हिस्सा लिया। इस दौरान होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग इंस्टिट्यूट कुफरी के विशेषज्ञों ने वर्चुअल माध्यम से एमडीएम ने कार्यकर्ताओं को पाठशालाओं में बच्चों के लिए खाना बनाए जाने के दौरान बरती जाने वाली विशेष सावधानियां के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक पाठशाला कटराईं के प्रिंसिपल मंगल नेगी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मोदी सरकार ने दी राहत, कांग्रेस ने बढ़ाया बोझ : अखिलेश कपूर

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

भाजपा प्रवक्ता अखिलेश कपूर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने जनता को बड़ी राहत देते हुए सीमेंट पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया, जिससे देशभर में सीमेंट के दाम 40 से 50 रुपए प्रति बोरी कम हुए, लेकिन हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने सीजीसीआर कर बढ़ाकर सीमेंट के दाम 7 से 10 रुपए प्रति बोरी तक बढ़ा दिए, जिससे आपदा पीड़ित जनता को राहत की जगह दोहरा बोझ झेलना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जब प्रदेश भीषण आपदा से जूझ रहा है और हजारों परिवार अपने टूटे घरों का पुनर्निर्माण करने में लगे हैं, तब प्रदेश सरकार को सीजीसीआर में राहत देकर जनता को दोहरा लाभ देना चाहिए था। इसके विपरीत टैक्स बढ़ाना इस बात का सबूत है कि सुक्खू सरकार को अपने खजाने की चिंता है, आपदा पीड़ित जनता की नहीं। अखिलेश कपूर ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने केवल सीमेंट ही नहीं, बल्कि हर मोर्चे पर जनता की जेब पर डाका डाला है। बिजली के बिलों में 46 फीसदी की भारी बढ़ोतरी की गई है।

अस्पताल पर्ची और ओपीडी शुल्क में इजाफा किया गया है, पानी के बिल लगातार महंगे किए गए हैं, भूमि रिकॉर्ड फीस, स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्री शुल्क बढ़ाए गए हैं और बस किराया, पार्किंग शुल्क और टोल टैक्स तक बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र से अब तक हिमाचल को 7000 करोड़ रुपए की राहत राशि मिल चुकी है, प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि यह राशि आखिर कहां खर्च की गई। राहत राशि का उपयोग पुनर्निर्माण और जनता की मदद में करने की बजाय अन्य कार्यों पर करना आपदा पीड़ित जनता के साथ घोर अन्याय है।

सोझा सहित कई गांवों में आपदा प्रभावितों की अनदेखी : सुरेंद्र शौरी

अनंत ज्ञान, बंजार

बंजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र शौरी रविवार को ग्राम पंचायत खाड़ागाड़ व सजवाड़ के आपदा प्रभावित गांवों सौर, कोटलाधार, घियागी और सोझा के दौरे पर रहे। विधायक शौरी ने बताया कि ग्राम पंचायत सजवाड़ का सोझा गांव जमीन धंसने के कारण लगभग उजड़ चुका है।

लगातार धंस रहे भूभाग ने अब पूरे गांव को खतरे की जद में डाल दिया है। बरसात के चलते करीब दस मकान क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिस कारण तत्काल भूगर्भीय सर्वे की आवश्यकता है, ताकि राहत व पुनर्वास कार्यों के लिए ठोस योजना बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के अधिकांश गांव अब भी सड़क सुविधा से वंचित हैं, जिस कारण न तो राहत कार्य गति पकड़ पा रहे हैं और न ही पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। विधायक शौरी ने सरकार पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि फौरी राहत देने के मोर्चे पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कोटलाधार गांव में मकान पूरी तरह ध्वस्त होने के बावजूद प्रभावित तीन परिवारों को अब तक राहत राशि तक नहीं मिली है। यह स्थिति तब और शर्मनाक हो जाती है, जब यह गांव बंजार मुख्यालय से मात्र 8 किलोमीटर की दूरी पर एनएच-305 के किनारे स्थित है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को अब तक केवल नाम मात्र का राशन दिया गया है, जबकि वे बार-बार राहत राशि की मांग कर रहे हैं। यह सब कुछ सरकार की उपेक्षा और नाकामी को उजागर करता है।

माता रानी के भजनों से सराबोर हुआ भुंतर

अनंत ज्ञान, भुंतर। जय मां जागरण कमेटी भुंतर की ओर से इस वर्ष महामाई का 15वें जागरण की जगह कीर्तन चौकी का आयोजन धूमधाम से किया गया।

नवरात्र के शुभ अवसर पर उप्पल निवास स्थान पर रखी कीर्तन चौकी आयोजन में श्रद्धालुओं की भीड़ माता रानी से आशीर्वाद लेने को उमड़ी पड़ी। कीर्तन चौकी महोत्सव में देवी के जयकारों से भुंतर शहर गुंजायमान हो उठा, संपूर्ण वातावरण भक्ति के रस में सराबोर हो गया।

भुंतर में चल रहे कीर्तन चौकी महोत्सव में भक्तों ने माता की भेंटों को गाकर माहौल को भक्तिमय कर दिया। वहीं, इस धार्मिक कार्यक्रम में भंडारे का भी आयोजन किया गया। जय मां जागरण कमेटी के प्रधान राजेंदर उप्पल ने बताया कि प्राक्रितक आपदा के कारण इस बार जागरण को कीर्तन चौकी के रूप में मनाया गया ।

राम सिंह मियां ने ग्रामीणों का दुख किया साझा

अनंत ज्ञान, सैंज

एपीएमसी कुल्लू व लाहौल-स्पीति के चेयरमैन राम सिह मिंया ने ग्राम पंचायत बजौरा के दोगाधार और न्यूल के सुजेहेनी व शोगी गांव का दौरा किया।

इस दौरान एपीएमसी के चेयरमैन ने बजौरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बॉक्सिंग रिंग व किचन शेड का उद्घाटन किया और अंडर -19 गर्ल्स जिला स्तरीय टूर्नामेंट का भी शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और क्षेत्र में हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि आपदा से बंजार क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अब धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होने लगी है। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव तक बंजार विधानसभा क्षेत्र की सभी सड़कों पर लाइट मोटर व्हीकल चलने शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग पूरी कोशिश कर रहा है कि दशहरा उत्सव में कोई भी सड़क ऐसी न रहे, जहां पर लाइट मोटर व्हीकल न जा सके। उन्होंने कहा कि आपदा से जहां लोगों की निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। वहीं, सरकारी संस्थानों और भवनों को भी क्षति पहुंची है। एपीएमसी चेयरमैन राम सिह मियां ने कहा कि प्रभावित परिवारों की हर संभव सहायता सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशासन को राहत व पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

एपीएमसी के चेयरमैन राम सिंह मियां आपदा प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेते हुए।

उन्होंने कहा कि प्रभावितों की पीड़ा को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। राम सिंह ने कहा कि न्यूल और बंजौरा में स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने कहा कि वह कई प्रभावित परिवारों से मिले और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिया, जिन लोगों के आपदा के दौरान घर क्षतिग्रस्त हुए हैं उनके आंखों में आंसू देख करराम सिंह मिंया भावुक हुए। राम सिंह ने कहा कि जो लोगों का नुकसान हुआ है इसकी पूर्ति करना असंभव है, क्योंकि लोगों ने पूरे जीवन भर की कमाई अपने मकान को बनाने के लिए लगाई है, लेकिन फिर भी कोशिश की जाएगी, ताकि पीड़ित परिवारों को सरकार से ज्यादा से ज्यादा मदद दिलाई जा सके। उन्होंने कहा कि मैं बंजार विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में जाने की कोशिश कर रहा हूं, जहां पर में अभी नहीं पहुंचा हूं वहां पर प्रशासन को भेजा गया है और मैं भी स्वयं उन गांवों का दौरा स्वयं जल्द करूंगा।

सूरत-ए-हाल बंजार के गांवों में कई किलोमीटर दूर से लाना पड़ रहा पानी

पेयजल के लिए मची हाहाकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

आपदा के कारण जिला कुल्लू के कई गांवों में पेयजल की समस्या लोगों को झेलनी पड़ रही है। इसी कड़ी में जिला कुल्लू की बंजार घाटी के शाहुंला, पढ़ारनी, लौल, महण सदरली गांवों में पेयजल के लिए हाहाकार मची है। इन सभी गांवों में में पानी की सप्लाई बाधित होने के कारण ग्रामीणों को मजबूरन कई किलोमीटर दूर से किलटों में बर्तन डालकर पीठ पर पानी लाना पड़ रहा है।

पेयजल आपूर्ति बाधित होने के कारण पीठ पर पानी लाते ग्रामीण।

ग्रामीण प्रेम राणा, रमेश चंद्र ,केहर सिंह, दुनी चंद, हीरा लाल, रवि चंद, शेर सिंह, इंद्र सिंह, कुरमी राम, डोलाराम व लगन चंद के अनुसार पिछले दिनों भारी बारिश के कारण उठाऊ पेजल योजना बालीचौकी भी बंद है और जो सोर्स भी थे, वे भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस कारण पानी के लिए लोगों को आपदा से लेकर अब तक समस्या झेलनी पड़ रही है। वहीं, लोगों ने कहा कि क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा के कारण भारी नुकसान हुआ है, लेकिन इतना समय बीत जाने के बावजूद इन गांवों में कोई भी राजनेता लोगों का हाल जानने व नुकसान का जायजा लेने नहीं पहुंचे। जहां गाड़ी गई वहीं पर नेता जा रहे हैं और सोशल मीडिया में अपनी फोटो, वीडियो डालकर अपनी राजनीति चमका रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया है कि पेयजल बहाली के कार्य में तेजी लाने बारे संबंधित विभाग को निर्देश दें, ताकि लोगों को दिक्कतें न झेलनी पड़े। साथ ही लोगों ने सरकार व जलशक्ति विभाग को चेताया भी है कि अगर जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो तीन-चार दिन के बाद क्षेत्र की जनता धरना-प्रदर्शन करेगी।

भेखली माता के रथ के निर्माण के लिए कमांद से देवलू लाए लकड़ी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला की सारी कोठी की अधिष्ठात्री माता भुवनेश्वरी (भेखली माता)का नया रथ बनाया जा रहा है।

इसके लिए महाराजा घाटी के कमांद क्षेत्र से लकड़ी लाई गई। विगत शनिवार को माता के हजारों श्रद्धालु भेखली स्थित मंदिर से कमांद के लिए निकले थे। भेखली से लेकर कमांद तक देव वाद्ययंत्रों की धूनों से माहौल भी भक्तिमय रहा था। वहीं, रविवार को श्रद्धालु कमांद क्षेत्र से लकड़ी लेकर वापस मंदिर लौटे हैं। जिला मुख्यालय ढालपुर में रविवार को भी वाद्य यंत्रों के बीच हजारों श्रद्धालुओं का आगमन लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। माता के पुजारी राकेश ने बताया कि मान्यता है कि देवता पराशर ऋषि माता को रथ के निर्माण के लिए लकड़ी देते हैं। 50 सालों के बाद माता का नया रथ बनाया जा रहा। फाल्गुन मास में माता ने रथ बनाने के लिए हरियानों को निर्देश दिया था और उसके बाद से रथ बनाने के सभी प्रक्रिया को भी निभाया जा रहा रहा। हजारों श्रद्धालु रथ के निर्माण में प्रयोग होने वाली लकड़ी को लेने के लिए कमांद पहुंचे थे और लकड़ी लेकर वापस मंदिर लौटे हैं।

रजत जंबाल को फिर जिला कुल्लू प्राइवेट बस ऑपरेटर यूनियन की कमान

जिला कुल्लू प्राइवेट बस ऑपरेटर यूनियन की नव नियुक्त कार्यकारिणी।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला कुल्लू प्राइवेट बस ऑपरेटर यूनियन की बैठक रविवार को सरवरी स्थित यूनियन कार्यालय में आयोजित हुई। इस दौरान यूनियन के चुनाव भी करवाए गए।

इसमें एक बार फिर से रजत जंबाल को जिला कुल्लू प्राइवेट बस ऑपरेटर यूनियन के अध्यक्ष की कमान मिली। इसके अलावा राजेंद्र शर्मा उपप्रधान, जबकि विनय गोयल को फिर से महामंत्री मनोनीत किया गया। आरएम भारती कोषाध्यक्ष, जबकि जयवंत शर्मा व संदीप ठाकुर को अड्डा इंचार्ज नियुक्त किया गया। इसके अलावा अनवर भारती, अभय कपूर, विकास अवस्थी, सुरेश ठाकुर, चंदन करीर, भीमसेन को कार्यकारी सदस्य बनाया गया। इस मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष रजत जंबाल ने पूरी कार्यकारिणी का एक बार फिर उन पर विश्वास जताने के लिए आभार जताया। साथ ही उन्होंने कहा कि प्राइवेट बस ऑपरेटर की हर दिक्कतों व समस्याओं को पूर्व की भांति समय-समय पर सरकार व जिला प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राइवेट बस ऑपरेटर को इस बार भी प्राकृतिक आपदा के कारण भारी नुकसान झेलना पड़ा है। चुनाव के पश्चात नव नियुक्त कार्यकारिणी ने अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के दौरान बस सेवाओं को लेकर भी विस्तृत चर्चा की।

सिरमौर के दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष जयराम ने सुनी समस्याएं

अनंत ज्ञान, नाहन

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने जिला सिरमौर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करते हुए लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। अपनी यात्रा के दौरान वह सर्वप्रथम मां भंगायणी देवी दरबार पहुंचे और यहां नवरात्र में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। श्री रेणुका विधानसभा क्षेत्र के चौरास में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम को सुना और स्थानीय लोगों से मिले। इसके बाद वह अपनी सिरमौर प्रवास के दौरान श्री रेणुका जी और पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों से मिले।

उन्होंने नौहराधार और राजगढ़ में नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों से जुड़ी संगोष्ठी को संबोधित किया। जयराम ने कहा कि नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी देशवासियों को किसी भी त्योहार से बड़ा तोहफा है। इसका सबसे बड़ा तोहफा है। इस जीएसटी के लागू होने के बाद से सामान्य से चार पहिया वाहन की खरीद पर भी 50 हजार रुपए से अधिक की बचत हो रही है। मोटरसाइकिल खरीदने पर भी कम से कम 10 हजार रुपए लोगों के बच रहे हैं। कैंसर, थैलेसीमिया जैसी जानलेवा बीमारियों में प्रमुखता से इस्तेमाल होने वाली 31 दवाओं को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है।

घरेलू जरूरतों में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर प्रोडक्ट 5 फीसदी या फिर जीरो प्रतिशत जीएसटी के दायरे में आए हैं। जीएसटी के साथ ही मोदी सरकार ने आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख 75 कर दिया है। इन दोनों सुधारों से ही देशवासियों को हर साल ढाई लाख करोड़ रुपए की बचत होगी। जनसभा को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि यूपीए को मनमोहन सिंह सरकार में जो देश और प्रदेश के लोगों को जिन वस्तुओं पर 30 टैक्स देना पड़ता था, वह वस्तुएं आज 5 फीसदी टैक्स के दायरे में आ रही हैं। यूपीए के कार्यकाल में पेंट, डिटर्जेंट, शैंपू,कॉफी, टूथपेस्ट, मिनरल वाटर, कॉस्मेटिक जैसे सामानों पर 30 फीसदी का टैक्स लगाया जाता था, लेकिन नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी में इन पर 5 फीसदी टैक्स ही लग रहा है।

जिला प्रशासन रेलवे बोर्ड के समक्ष रखेगा चंबाघाट रेलवे फाटक का मुद्दा

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। विश्व धरोहर कालका-शिमला रेलवे लाइन के चंबाघाट में रेलवे फाटक को पूर्ण रूप से बंद करने के निर्णय की अधिसूचना को लेकर स्थानीय लोगों के कड़े विरोध को देखते हुए प्रशासन ने इस मामले को रेलवे व एनएचएआई के समक्ष उठाने का निर्णय लिया है।

25 सितंबर को इस मामले में स्थानीय लोगों ने अपनी आपत्तियां दर्ज करवा कर फाटक को बंद करने के निर्णय का कड़ा विरोध किया था, अब स्थानीय लोगों की मांग को जिला प्रशासन इससे जुड़े तथ्य को रेलवे के अधिकारियों के समक्ष रखेगा। प्रशासन ने माना कि इस रेलवे फाटक को बंद करना तर्कसंगत नहीं होगा क्योंकि इससे स्थानीय लोगों को कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। फोर लाइन से वाहनों की स्पीड काफी अधिक होती है, ऐसे में फाटक बंद होने के बाद यदि स्थानीय लोग फ्लाईओवर से जाकर डायवर्सन लेते हैं, तो इससे वाहन दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाएगी। साथ ही सोलन के ओल्ड बस स्टैंड सोलन तक डायरेक्ट कनेक्टिविटी भी बंद होगी। इससे नौकरीपेशा, स्कूली छात्रों और किसानों को सोलन शहर पहुंचने में दिक्कतें पेश आएंगी। इसी तरह चंबाघाट स्थित श्मशानघाट रेलवे फाटक बंद होने से डीआरएम कृषि विभाग सहित कृषि विभाग तक पहुंचना भी मुश्किल होगा। इससे पड़ग पंचायत सहित बुरुरी व सलोगड़ा के ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले वाहनों को फ्लाईओवर में एंट्री व एग्जिट करना भी जोखिम भरा होगा। स्थानीय लोगों के विरोध के बाद अब भाजपा और कांग्रेस के पार्षद भी फाटक बंद करने के विरोध में उतर आए हैं। चंबाघाट रेलवे फाटक को पूर्ण रूप से बंद करने के निर्णय को लेकर हुई जन सुनवाई में स्थानीय लोगों का विरोध सामने आया है। रेलवे फाटक को बंद करने का निर्णय तर्क संगत नहीं लग रहा है, ऐसे में इस मामले को रेलवे बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा।

विश्व धरोहर कालका-शिमला रेलवे लाइन के चंबाघाट का रेलवे फाटक।

एनएचएआई पर गुमराह करने का आरोप

स्थानीय निवासी व अधिवक्ता नीरज भारद्वाज ने तर्क दिया कि रेलवे फाटक आजादी के समय से ही लगा है। फोरलेन बनने से चंबाघाट में फ्लाईओवर बनने से बाहरी वाहन फाटक से होकर नहीं जाते, लेकिन सोलन शहर, सलोगड़ा, बुरी व पड़ग गांव के लोग फाटक को क्रॉस करके वाहनों की आवाजाही करते हैं यदि फाटक बंद होता है, तो चंबाघाट और पड़ग निवासियों को घर पहुंचने के लिए फ्लाई ओवर से होकर करीब एक किलोमीटर का सफर करना पड़ेगा। स्कूली बच्चों और दुकानदारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। फाटक बंद होने से श्मशानघाट की सड़क भी सोलन की तरफ से बंद हो जाएगी। बता दें कि रेलवे प्रशासन ने डीसी सोलन को रेलवे फाटक शुरू में अस्थायी तौर पर और एक महीने बाद दीवार लगाकर बंद करने को लेकर पत्र जारी किया है। साथ ही एनएचएआई व निर्माण कंपनी को भी इस बारे सूचित किया गया है।

कांग्रेस व भाजपा पार्षदों ने किया रेलवे फाटक बंद करने का विरोध

अनंत ज्ञान, सोलन

सोलन के चंबाघाट में रेलवे फाटक को बंद करने के विरोध में महापौर उषा शर्मा की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी के समस्त पार्षदों ने डीसी के माध्यम सोलन से महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश व केंद्रीय राष्ट्र राजमार्ग मंत्री को ज्ञापन भेजा।

वहीं, भाजपा पार्षदों ने उपमहापौर मीरा आनंद की अगुवाई व मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता की मौजूदगी में सांसद सुरेश कश्यप को ज्ञापन भेजकर रेलवे फाटक का मुद्दा केंद्र में उठाने की मांग की। शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि सांसद को भेजे ज्ञापन में अवगत करवाया गया कि सोलन के समीप चंबाघाट स्थित रेलवे फाटक, जो अंग्रेजों के समय से अस्तित्व में है, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-5 (कालका-शिमला मार्ग) पर स्थित है। यह फाटक पिछले लगभग एक वर्ष से 'ओवर ब्रिज' (फ्लाईओवर) बनने के पश्चात भी स्थानीय जनता की सुविधा के लिए प्रचलन में है, लेकिन अब रेलवे विभाग इस पुराने रेलवे फाटक को स्थायी रूप से बंद करने की योजना बना रहा है। इस फाटक के बंद होने से सोलनवासियों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों व असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा, जिनमें प्रमुख हैं चंबाघाट औद्योगिक क्षेत्र यहां प्रतिदिन भारी संख्या में श्रमिक व वाहन आते-जाते हैं। फाटक बंद होने पर उन्हें लंबा मार्ग तय करना पड़ेगा। शहर का प्रमुख मोक्ष धाम इसी मार्ग से जुड़ा है। फाटक बंद होने से अंतिम यात्रा के लिए श्मशानघाट जाने वालों को लगभग डेढ़-दो किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। फ्लाईओवर से चढ़ने-उतरने वाले मार्ग पहले ही दुर्घटना-प्रवण (एक्सीडेंट डेंजर जोन) हैं, जिससे लोगों की सुरक्षा और खतरे में पड़ जाएगी। रेलवे फाटक बंद होने की स्थिति में स्थानीय लोगों को न केवल अनावश्यक लंबा सफर तय करने से असुविधा होगी, बल्कि ट्रैफिक के फ्लाईओवर पर बढ़ने से दुर्घटना की संभावनाएं भी बनी रहेंगी। आईसीएआर डायरेक्टरेट ऑफ मशरूम रिसर्च यह राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित संस्थान है। फाटक बंद होने से संस्थान तक पहुंचने में भी बाधा उत्पन्न होगी।

न्यूज ब्रीफ

अमर संधू व नारायण को जिलाध्यक्ष की कमान

अनंत ज्ञान, बद्दी। भाजपा द्वारा इस बार दून हलके में दो अहम जिम्मेदारियां दी गई। इसमें जिला परिषद सदस्य अमर चंद संधू को भाजपा जिला सोलन अनुसूचित जाति मोर्चे के जिला अध्यक्ष बनाया गया। अमर चंद संधू इससे पहले 2019 से 2023 तक एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। उसके बाद वह भाजपा जिला सोलन के उपाध्यक्ष रह चुके हैं, अब उन्हें यह दोबारा जिम्मेदारी दी गई है, ताकि इस वर्ग में आने वाले सभी लोगों व कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती मिल सके। इसके अलावा दून हलके से ही नारायण दास को भाजपा जिला अनुसूचित जानजाति मोर्चे का जिला अध्यक्ष बनाया गया। इन दोनों की नियुक्ति से जहां जिले में भाजपा को मजबूती मिलेगी। वहीं, दून में भी संगठन मजबूत होगा। इन्होंने कहा कि संगठन ने जिस भरोसे से हमे यह जिम्मेदारी सौंपी है, उसे ईमानदारी व निष्ठा से निभाने का प्रयास करेंगे और संगठन की मजबूती के लिए जी जान से कार्य करेंगे। अमर संधू व नारायण दास ने अपनी इस नियुक्ति के लिए पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, पूर्व मंत्री डॉ राजीव सहजल, जिला अध्यक्ष रत्न सिंह पाल आदि का आभार जताया।

युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

अनंत ज्ञान, सोलन। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर एक भव्य मैराथन का आयोजन ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन व हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति, सोलन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करना और युवा बचाओ अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। मैराथन का शुभारंभ सुबह 6 बजे डिकैथलॉन सोलन से हुआ और इसका समापन लगभग 10 बजे पुलिस ग्राउंड, सोलन में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन यशपाल सिंह ठाकुर, पूर्व उपाध्यक्ष, जेसीसी बैंक द्वारा किया गया। समापन समारोह में एसी टू डीसी सोलन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस मैराथन में सोलन के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 350 से अधिक छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और मेडल देकर सम्मानित किया गया और साथ ही प्रतिभागियों के लिए जलपान और रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था सीनियर सिटीजन फोरम द्वारा की गई, जिसका योगदान सराहनीय रहा। मैराथन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि देश के युवा ही भविष्य हैं और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के आदर्शों पर चलना चाहिए। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के जनजागरूकता अभियानों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

माजरा दशहरा मेला सैनवाला में होने से निराशा

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। दशकों पुरानी परंपरा से जुड़ा माजरा दशहरा मेला अब लगातार तीसरे वर्ष भी माजरा की जगह पड़ोसी गांव सैनवाला के मैदान में आयोजित किया जा रहा है। इस बदलाव से न केवल माजरा के स्थानीय निवासियों में, बल्कि व्यापारियों में भी गहरी निराशा है। बताया जाता है कि माजरा दशहरा मेला लगभग 77 वर्षों से माजरा स्कूल मैदान में भव्य रूप से आयोजित होता आया है। यह मैदान गांव के केंद्र में होने के कारण स्थानीय लोगों व बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक माना जाता रहा है। यही कारण है कि दशकों से यह मेला माजरा की पहचान बन चुका था। शिक्षा विभाग व अदालत के आदेशों के अनुसार अब स्कूल परिसर में किसी भी प्रकार का बाहरी आयोजन नहीं हो सकता। इसी कारण आयोजकों को मजबूर होकर पिछले दो वर्षों से यह मेला सैनवाला गांव के मैदान में शिफ्ट करना पड़ा। नीरज बंसल ने बताया कि जब से होश संभाला है, इस मैदान में दशहरा देखा है। रावण दहन का नजारा पूरे गांव की शान हुआ करता था, अब दूसरी जगह आयोजन होने से लगता है, जैसे हमारी संस्कृति छिन गई हो। पुष्पा देवी (अध्यक्ष मेरा गांव मेरा देश एक सहारा संस्था) का कहना है कि मेले में महिलाएं सजधज कर आती थीं, घरों में मेहमान बुलाए जाते थे। यह सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि हमारे गांव की पहचान थी। अब बच्चों को कैसे समझाएं कि दशहरा पहले यहीं होता

डिजिटल लेन-देन के बारे में जानकारी दी

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राज्य सहकारी बैंक शाखा यशवंतनगर द्वारा पंचायत भवन नेई नेटी व विद्यालय नेई नेटी में दो अलग-अलग वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में शाखा प्रबंधक शितांशु वरमानी ने ग्रामीणों और विद्यार्थियों को वित्तीय सेवाओं, बचत की महत्ता तथा डिजिटल लेन-देन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बैंक के अधिकारियों ने उपस्थित पंचायत सदस्यों व ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी योजनाओं के लाभों से अवगत करवाते हुए उनसे इनसे जुड़ने का आह्वान किया। इसके अतिरिक्त किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, लोन, वेतन ऋण, व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण एवं वाहन ऋण जैसी बैंकिंग सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया।

2 अक्तूबर तक चलेगा व्यापक स्वास्थ्य अभियान

अनंत ज्ञान, अर्की। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रम अभियान के तहत नागरिक चिकित्सालय अर्की में एक कार्यक्रम खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुक्ता रस्तोगी की अगुवाई में शुरू किया गया। अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना व नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार लाना, महिलाओं और बच्चों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श प्रदान करना, आयरन और फोलिक एसिड सप्लीमेंट वितरित करना और मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड प्रदान करना, टीकाकरण सेवाएं और पोषण परामर्श प्रदान करना रहा। 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चलने वाला यह अभियान महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। इसमें एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जाएगी। अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविरों में जाकर सीधे भाग लिया जा सकता है।

छात्रों को मताधिकार के महत्व से अवगत कराया

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला शरगांव में मतदाता साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गांव-गांव के समीप रैली निकालकर नारेबाजी की और लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में युवाओं के योगदान पर बल दिया।कार्यक्रम प्रभारी प्रवक्ता निखिल तोमर और कार्यक्रम संयोजक दलीप वर्मा ने विद्यार्थियों को मताधिकार के महत्व पर विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने अभिभावकों व पड़ोसियों को भी मतदान की महत्ता समझाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। स्कूल के प्रधानाचार्य सुधीर शर्मा ने बच्चों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता लाने में सहायक सिद्ध होते हैं। दलीप वर्मा ने प्रोजेक्टर के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुति भी दी।

कंडाघाट की पंचायतों के वार्डों के आरक्षण अधिसूचना जारी

प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान

कंडाघाट। पंचायत चुनावों की तैयारी के तहत कंडाघाट ब्लॉक की सभी 26 ग्राम पंचायतों के वार्डों के आरक्षण की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह अधिसूचना खंड विकास अधिकारी राजेश ठाकुर द्वारा पंचायती राज निर्वाचन नियम 1994 के नियम 28 के अंतर्गत जारी की गई है।

अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक पंचायत में महिलाओं और अनुसूचित जाति वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए वार्डों को आरक्षित किया गया है। ग्राम पंचायत कनेर के वार्ड सेर को अनुसूचित जाति महिला के लिए, रुगड़ा को महिला के लिए, जबकि शेरर को अनारक्षित घोषित किया गया है। इसी तरह ग्राम पंचायत जधाना में शमोत और बनगढ़ अनारक्षित रखे गए हैं, वहीं कन्यारी महिला और चयावग अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित है। ग्राम पंचायत काहला के बधावनी, दांवटी-2 को अनुसूचित जाति महिला वर्ग में आरक्षित किया गया है, जबकि काहला वार्ड अनारक्षित रहेगा। सायरी पंचायत के लाड़ली, नीऊ, कोट वार्ड अनुसूचित जाति वर्गों के लिए आरक्षित किए गए हैं। कोट पंचायत में कदीर अनुसूचित जाति महिला, कोट अनुसूचित जाति, और बोधन महिला के लिए आरक्षित हैं। बाशा पंचायत में बाशा-1 अनुसूचित जाति, बाशा-2 महिला तथा बगेटू अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित किए गए हैं। बीशा पंचायत में अधिकतर वार्ड महिलाओं और अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित हैं। टुंदल, बांजनी, हिन्नर, ममलीग, देलगी, पीधना, कवारग, मही, सीरिनगर, झाझा, चायल, नगाली, धंगील, वाकना, छावशा, सतडोल, सकोड़ी, सैंज और रहेड पंचायतों में भी इसी प्रकार आरक्षण किया गया है। कई वार्डों को अनारक्षित रखा गया है जिससे सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को भी अवसर मिल सके। वहीं, महिलाओं और अनुसूचित जाति वर्ग को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देकर पंचायतों में भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस आरक्षण प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना है, ताकि स्थानीय शासन व्यवस्था अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बन सके। यह कदम सामाजिक न्याय और ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ग्राम पंचायत सतडोल का वार्ड कांशीपट्टा महिला, सतडोल एक अनुसूचित जाति, सतडोल दो अनारक्षित, ढबलोग अनुसूचित जाति, कुम्हाली अनुसूचित जाति महिला, घाट कुम्हाला अनुसूचित जाति महिला, बांजनी अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित है। पंचायत सैंज का क्यारटू महिला, सैंज अनारक्षित, कोटला अनुसूचित जाति, कोहरी महिला, कसौली अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित है। ग्राम पंचायत रहेड के वार्ड रहेड अनुसूचित जाति महिला, रहेड एक अनुसूचित जाति महिला, रहेड दो महिला, टझाजी अनारक्षित और टिक्करी अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है।

भगवान राम की आज्ञा से लक्ष्मण ने किया पंचवटी में कुटिया का निर्माण

अनंत ज्ञान, सोलन

जगदंबा रामलीला मंडल द्वारा गंज बाजार सोलन में सातवें दिन की राम लीला दिखाई गई।

इसमें भगवान राम की आज्ञा से लक्ष्मण द्वारा पंचवटी में कुटिया का निर्माण किया गया। पंचवटी में सरूपनखा ने आकर राम और लक्ष्मण को विवाह का प्रस्ताव दिया, लेकिन दोनों के मना करने पर सीता के ऊपर हमले का प्रयास सरूपनखा द्वारा किया गया, लक्ष्मण द्वारा सरूपनखा की नाक और कान काटने की लीला दिखाई गई, कटी नाक ले कर सरूपनखा अपने भाई खर और दूषण के पास गई। खर और दूषण ने कहा कि वह तीनों के सिर काट कर सरूपनखा के चरणों में अर्पित कर देंगे। राम और लक्ष्मण का खर और दूषण से भयंकर युद्ध हुआ, खर और दूषण का वध हुआ, जिसे देख कर

दर्शकों मंत्र मुग्ध हो गए। खर और दूषण के मारे जाने के बाद सरूपनखा लंका पति रावण के दरबार में जाती है और रावण को सारी बात बताती है कि कैसे उन राजकुमारों ने खर और दूषण का संहार किया। रावण अपनी बहन की दशा देख कर अत्यंत क्रोधित हुआ और सरूपनखा को वचन दिया कि तेरी नाक काटी का बदला वह सीता हरण कर लेगा, रावण ने मारीच को सोने का हिरण बनने के लिए विवश किया। सोने का हिरण देखकर सीता जी के मन में उसे पाने की प्रबल इच्छा जाग गई और राम जी को उसे पकड़ कर लाने के लिए भेज देते हैं, मायावी मारीच ने मरते हुए राम जी आवाज में लक्ष्मण को पुकारा, राम जी की करुण पुकार सुन कर सीता जी ने लक्ष्मण को राम जी की सहायता के लिए जाने के लिया विवश कर दिया। लक्ष्मण माता सीता को समझाते रहे पर उन्होंने एक न मानी, लक्ष्मण द्वारा एक रेखा का निर्माण कर राम जी के पास जाना दिखाया गया। लक्ष्मण के जाने के बाद रावण का पंचवटी में आना, जैसे ही वह लक्ष्मण रेखा के पास गया, वहां अग्नि प्रकट हो गई, रावण ने फिर साधु रूप बनाया और सीता जी से भीक्षा मांगी ,सीता जी जब कुछ फल रावण को देने आई वह अपने रुप में वापस आ गया और सीता जी का हरण कर लिया।

हिमुडा का डिविजनल कार्यालय घुमारवीं किया शिफ्ट : विनय गुप्ता

अनंत ज्ञान, नाहन

प्रदेश के बेरोजगार युवा अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विनय गुप्ता ने सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन से हिमुडा का डिविजनल कार्यालय शिफ्ट करने पर प्रदेश सरकार को घेराबंदी की है और आरोप लगाया है कि सरकार द्वारा सिर्फ चहेतों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। विनय गुप्ता जिला मुख्यालय नाहन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा अपने करीबी मंत्री को लाभ पहुंचाने के मकसद से हिमुडा के सालों से नाहन में चल रहे डिविजनल कार्यालय को घुमारवीं भी शिफ्ट किया गया है, जो न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा कि लगातार सरकार द्वारा राजनीतिक दृष्टि से सरकारी कार्यालय को शिफ्ट किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार जिन वादों को लेकर सत्ता में आई थी, वह वादे पूरे नहीं हो पाए हैं। सरकार में बैठे लोगों को सिर्फ अपनों की चिंता सता रही है। विनय गुप्ता ने आरोप लगाया कि प्रदेश की सरकार द्वारा युवाओं के साथ वादा खिलाफी की जा रही है। सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों में सृजित पदों को खत्म किया जा रहा है और अकेले हिमुडा में एक साथ 347 पदों के साथ-साथ मुख्य अभियंता के पद को भी खत्म किया गया, जो बेहद निंदनीय फैसला है। उन्होंने कहा कि सालाना युवाओं को एक लाख रोजगार देने का वादा कांग्रेस ने किया था, मगर अब सभी प्रदेश के बेरोजगार युवा अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे है और प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।

सरकार राज्य के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध : डॉ. शांडिल

अनंत ज्ञान, सोलन

सोलन के शामती में आपदा प्रभावित को जमीन का आवंटन करते मंत्री कर्नल शांडिल।

सोलन विधानसभा क्षेत्र के शामती के आपदा प्रभावित 17 परिवारों के लिए आज का दिन विशेष रहा।

मुख्यमंत्री सुक्खू के निर्देशानुसार प्रदेश के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय व अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री व सोलन के विधायक कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने इन परिवारों को अपना घर बनाने के लिए चिन्हित भूमि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए। डॉ. शांडिल ने इस अवसर पर कहा कि आपदा में जिन परिवारों ने अपना सब कुछ खोया है, उसकी भरपाई नहीं की जा सकती, लेकिन प्रदेश सरकार अपने सीमित संसाधनों के साथ यह सुनिश्चित बना रही है कि प्रभावितों को रहने के लिए समुचित भूमि उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भारी वर्षा के कारण भीषण आपदा से प्रभावित परिवारों को अपने संसाधनों से समय पर राहत पहुंचाई जा रही है। डॉ. शांडिल ने कहा कि राजस्व विभाग द्वारा आपदा विशेष राहत पैकेज के अंतर्गत चिन्हित परिवारों को भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए जाने के लिए आयोजित समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है।

स्वच्छता में जनसहयोग जरूरी

अनंत ज्ञान, कंडाघाट। विकास और स्वच्छता में जनसहयोग आवश्यक है इसलिए समाज का हर व्यक्ति इन कार्यों में सहयोग करे। यह बात रविवार को हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल ने कंडाघाट नगर पंचायत के कूड़ा कचरा एकत्र करने वाले नए वाहन का लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत को 20 लाख लागत से जो नया वाहन मिला है, वह क्षेत्र की स्वच्छता में सहयोग करेगा। उन्होंने एंबुलेंस सड़क दोलग व नगर पंचायत की निर्माणाधीन पार्किंग का काम पूरा करने का प्राक्कलन तैयार करके सरकार को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन दोनों काम को पूरा करने के लिए बजट स्वीकृत किया जाएगा।

यमुना शरद महोत्सव में होगी ग्रैंड डिबेट प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। यमुना शरद महोत्सव के अंतर्गत इस वर्ष एक भव्य ग्रैंड डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं की सोच, तर्कशक्ति और अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ समाज के सामने अपनी बात रख सकें। प्रतियोगिता में पांवटा साहिब उपमंडल के 51 स्कूलों की टीमें भाग ले रही हैं। इन सभी टीमों में से केवल एक टीम को विजेता घोषित कर विजय ताज पहनाया जाएगा।

आयोजन समिति ने स्पष्ट किया कि इस प्रतियोगिता का मकसद केवल विजेता चुनना नहीं, बल्कि युवाओं को प्रोत्साहित करना है कि वे अपनी आवाज, ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ समाज में आगे बढ़ें।

आयोजन

ग्राम पंचायत कोटलू में किए 72 लाख रुपए की लागत के लोकार्पण व शिलान्यास

आत्मनिर्भर गांव ही हिमाचल की समृद्धि का आधार : अवस्थी

अनंत ज्ञान, अर्की

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव को आत्मनिर्भर बनाकर हिमाचल की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में अग्रसर है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण आर्थिकी को गति प्रदान करने वाली नवीन योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। संजय अवस्थी ने अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोटलू में 50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने ग्राम शेरा में 21.63 लाख की लागत से निर्मित होने वाले पंचवटी पार्क की आधारशिला भी रखी। संजय अवस्थी ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री सुक्खू के गतिशील नेतृत्व में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न नवीन योजनाएं आरंभ की गई हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के लाभकारी परिणामों से किसानों, बागवानों व पशुपालकों को व्यापक स्तर पर राहत मिल रही है।

उन्होंने कहा कि किसानों व पशुपालकों की आर्थिकी सुदृढ़ करने के लिए गेहूं, मक्की व हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है। गाय के दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 45 रुपए से बढ़ाकर 51 रुपए प्रति लीटर तथा भैंस के दूध के मूल्य को 55 रुपए से बढ़ाकर 61 रुपए प्रति लीटर

ग्राम पंचायत कोटलू में जन समस्याएं सुनते अर्की के विधायक संजय अवस्थी।

किया गया है। इससे किसानों व पशुपालकों की आर्थिकी में आशातीत सुधार आ रहा है। विधायक ने इस अवसर पर पंचायत घर कोटलू के निर्माण कार्य के लिए भूमि दान करने वाले संत राम और प्रकाश चंद को सम्मानित किया। संजय अवस्थी ने मोक्ष धाम बरश्णु और फुगाना के लिए 1.5-1.5 लाख रुपए, राजकीय माध्यमिक विद्यालय शेरा में दो अतिरिक्त कमरों के निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपए तथा महिला मंडल शेरा, समाना, फुगाना और बरश्णु को 11-11 हजार रुपए देने की घोषणा की। विधायक ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को इनके जल्द निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर महिला मंडल की सदस्यों ने स्वागत गीत, समूह गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

भाजपा एससी मोर्चा ने बदला जिला नेतृत्व मनीष चौहान ने 16 जिलाध्यक्ष किए नियुक्त

अनंत ज्ञान, नाहन

हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अनुसूचित जाति मोर्चा ने 2027 विधानसभा चुनावों से पहले संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष चौहान ने प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व से व्यापक चर्चा के बाद, सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को साधते हुए 16 जिला व संगठनात्मक जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां की हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

चौहान ने इन नियुक्तियों की घोषणा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें डॉ. बिंदल द्वारा जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उस पर वह पूरी तरह से खरा उतरने की कोशिश करेंगे। चौहान ने जोर देकर कहा, शीर्ष नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उसे मैं जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करके साबित करूंगा। मनीष चौहान ने बताया कि इस संगठनात्मक फेरबदल के तहत जिला सिरमौर की जिम्मेदारी संदीप तोमर को दी गई है, जबकि शिमला से पूरणमल को दायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में, चंबा से नरसिंह धीमान, कांगड़ा से राजेश हीर, नूरपुर से सोमराज, पालमपुर से कैप्टन अमीचंद और देहरा से कमल नयन डोगरा को नियुक्त किया गया है। उन्होंने जिला अध्यक्षों की सूची जारी रखते हुए बताया कि लाहौल-स्पीति से रमेश चंद गुलेपा, कुल्लू से गंगा सिंह, मंडी का दायित्व खेमचंद संध्याना, सुंदरनगर का दायित्व ख्याली राम शास्त्री, हमीरपुर से राजकुमार और ऊना का दायित्व सुरम सिंह को सौंपा गया है। इसके अलावा, बिलासपुर का जिम्मा बेलीराम टैगोर, सोलन से अमर संधू तथा महासू का दायित्व विक्रम जिंटा को दिया गया है। चौहान ने स्पष्ट किया कि यह नया नेतृत्व तुरंत प्रभाव से आगामी चुनावों को देखते हुए अनुसूचित जाति समुदाय के बीच पार्टी की पहुंच को और मजबूत करने के लिए काम शुरू करेगा।

न्यूज ब्रीफ

राज्यपाल ने दुर्गा पूजा समारोह का किया शुभारंभ

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने आज पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित सामुदायिक केंद्र में दुर्गा पूजा समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष के साथ दुर्गा पूजा में भाग लिया और प्रदेशवासियों को दुर्गा पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन ट्राईसिटी दुर्गा बाड़ी द्वारा किया जा रहा है, जो पंचकूला में सामाजिक-सांस्कृतिक पहलों और धर्मार्थ गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाला एक सक्रिय युवा संगठन है। दुर्गा पूजा समारोह 1 अक्टूबर तक सामुदायिक केंद्र सेक्टर-20 में आयोजित किया जाएगा। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि, दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह धर्म, साहस और बुराई पर अच्छाई की विजय जैसे शाश्वत मूल्यों की पुनः पुष्टि है। यह उत्सव जाति, पंथ और समुदाय की सीमाओं से परे जाकर लोगों को एक साथ लाने का कार्य करता है। उन्होंने आगे कहा कि यह पर्व समाज के सभी वर्गों की भागीदारी को बढ़ावा देता है, चाहे वह आयोजन समितियों के माध्यम से हो, सांस्कृतिक और कलात्मक प्रस्तुतियों के रूप में हो या फिर सामूहिक उत्सव के तौर पर। यह सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सौहार्द का अनुपम उदाहरण है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हो रहा अनुकरणीय कार्य : असीम

अनंत ज्ञान, चडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और स्वस्थ परिवार एक-दूसरे के पूरक हैं। जहाँ महिला सशक्त होती है, वहां परिवार अधिक जागरुक, शिक्षित और संगठित होता है और जहाँ परिवार स्वस्थ होता है, वहां महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। राज्यपाल असीम कुमार घोष हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा आज इंद्रधनुष ऑडिटोरियम सेक्टर-5 पंचकूला में आयोजित ''स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष और हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा श्रीमती सुमन सैनी विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को वह अधिकार और अवसर देना आवश्यक है जो उन्हें आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समाज में समान भागीदारी वाला बनाए। उन्होने कहा कि उन्हे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की सराहना करते हुए राज्यपाल असीम कुमार घोष ने कहा कि परिषद 1971 से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकरणीय कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री ने लोकल फॉर वोकल पर दिया जोर : पंवार

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने रविवार को पानीपत के मडलौडा में व्यापारियों के बीच प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का 126वां एपिसोड को सुना और उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि आज भारत मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को कई सकारात्मक विषय दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मन की बात का यह कार्यक्रम हर महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होता है और देश के नागरिकों के साथ सीधे संवाद का एक सशक्त माध्यम बन गया है। आज के संबोधन में प्रधानमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की है। जिन में प्रधानमंत्री मोदी ने लोकल फॉर वोकल का जोर दिया है और स्वदेशी अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज जनभागीदारी और सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बात की है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों द्वारा किए गए प्रेरणादायक कार्यों और नवाचारों का उल्लेख भी किया है। प्रधानमंत्री ने आगामी त्योहारों पर शुभकामनाएं दीं और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं और छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ा परिवर्तन लाएं। श्री पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अपील की है कि आगामी त्योहारों को देखते हुए स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देकर खरीदें। स्थानीय उत्पाद खरीदना न केवल पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा देता है, बल्कि इन उत्पादों को बनाने वाले परिवारों को भी सीधे लाभ पहुंचाता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था निचले स्तर से मजबूत होती है।

जीएसटी में सुधार से साकार होगा एक राष्ट्र-एक कर का सपना : सीएम सैनी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए गत 22 सितंबर को जीएसटी सुधार लागू किए हैं। जीएसटी की इस नई प्रणाली से हरियाणा की जनता को लगभग चार हजार करोड़ रुपए का लाभ होगा।

ये सुधार आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर हरियाणा बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम में उद्यमियों के साथ सीधा संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी उद्यमियों को नवरात्रों के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। जीएसटी में सुधार करने की घोषणा प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की थी और मात्र एक महीने के भीतर वह घोषणा पूरी हो चुकी है।

स्वदेशी अपनाने से बनेगा आत्मनिर्भर भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी का आह्वान किया है, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की है और अभी अपनी जापान यात्रा के दौरान मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड का विजन रखा है। उसे साकार करने में भी ये सुधार महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर जीएसटी दरों को कम कर दिया गया है और कुछ पर इसे बिल्कुल समाप्त कर दिया गया है। लोगों पर टैक्स का बोझ और कम करने के लिए सेस को भी खत्म कर दिया गया है। पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाया।

बड़ी राहत बना जीएसटी सुधार : राव नरबीर सिंह

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने जीएसटी बचत उत्सव-2025 सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जीएसटी स्लैब में किया गया सुधार आम नागरिकों के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव लाने वाला है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जीएसटी सुधार से देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि नए जीएसटी दरों को लागू करने में व्यापारियों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। उनकी रिकवरी पूरी तरह सुनिश्चित है।

कॉरपोरेट क्षेत्र ने सरस्वती नदी पुनर्जीवन परियोजना के लिए बढ़ाया हाथ

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा में प्राचीन धरोहर सरस्वती नदी के पुनर्जीवन कार्य को कॉरपोरेट क्षेत्र का सहयोग मिल रहा है। इंटरसॉफ्ट डाटालैब्स एंड सॉल्यूशंस प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक संदीप पासी ने आज हरियाणा सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड को 36 लाख रुपए का चेक भेंट किया। यह राशि मुख्यमंत्री सैनी और बोर्ड के उपाध्यक्ष धूमन सिंह किर्माच को सी-एस्सार में आयोजित समारोह के दौरान सौंपी गई।

मुख्यमंत्री सैनी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृति के संवर्धन और संरक्षण में अब उद्योग जगत भी आगे आ रहा है। उनका योगदान हमारी समृद्ध धरोहर को जीवंत करने में महत्वपूर्ण है। कंपनी के सीएसआर के तहत दी गई इस राशि पर संदीप पासी ने कहा कि सरस्वती बोर्ड हमारी सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने का उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। इस पावन अभियान से जुड़कर हमें गर्व है। धूमन सिंह किर्माच ने बताया कि सरस्वती नदी को सफलतापूर्वक 400 किलोमीटर से अधिक दूरी तक प्रवाहित किया जा चुका है।

दो दिवसीय स्पेशल ओलंपिक खेल उत्सव का हुआ समापन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

लायंस क्लब चंडीगढ़ सेंट्रल और स्पेशल ओलंपिक्स भारत, चंडीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में यहां सेक्टर 7 स्थित स्पोर्ट्स कंप्लेक्स में आयोजित दो दिवसीय स्पेशल ओलंपिक खेल उत्सव आज संपन हो गया। इस खेल महोत्सव में असामान्य गर्म मौसम के बावजूद 270 प्रतिभागियों ने अपने माता-पिता के साथ विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया।

महोत्सव की खास बात यह रही की इसमें कोई भी फर्स्ट , सेकंड या थर्ड नहीं था, सभी प्रतिभागी बच्चे विजेता थे। सभी प्रतिभागी बच्चों को आज समापन कार्यक्रम के दौरान मुख्य मेहमान जस्टिस विकास बहल की ओर से मेडल और सर्टिफिकेट देकर सन्मानित किया गया। समापन पर स्पेशल बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर यह साबित कर दिया कि वह भी किसी से कम नहीं और मौके पर उपस्थित लोगों को तालियां बजाने पर मज़बूर कर दिया।

खेल महोत्सव के समापन के दिन पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के माननीय जस्टिस विकास बहल बतौर मुख्य मेहमान उपस्थित होकर सभी प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आज इस खेल महोत्सव में प्रतिभागी बच्चों में जो जोश देखने को मिला, उन्होंने वह आम अन्य खेलों में भी नहीं देखा। उन्होंने सभी को इस कार्यक्रम को लेकर बधाई दी और धन्यवाद कहा कि ऐसा वंडरफुल इवेंट करने के लिए सभी आयोजक बधाई के पात्र है। उन्होंने आगे कहा कि आज के युग में खेलों का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है।

विश्व हृदय दिवस में साइक्लोथॉन में 150 लोगों ने लिया हिस्सा

अनंत ज्ञान, मोहाली

रविवार को विश्व हृदय दिवस की पूर्व संध्या पर हृदय-स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने और हृदय रोगों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मैक्स अस्पताल, मोहाली द्वारा आयोजित साइक्लोथॉन में 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

साइक्लोथॉन को मैक्स अस्पताल से रवाना किया गया और चंडीगढ़ के लेक क्लब में इसका समापन हुआ। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा, प्रिंसिपल कंसलटेंट कार्डियोलॉजी डॉ. राकेश शर्मा, कंसलटेंट कार्डियोलॉजी डॉ. प्रिंस कुमार और सीनियर कंसलटेंट कार्डियक एनेस्थीसिया डॉ. शैलेश ओझा उपस्थित थे। एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मैक्स हॉस्पिटल,

साइक्लोथॉन को मैक्स अस्पताल से किया रवाना

मोहाली डॉ. पिनाक मौदगिल ने कहा, हृदय रोग भारत में मृत्यु दर के प्रमुख कारणों में से एक हैं, लेकिन जीवनशैली में बदलाव लाकर इन्हें काफी हद तक रोका जा सकता है।

सक्रिय जीवन शैली और शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर, हम जागरूकता पैदा करना चाहते हैं और लोगों को अपने हृदय स्वास्थ्य पर नियंत्रण रखने के लिए सशक्त बनाना चाहते हैं। आज के साइक्लोथॉन ने न केवल सक्रिय जीवन शैली के महत्व पर ज़ोर दिया, बल्कि स्वस्थ समुदायों के निर्माण के संकल्प को भी मजबूत किया।

शहीद भगत सिंह के लिए राष्ट्रवाद था सर्वोपरि : अनुराग

अनंत ज्ञान, खटकड़ कलां

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने उनके पैतृक गांव खटकड़ कलां में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भाग लिया। उन्होंने युवाओं के साथ एक विशाल बाइक रैली निकालकर उनके विचारों और मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

सभा को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा, 'भगत सिंह केवल क्रांतिकारी नहीं, बल्कि एक विचारक और राष्ट्रनिर्माण की वैकल्पिक सोच रखने वाले चिंतक थे। उनके विचार आज भी युवाओं को दिशा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि भगत सिंह ने राष्ट्र को सर्वोपरि माना और अपने प्राणों की आहुति दी। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विभाजन की त्रासदी कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम थी, जिससे पंजाब और बंगाल को असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ी।

'ननकाना साहिब और करतारपुर जैसे तीर्थ पाकिस्तान को सौंप दिए गए, लेकिन मोदी सरकार ने करतारपुर कॉरिडोर खोलकर सिखों की भावनाओं का सम्मान किया,' उन्होंने कहा। वामपंथियों पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा, 'आज भी कुछ वामपंथी भगत सिंह की तस्वीर के पीछे छिपकर देशविरोधी कार्यों को छुपाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि भगत सिंह का बलिदान, सोच और साहस हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। मोदी सरकार ने चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखकर उन्हें सच्चा सम्मान दिया।

नई जीएसटी दरों से मध्यम वर्ग को होगा लाभ

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीएसटी की दरों को घटाकर ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। इसका सबसे ज्यादा फायदा देश के गरीब एवं मध्यम वर्ग को होगा। इस बदलाव से एक ओर जहां रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में कमी हुई है वहीं दूसरी ओर छोटे उपकरण व वाहनों की कीमत भी कम हुई है। जिन लोगों ने वाहन बुक किए थे, अब उन्हें वही वाहन कम कीमत पर मिल रहे हैं। इसके लिए लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार भी व्यक्त किया है। श्री कृष्ण लाल पंवार रविवार को पानीपत में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने नई जीएसटी दरों को लेकर व्यापारियों से चर्चा भी की।

देश-विदेश

दुस्साहस करोगे, तो जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे : सीएम योगी

एजेंसी, बलरामपुर

बरेली में जुमे पर 'आई लव मोहम्मद' को लेकर हुए बवाल पर सीएम योगी ने कहा- अराजकता कतई स्वीकार नहीं है। बिना मांगे जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे। लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इनको लगता है कि सरकार अब भी झुककर काम करेगी, लेकिन अब दुस्साहस करोगे तो वैसे ही पिटोगे, जैसे बरेली में पीटे गए। इन मूर्खों को पता नहीं कि आस्था को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है।

जिन बच्चों के हाथों में कलम होनी चाहिए, उनके हाथों में 'आई लव मोहम्मद' का पोस्टर देकर अराजकता फैला रहे हैं। उनकी जिंदगी तो बर्बाद है ही, उन बच्चों की भी बर्बाद कर रहे। सीएम ने बलरामपुर में रविवार को ये बातें कहीं। उन्होंने यहां 825 करोड़ रुपए की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इससे पहले योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में आदिशक्ति मां पाटेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान बच्चों को देखकर उनके पास पहुंचे। हाल-चाल जाना, चॉकलेट दी। (अनंत ज्ञान)

बोले-भारत की धरती पर नहीं चलेगा गजवा-ए-हिंद

योगी ने कहा कि कुछ लोग भारत में रहते हैं, मगर गजवा-ए-हिंद का नारा देकर देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। गजवा-ए-हिंद भारत की धरती पर नहीं होगा। यह धरती महापुरुषों की भूमि है। यह देश उन महापुरुषों के आदर्शों पर चलता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। गजवा-ए-हिंद की कल्पना की तो जहन्नुम का टिकट बन जाएगा। जो लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त हैं, वे कान खोलकर सुन लें, देर-सवेर उनका भी धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर जैसे हाल होगा।

अमेरिका: गोलीबारी में 3 लोगों की मौत

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां राज्य के तटीय शहर साउथपोर्ट में शनिवार देर रात एक गंभीर गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम आठ लोग घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब एक बार में जमा भीड़ पर किसी व्यक्ति ने नाव से गोलियां चला दीं। जानकारी के अनुसार, यह घटना रात लगभग साढ़े नौ बजे हुई, जो साउथपोर्ट के तट पर स्थित बार और रेस्टोरेंट के एक लोकप्रिय इलाके के पास हुई। साउथपोर्ट विलमिंगटन से करीब 48 किलोमीटर दक्षिण में एक ऐतिहासिक बंदरगाह वाला शहर है। आरोपी व्यक्ति एक छोटी नाव लेकर समुद्र के किनारे के पास आया, थोड़ी देर रुका और फिर भीड़ में गोलियां चलाकर वहां से तेजी से भाग गया। पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। (अनंत ज्ञान)

भाजपा-आरएसएस के निशाने पर लद्दाख की संस्कृति : राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली

लेह हिंसा के 4 दिन बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का रिएक्शन आया है। राहुल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि लद्दाख के अद्भुत लोग, संस्कृति और उनकी परंपराएं भाजपा और आरएसएस के निशाने पर हैं। लद्दाख के लोगों ने आवाज उठाई। भाजपा ने जवाब में चार युवकों की हत्या कर दी और सोनम वांगचुक को जेल में डाल दिया। यह हत्या बंद करो। ये हिंसा बंद करो और लद्दाख के लिए आवाज उठाओ। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में 24 सितंबर को हिंसक प्रदर्शन हुआ था। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोग घायल हैं। (अनंत ज्ञान)

लेह में लगातार पांचवें दिन लगा रहा कर्फ्यू

राहुल की यह टिप्पणी पिछले दिनों लेह में हुई हिंसा के बाद आई है। इसमें सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा प्रभावित लेह में रविवार को लगातार पांचवें दिन कर्फ्यू लागू रहा। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने पर फैसला लेने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक करने वाले हैं। राज्य का दर्जा और लद्दाख में छठी अनुसूची के विस्तार के मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान बुधवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। शनिवार को लेह में चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई।

खालिस्तानी नारे लिखने वालों का एनकाउंटर

एजेंसी, अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में खालिस्तानी नारे लिखने वाले बदमाशों का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी के पैर पर गोली लगी है, जबकि दूसरे को पुलिस पकड़ने में कामयाब रही। पकड़े गए दोनों ही साथ खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के साथी हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि पन्नू के साथी अमृतसर में कचहरी परिसर के आसपास घूम रहे है। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें रवाना कर दी। लेकिन, आरोपियों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इसमें एक आरोपी के पैर पर गोली लगी, जबकि दूसरे को पकड़ने में कामयाब रही। (अनंत ज्ञान)

हैदराबाद में भारी बारिश, कालोनियां डूबीं

एजेंसी, हैदराबाद। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया था। इस दौरान यहां भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। पालघर में देर रात बिजली गिरने की घटना में 6 लोग घायल हो गए। वहीं, हैदराबाद में भारी बारिश होने से आसपास की रिहायशी कालोनियों में पानी भर गया। 1000 लोगों का रेस्क्यू किया गया। 26 सितंबर को एक दिन में 194.1 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य 38.2 मिमी से 408% ज्यादा थी। लगातार बारिश और उस्मान सागर व हिमायत सागर से पानी छोड़े जाने के कारण मूसी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। (अनंत ज्ञान)

मुनीर ने ट्रंप को गिफ्ट किया रेयर अर्थ मिनरल्स से भरा बॉक्स

एजेंसी, वॉशिंगटन

पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने 26 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक खास लकड़ी का बॉक्स गिफ्ट किया, जिसमें दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ मिनरल्स) थे। व्हाइट हाउस ने रविवार को एक तस्वीर जारी की है, जिसमें ट्रंप पाकिस्तानी सेना प्रमुख की पेशकश को ध्यान से देख रहे हैं। तस्वीर में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। यह मुलाकात ओवल ऑफिस में बंद कमरे में हुई थी। दोनों के बीच करीब 1 घंटा 20 मिनट तक बैठक चली। कुछ हफ्ते पहले ही एक अमेरिकी धातु कंपनी ने पाकिस्तान के साथ 500 मिलियन डॉलर के निवेश सौदे पर हस्ताक्षर किए थे।

इस महीने की शुरुआत में, पाकिस्तान की फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन ने अमेरिका की कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स के साथ एक पॉली-मेटेलिक रिफाइनरी स्थापित करने के लिए समझौता किया था। अगस्त में, जनरल मुनीर ने पाकिस्तान के खनिज और तेल भंडार को खजाना बताते हुए अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौता किया, जिससे अमेरिकी निवेश की उम्मीद जताई गई। (अनंत ज्ञान)

मौद्रिक नीति समिति की बैठक एक को

एजेंसी, नई दिल्ली। रेपो रेट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक एक अक्तूबर को होगी।

माना जा रहा है कि इस बैठक में रेपो रेट को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इस बार एसबीआई की एक रिपोर्ट ने 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की कटौती का सुझाव दिया है, जबकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आरबीआई मौजूदा रेट को बरकरार रख सकता है। इस साल आरबीआई ने तीन बार मिलाकर कुल 100 बेसिस पॉइंट की कटौती की है, क्योंकि महंगाई दर कम हो रही है। (अनंत ज्ञान)

तुर्किये में लगे 5.4 तीव्रता के भूकंप के झटके

एजेंसी, इस्तांबुल। उत्तर-पश्चिमी तुर्किये में रविवार को एक शक्तिशाली भूकंप आया है। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गई है। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। आपातकालीन एजेंसी एएफएडी ने बताया कि भूकंप कुटाह्या प्रांत के सिमाव शहर में आठ किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। भूकंप दोपहर 12.59 बजे (09.59 जीएमटी) आया और उसके बाद 4.0 तीव्रता का एक और भूकंप आया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भूकंप के झटके तुर्किये के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में भी महसूस किए गए। उत्तर में लगभग 100 किलोमीटर दूर है। (अनंत ज्ञान)

इसराइली सेना ने पाकिस्तान के जहाज पर ड्रोन से किया हमला

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने हाल ही में डिफेंस डील की थी, जिसके मुताबिक दोनों में किसी भी देश पर हमला दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। इस डील के बाद पाकिस्तान ने सऊदी को न्यूक्लियर हथियार देने तक की बात कह डाली। इन सब बयानों से पाकिस्तान ने बेवजह इसराइल से अपनी दुश्मनी को बढ़ा दिया। अब खबर है कि इसराइली सेना ने पाकिस्तान के एक जहाज पर हमला कर दिया। जहाज लाल सागर में था, तभी यह हमला हुआ। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने पुष्टि की है कि एक पाकिस्तानी चालक दल वाला एलपीजी टैंकर इसराइली हमले का शिकार हुआ है।

उन्होंने कहा कि जहाज हूती विद्रोहियों की गिरफ्त से भी सुरक्षित बाहर निकल आया है। इस जहाज पर कुल 27 सदस्य सवार थे, जिनमें से 24 पाकिस्तानी, 2 श्रीलंकाई और 1 नेपाली नागरिक शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 17 सितंबर 2025 को यह जहाज रास अल-ईसा पोर्ट पर खड़ा था, जो वर्तमान में हूतियों के नियंत्रण में है। इसी दौरान इसराइल के एक ड्रोन ने टैंकर को निशाना बनाया। हमले में जहाज के एलपीजी टैंकों में से जोरदार विस्फोट हुआ, लेकिन चालक दल ने आग पर काबू पा लिया और सभी की जान बच गई। (अनंत ज्ञान)

मन की बात

126वें एपिसोड में फेस्टिवल सीजन, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल पर बात

प्रधानमंत्री मोदी ने की त्योहारों में स्वदेशी खरीदने की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो शो 'मन की बात' के 126वें एपिसोड में फेस्टिवल सीजन, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल पर बात की। पीएम ने कहा कि इस बार त्योहारों में स्वदेशी सामान ही खरीदें। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। इसके अलावा पीएम ने दशहरा और छठ पर्व पर भी बात की। मोदी ने कहा- भारत सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की लिस्ट में शामिल करने पर काम कर रही है। इसके बाद पूरी दुनिया में पर्व की भव्यता फैलेगी। (अनंत ज्ञान)

पीएम ने भगत सिंह और लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

पीएम ने कहा कि आज लता मंगेशकर की जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रुचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वो सब कुछ है, जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोरता है। मराठी सुगम संगीत की महान हस्ती सुधीर फड़के जी ने सबसे पहले लता दीदी से मेरा परिचय कराया था। मैंने लता दीदी को कहा कि मुझे आपका गाया गाना ज्योति कलश छलके बहुत पसंद है। अमर शहीद भगत सिंह, हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूटकर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह जी ने अंग्रेजों को एक पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप मुझे और मेरे साथियों से युद्धबंदी जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मार कर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है।

वोकल फॉर लोकल पर जोर

पीएम ने कहा कि हम ठान लें कि इस बार त्योहार सिर्फ स्वदेशी चीजों से ही मनाएंगे, तो देखिएगा, हमारे उत्सव की रौनक कई गुना बढ़ जाएगी। वोकल फॉर लोकल को खरीददारी का मंत्र बना दीजिए। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसे देश के लोगों ने बनाया है, वही घर ले जाएंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे।

इन लोगों का किया जिक्र

पीएम ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि भारतीय नेवी की दो बहादुर ऑफिसर ने नाविका सागर परिक्रमा के दौरान दिखाया है कि साहस और दृढ़ संकल्प होता क्या है। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और रूपा ने समंदर में लगातार 8 महीने तक पतवार वाली नाव से 50 हजार किमी की यात्रा की थी। पीएम ने दोनों से फोन पर बात की। वहीं, झारखंड के आशीष सत्यव्रत साहू ने जोहराग्राम ब्रांड के जरिए आदिवासी बुनाई और परिधानों को ग्लोबल रैंप तक पहुंचाया है। उनके प्रयासों से आज झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर को दूसरे देशों के लोग भी जानने लगे हैं। पीएम ने कहा कि तमिलनाडु के अशोक जगदीशन जी और प्रेम सेल्वाराज जी ने कॉरपोरेट नौकरी छोड़ एक नई पहल की। उन्होंने घास और केला फाइबर से योगा मैट बनाए, हर्बल रंगों से कपड़े रंगे और 200 परिवारों को ट्रेनिंग देकर उन्हें रोजगार दिया।

अगले साल मार्च तक देश से खत्म होगा नक्सलवाद : शाह

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में नक्सल मुक्त भारत मोदी के नेतृत्व में लाल आतंक को समाप्त करने का दृढ़ संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि मैं फिर कह रहा हूं कि 31 मार्च, 2026 तक इस देश से हथियारी नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। अमित शाह ने कहा कि मैंने बयान दिया था कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा, लेकिन सवाल यह है कि इस देश में नक्सलवादी समस्या क्यों पनपी? जब भारत देश समाज में नक्सलवाद के विचार का वैचारिक पोषण, लीगल समर्थन और वित्तीय पोषण करने वाले समाज में बैठे हुए लोगों को समझ नहीं लेता है और उन लोगों को हम वापस नहीं लाते हैं तब तक नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई समाप्त नहीं होगी। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

शैलेश कुमार ने हाई जंप में जीता गोल्ड मेडल, दीप्ति को सिल्वर

एजेंसी, नई दिल्ली। शैलेश कुमार और वरुण सिंह भाटी ने 27 सितंबर को मेन्स हाई जंप ञ्ज63-ञ्ज42 इवेंट में क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेजबान भारत का खाता खोला। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की थेकरा अलकाबी ने वूमेन्स 100 मीटर 71 फ्रेम रनिंग स्पर्धा में वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 25 साल के शैलेश ने 42 वर्ग में 1.91 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास से चैंपियनशिप रिकॉर्ड और एशियाई रिकॉर्ड तोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। बिहार के जमुई जिले के इस्लाम नगर गांव में एक किसान परिवार में जन्मे शैलेश के दाहिने पैर में बचपन में ही पोलियो हो गया था। शैलेश ने जीत के बाद पीटीआई-भाषा से कहा कि जब वह स्कूल में थे तो सामान्य खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते थे। लोग उन्हें कहते थे कि वह खेल क्यों रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब उन्होंने 2016 के रियो पैरालिंपिक में देखा कि यह खेल उनकी कैटेगिरी में होता है, तब उन्होंने पैरा गेम्स में शुरुआत करने का फैसला किया। पैरा एशियन गेम्स के पूर्व पदक विजेता भाटी ने कांस्य पदक जीता जबकि मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अमेरिका के एज्रा फ्रेच ने सिल्वर मेडल हासिल किया। दवूमेन्स 400 मीटर ञ्ज20 फाइनल में भारत की गत चैंपियन दीप्ति जीवनजी ने 55.16 सेकंड के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ सिल्वर मेडल जीता। तुर्किऐ की आयसेल ओन्डर ने गोल्ड मेडल जीता।(अनंत ज्ञान)

'उन्हें समझदारी से टूर्नामेंट चुनने होंगे' पीवी सिंधू को साइना नेहवाल की सलाह

एजेंसी, मुंबई । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल का मानना है कि पीवी सिंधू को अब टूर्नामेंट चुनने में समझदारी दिखानी होगी। जैसे-जैसे सिंधू 30 की उम्र में पहुंच रही हैं, लगातार हर टूर्नामेंट खेलने का दबाव उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। साइना ने कहा, %ऐसा नहीं है कि एक निश्चित उम्र के बाद आप अच्छा नहीं कर सकते। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन आपको उन टूर्नामेंटों पर ध्यान देना होगा जिनमें आप अच्छा करना चाहते हैं। साइना का कहना है कि रैंकिंग बनाए रखने के लिए सभी टूर्नामेंट खेलना थकाऊ हो सकता है। उन्होंने कहा, आप सभी टूर्नामेंटों में अच्छा नहीं कर सकते क्योंकि यह मुश्किल होता है। इस उम्र में जब आप अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए लगातार इतने सारे टूर्नामेंट खेल रहे होते हैं तो जाहिर है आपको एक निश्चित दौर तक तो पहुंचना ही होगा। साइना का मानना है कि सिंधू को बड़े टूर्नामेंट जैसे विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप जीतना चाहते हैं जैसे विश्व चैंपियनशिप या एशियाई चैंपियनशिप तो आपको उन टूर्नामेंटों में पूरी ताकत लगानी होगी।' साइना ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर की रिकवरी पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि 28-29 साल की उम्र के बाद शरीर की उबरने की क्षमता काफी धीमी होती है। निश्चित रूप से आपको बहुत कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी, लेकिन पांच दिनों तक हर दिन जोर लगाना आसान नहीं है। 2024-25 का साल सिंधू के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है क्योंकि कई टूर्नामेंटों में वह पहले या दूसरे राउंड में हार गईं। हालांकि, हाल ही में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर बेहतर प्रदर्शन के संकेत दिए। साइना ने कहा, 'अगले कुछ टूर्नामेंटों में देखते हैं उसका प्रदर्शन कैसा रहता है क्योंकि विश्व चैंपियनशिप के बाद उसने अच्छा प्रदर्शन किया है। (अनंत ज्ञान)

टी-20 मैच पहली सीरीज में नेपाल की विजयी शुरुआत

नेपाल ने वेस्टइंडीज को 19 रन से हराया

एजेंसी, शारजाह

शारजाह में खेले गए तीन टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में नेपाल ने वेस्टइंडीज को 19 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 9 विकेट खोकर 129 रन ही बना सकी।

यह जीत नेपाल की किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ सभी फॉर्मेट में पहली जीत है। इससे पहले 2014 में नेपाल ने टी-20 में अफगानिस्तान को हराया था, लेकिन उस समय अफगानिस्तान एसोसिएट टीम थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह नेपाल का पहला टी-20 मैच और किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ उनकी पहली बाइलैट्रल सीरीज की शुरुआत थी। (अनंत ज्ञान)

वेस्टइंडीज की टीम 129 रन पर आउट

नेपाल की खराब शुरूआत, लेकिन मजबूत वापसी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट पर 148 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 8 रन के स्कोर पर पहला विकेट गिर गया। कुशल भुर्तेल 6 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज आशिफ शेख भी सिर्फ 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तीसरे विकेट के लिए कप्तान रोहित पौडेल और कुशल मल्ला ने 45 गेंदों पर 58 रन की अहम साझेदारी की। कुशल मल्ला ने 21 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाए, जबकि रोहित पौडेल ने 35 गेंदों में 38 रन की पारी खेली। दीपेंद्र सिंह एरी ने 19 गेंदों में 17 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि नवीन बिदाईसी ने 29 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में बना सकी 129 रन

नेपाल के 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 129 रन ही बना सकी। नई टीम के साथ मैदान में उतरी विंडीज की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही। उनकी टीम में चार नए खिलाड़ी शामिल थे। वेस्टइंडीज की ओर से नवीन बिदाईसी ने सबसे ज्यादा 22 रन बनाए। अमीर जंगू और फेबियन एलन ने 19-19 रन जोड़े, जबकि कप्तान अकील हुसैन 18 रन बनाकर आउट हुए। अकीम ने 15 और केसी कार्टी ने 16 रन का योगदान दिया। नेपाल की ओर से कुशल भुर्तेल ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

एशिया कप फाइनल में भारत और पाक में कांटेदार टक्कर

एजेंसी, दुबई

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के फाइनल में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया था। पाकिस्तान ने 9.4 ओवर में एक विकेट खोकर 84 रन बना लिए थे।

फखर जमान क्रीज पर थे। साहिबजादा फरहान 38 गेंद पर 57 रन बनाकर आउट हुए थे। वरुण चक्रवर्ती ने उन्हें तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया।

भारत ने अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए थे। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा नहीं खेल पाए। शिवम दुबे और जसप्रीत बुमराह की वापसी इस मैच में हुई जबकि रिंकू सिंह पहली बार टूर्नामेंट में खेल रहे थे। हार्दिक चोटिल हैं। उन्हें श्रीलंका के विरुद्ध मैच में हैमस्ट्रिंग में समस्या हुई थी। पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में कोई फेरबदल नहीं हुआ।

कोको गॉफ चीन ओपन के तीसरे दौर में

एजेंसी, बीजिंग

फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने रविवार को यहां कड़े मुकाबले में लेला फर्नांडीज को तीन सेट में हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। गत चैंपियन गॉफ ने दूसरा सेट गंवाने के बावजूद फर्नांडीज को 6-4, 4-6, 7-5 से शिकस्त दी। दूसरा सेट गंवाने के बाद गॉफ ने तीसरे और निर्णायक सेट के 12वें गेम में विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर जीत दर्ज की। गॉफ इस डब्ल्यूटीए 1000 सीरीज टूर्नामेंट के अगले दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच और ऑस्ट्रेलिया की प्रिसकिला होन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगी। इवा लिस ने 10वें नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना को हराया जबकि अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने बारबरा क्रेसिकोवा के 1-6, 7-5, 3-0 के स्कोर पर मुकाबले के बीच से हटने पर अगले दौर में जगह बनाई।

एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट में लोरेंजो मुसेटी ने अनुभवी एड्रियन मनारिनो को दूसरे दौर के मुकाबले में हराया। मुसेटी अगले दौर में लर्नर से भिड़ेंगे। (अनंत ज्ञान)

युवराज संधू ताइवान मास्टर्स में संयुक्त 44वें स्थान पर

एजेंसी, न्यू ताइपे सिटी

भारतीय गोल्फर युवराज संधू रविवार को यहां तीसरे दौर में चार ओवर 76 के स्कोर से मरकरीज ताइवान मास्टर्स में संयुक्त रूप से 44वें स्थान पर हैं। संधू ने दो बर्डी की लेकिन चार बोगी और एक डबल बोगी भी कर गए जिससे उनका स्कोर चार ओवर रहा।

उनका कुल स्कोर आठ ओवर रहा। शुरुआती दो दौर के बाद एकल बढ़त बनाने वाले थाईलैंड के अतिरुज विनाइचेरोनचाइ (एक ओवर 73) और उनके हमवतन रतानोन वनासरिचान (दो अंडर 70) छह अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। (अनंत ज्ञान)

प्रणवी उर्स फ्रांस में लेडीज ओपन में शीर्ष पांच में रहीं

एजेंसी, इयूविले (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स यहां लाकोस्टे लेडीज ओपन डि फ्रांस के अंतिम दिन टूर्नामेंट का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं। प्रणवी ने अंतिम दौर में छह अंडर 65 के स्कोर से कुल 10 अंडर 203 का स्कोर बनाया।

कट हासिल करने वाली एक अन्य भारतीय खिलाड़ी दीक्षा डागर ने अंतिम दौर में पार 71 के स्कोर से एक अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 46वां स्थान हासिल किया। ऐना हुआंग ने अंतिम दौर में छह अंडर 65 के स्कोर से कुल 16 अंडर के स्कोर के साथ दक्षिण अफ्रीका की कसांद्रा एलेक्जेंडर और जर्मनी की हेलेन ब्रीम को दो शॉट से पछाड़कर खिताब जीता।

लौरा वोल्वार्ड्ट का खूबसूरत अंदाज

दक्षिण अफ्रीकी। दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट जितनी अपने खेल में माहिर हैं, उतनी ही खूबसूरती के मामले में भी आगे हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही वायरल हो जाती हैं।

महिला वर्ल्ड कप के लिए कमेंट्री पैनल का ऐलान दिनेश से लेकर मिताली राज तक शामिल

एजेंसी, नई दिल्ल। आईसीसी ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के लिए अपने आधिकारिक कमेंट्री पैनल की घोषणा कर दी है। इस बार खास बात यह है कि पैनल में महिला खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। कई दिग्गज महिला क्रिकेटर और अनुभवी ब्रॉडकास्टर्स अपनी आवाज की गूंज से दर्शकों के बीच समां बांधेंगे। भारत की दो पूर्व कप्तान मिताली राज और अंजुम चोपड़ा भी इस पैनल का हिस्सा होंगी। पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन जैसे बड़े नाम इस कमेंट्री करते सुनाई देंगे। इनके साथ मेल जोन्स, ईसा गुहा, स्टेसी-एन किंग और जूलिया प्राइस जैसे अनुभवी महिला खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगी। कमेंट्री पैनल में दुनिया भर से कई बड़े नाम शामिल किए गए हैं. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरॉन फिंच, वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर कार्लोस ब्रेथवेट, भारत के अनुभवी विकेटकीपर दिनेश कार्तिक, न्यूजीलैंड की पूर्व खिलाड़ी केटी मार्टिन और दिग्गज कमेंटेटर इयान बिशप भी टीम का हिस्सा होंगे।

इसके अलावा इंग्लैंड की नताशा फैरेंट, जिम्बाब्वे के म्पुमेलो म्बांगवा और श्रीलंका के रसेल अर्नोल्ड भी अपनी शैली से टूर्नामेंट को खास बनाएंगे। अनुभवी आवाजों में नताली जर्मनोस, एलन विल्किंस और कास नायडू शामिल हैं, वहीं रौनक कपूर और जतिन सप्रू जैसे चेहरे भी पैनल में अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा कि वर्ल्ड कप 2025 केवल क्रिकेट का महोत्सव नहीं है, बल्कि यह नई उम्र की लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। (अनंत ज्ञान)

जूलियन अल्वारेज के दो गोल से एटलेटिको ने रियल मैड्रिड को हराया

फुटबॉल टूर्नामेंट

एजेंसी, बार्सीलोना

जूलियन अल्वारेज के शानदार दो गोल की बदौलत एटलेटिको मैड्रिड ने ला लीगा 2025 में रियल मैड्रिड को 5-2 से मात देकर बड़ा उलटफेर किया। यह 75 साल बाद पहली बार है जब एटलेटिको ने मैड्रिड डर्बी में रियल के खिलाफ पांच गोल दागे। अन्य मुकाबलों में, स्थानापन्न खिलाड़ी अल्बर्टो मोलेइरो के निर्णायक गोल से विलारीयाल ने एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराया और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मजबूत पकड़ बनाई।

वहीं, मालोर्का ने एल्वेस को 1-0 से हराकर सत्र की पहली जीत दर्ज की। लेवांते बनाम गेटाफे का मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।(अनंत ज्ञान)

सीरी ए: अटलांटा ने यूवेंटस को रोका, इंटर की जीत

सीरी ए फुटबॉल लीग में कमालदीन सुलेमान के शानदार गोल की मदद से अटलांटा ने यूवेंटस को 1-1 की बराबरी पर रोका। सुलेमान ने हाफ टाइम से पहले टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन जुआन कबाल ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल दागकर यूवेंटस को अपराजेय बनाए रखा। इसी दौर में इंटर मिलान ने कैगलियारी को 2-0 से हराकर सीजन की दूसरी जीत दर्ज की। गौरतलब है कि अटलांटा ने 2018 से अब तक यूवेंटस के घरेलू मैदान पर कोई मैच नहीं गंवाया है - इस दौरान टीम ने पांच जीत और दो ड्रॉ दर्ज किए। वहीं, क्रेमोनेस ने कोमो को 1-1 से रोककर अपना अजेय अभियान जारी रखा।

क्रिस्टल पैलेस ने लीवरपूल को हराया

एजेंसी, बार्सीलोना। इंग्लिश प्रीमियर लीग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब एडी एनकेतिया ने इंजरी टाइम के सातवें मिनट में गोल दागकर क्रिस्टल पैलेस को लिवरपूल पर 2-1 की जीत दिलाई। इस जीत के साथ पैलेस का अपराजेय सिलसिला 18 मैचों तक पहुंच गया। वहीं, गत चैंपियन लिवरपूल को सीजन की पहली हार झेलनी पड़ी। वहीं चेल्सी को ब्राइटन के खिलाफ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

एशिया कप में खराब प्रदर्शन के बाद अब्दुर रज्जाक का इस्तीफा

एजेंसी, न्यू दिल्ली। पूर्व राष्ट्रीय बाएं हाथ के स्पिनर अब्दुर रज्जाक ने शनिवार को छह अक्तूबर को होने वाले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनाव में शामिल होने के लिए चयन समिति से इस्तीफा दे दिया है। रज्जाक ने श्रेणी 1 से नामांकन पत्र जमा करने के बाद क्रिकबज वेबसाइट को बताया, 'मैंने बीसीबी चुनाव में शामिल होने के लिए चयनकर्ता पद से इस्तीफा दे दिया है।मैंने एक खिलाड़ी और एक चयनकर्ता के रूप में इस देश की सेवा की है और अब निर्वाचित होने पर निदेशक मंडल में शामिल होकर आगे आने वाली नई चुनौती का सामना करना चाहता हूं।

रज्जाक को जनवरी 2021 में चयनकर्ता नियुक्त किया गया था। रज्जाक ने आज निदेशक के चुनाव के लिए नामांकन फॉर्म खरीदा क्योंकि वह बीसीबी बोर्ड रूम में खुलना डिवीजन का प्रतिनिधित्व करने पर नजर गड़ाए हुए हैं। 25 निदेशक अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। बीसीबी के चुनाव आयोग ने आगामी निदेशक मंडल के चुनावों के लिए 26 सितंबर को 191 पार्षदों की अंतिम मतदाता सूची की घोषणा की। अंतिम सूची में ढाका स्थित 15 क्लबों के काउंसलर शामिल थे, जिन्हें 23 सितंबर को जारी मसौदा सूची से बाहर रखा गया था, क्योंकि भ्रष्टाचार रोधी आयोग द्वारा अनियमितताओं के लिए जांच चल रही थी।(अनंत ज्ञान)

मिथुन मन्हास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष

एजेंसी, मुंबई। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास रविवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में इसके अध्यक्ष चुने गए। मन्हास (45 वर्ष) बोर्ड के 37वें अध्यक्ष बने। उन्होंने रोजर बिन्नी की जगह ली जिन्होंने पिछले महीने 70 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। पूर्व ऑलराउंडर मन्हास ने 1997-98 और 2016-17 के बीच 157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 55 आईपीएल मैच खेले। बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों की एक अनौपचारिक बैठक के बाद उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया। मन्हास के नाम प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 27 शतक सहित 9714 रन और लिस्ट ए मुकाबलों में 4126 रन दर्ज हैं। (अनंत ज्ञान)

जेएंडके की अंडर-15 टीम में खेले

मन्हास ने जम्मू-कश्मीर से अंडर-15, अंडर-16 और अंडर-19 खेला। उन्होंने 3 साल जेएंडके के लिए अंडर-19 खेला। साल 1995 में उन्होंने लगभग 750 रन बनाए और देश के हाईएस्ट अंडर-19 स्कोरर बने। बाद में जेएंडके टीम के कैप्टन बने। इसी परफॉर्मेंस के चलते उनका सिलेक्शन नॉर्थ जोन के लिए हुआ।

दिल्ली रणजी टीम के कैप्टन बने और ट्रॉफी दिलाई

मन्हास ने दिल्ली टीम के लिए अच्छा परफॉर्म करते हुए मिडिल ऑर्डर में अपनी जगह पक्की की। 2001-02 सीजन में पहली बार रणजी ट्रॉफी में 1000+ रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हुए। फिर वो 2006 से 2008 तक दिल्ली रणजी टीम के कप्तान रहे। कप्तानी में दिल्ली ने 2007-08 रणजी ट्रॉफी जीती। ये दिल्ली टीम का 16वां रणजी ट्रॉफी खिताब था।

संन्यास के बाद कोच बने

साल 2017 में संन्यास के बाद कोचिंग में एंट्री की। आईपीएल फ्रेंचाइजी किंग्स एक्सआई पंजाब और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ सपोर्ट स्टाफ के रूप में जुड़े। फिर गुजरात टाइटंस के साथ कोचिंग स्टाफ में रहे।

जेएंडके क्रिकेट एसो. के डायरेक्टर रहे

मन्हास साल 2023 में जम्मू और कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन में क्रिकेट ऑपरेशन्स डायरेक्टर बने। क्रिकेट स्ट्रक्चर को मजबूत करने में योगदान दिया। घरेलू क्रिकेट के खिलाड़ियों को तैयार करने पर काम किया।

राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष बने रहेंगे

राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष और देवजीत सैकिया सचिव पद बने रहेंगे। वहीं, कर्नाटक और भारत के पूर्व स्पिनर रघुराम भट कोषाध्यक्ष बने हैं। पूर्व कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया नए संयुक्त सचिव होंगे।

गोला फेंक चैंपियनशिप तीसरी बार विश्व रिकॉर्ड प्रयास के साथ खिताब जीता

रुझदी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ छठा स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी, नई दिल्ली

बुल्गारिया के रुझदी ने रविवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष गोला फेंक एफ55 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड थ्रो के साथ लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता।

चौंतीस साल के रुझदी ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 12.94 मीटर की दूरी के साथ 12.68 मीटर के अपने ही पिछले विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पेरिस में 2023 विश्व चैंपियनशिप के दौरान बनाया था। इस स्पर्धा में खिलाड़ी बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि उनके निचले अंग काम नहीं करते। रुझदी एक कार दुर्घटना में घायल हो गए थे जिसके कारण कमर के नीचे का उनका शरीर काम नहीं करता। उन्होंने 2015 में दोहा से विश्व चैंपियनशिप के प्रत्येक सत्र में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने तीसरी बार विश्व रिकॉर्ड प्रयास के साथ खिताब जीता। सर्बिया के नेबोसा ड्यूरिक ने 12.52 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत जबकि स्कॉटलैंड के लेच स्टोल्टमैन ने 12.02 मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीता। (अनंत ज्ञान)

प्रतियोगिता के दूसरे दिन सुबह के सत्र में बने तीन विश्व रिकॉर्ड

रोमली का लंबी कूद स्पर्धा में दबदबा

रोमली का लंबी कूद स्पर्धा में दबदबा रहा है। इस स्पर्धा में उन्होंने पांच स्वर्ण और एक रजत पदक जीता है। विश्व चैंपियनशिप में उन्हें एकमात्र बार शिकस्त का सामना दुबई में 2019 में करना पड़ा था।

नसीमा ने चक्का फेंक स्पर्धा में जीता स्वर्ण

अल्जीरिया की नसीमा सैफी ने महिला चक्का फेंका एफ57 स्पर्धा में 34.54 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक की दोहरी हैट्रिक बनाई। स्पर्धा में उनके दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि उनके पांचों वैध थ्रो 32 मीटर से अधिक के थे जबकि चीन की रजत पदक विजेता टियान यूशिन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 30.30 मीटर रहा। इन दोनों के अलावा कोई अन्य खिलाड़ी 30 मीटर के आंकड़े को पार नहीं कर सकी।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने लंबी कूद स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने पुरुष लंबी कूद टी20 स्पर्धा में 7.67 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक की हैट्रिक बनाई जबकि यूक्रेन के वोलोदिमिर पोनोमरेंको ने पुरुष गोला फेंक टी12 स्पर्धा में 17.39 मीटर के नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ खिताब अपने नाम किया। वहीं स्विट्जरलैंड की कैथरीन डिब्रनर ने महिला 5000 मीटर टी54 स्पर्धा में 12 मिनट 18.29 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने चीन की गत चैंपियन टियान याजुआन और अपनी ही टीम की साथी पैट्रीसिया इचस को पछाड़ा।

पैर गंवाने के बाद चुनौतियों से उबरकर विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियन बने तोमन

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता तोमन ने छत्तीसगढ़ में 2022 में एक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक घातक आईईडी विस्फोट में अपना पैर गंवा दिया था लेकिन उन्होंने इसके बाद की चुनौतियों से पार पाते हुए सफलता की ओर कदम बढ़ाए।

केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 30 वर्षीय कांस्टेबल ने अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी टूर्नामेंट में सात पदक जीते हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में शनिवार को पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा का खिताब जीता। तोमन सीआरपीएफ की एक इकाई का हिस्सा थे जिसे देश के सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में से एक दक्षिण बस्तर क्षेत्र में नियुक्त किया गया था। पर फरवरी 2022 में सीआरपीएफ और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी के दौरान तोमन आईईडी विस्फोट में घायल हो गए।

सीआरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह इसमें गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे 12 फरवरी 2022 को उसका बायां पैर काटना पड़ा। उन्होंने कहा, "तोमन कुमार 2017 में सीआरपीएफ में शामिल हुए थे और जब वह मात्र 26 वर्ष के थे। लेकिन बस्तर में फरवरी में हुई इस मुठभेड़ में शरीर का एक अंग गंवाना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।"

उन्होंने बताया कि तोमन ने नवंबर 2023 में पैरा तीरंदाजी का अभ्यास शुरू किया और एक साल बाद सितंबर 2024 में सीआरपीएफ की केंद्रीय (मुख्य) टीम में शामिल किया गया। (अनंत ज्ञान)